प्रसार भारती
PRASAR BHARATI

भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

www.prasarbharati.gov.in

प्रसार भारती

PRASAR BHARATI

भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट

2020-21

विषय-वस्तु

अध्याय 1	प्रसार भारती – एक अवलोकन	1
अध्याय 2	वैश्विक आउटरीच	9
अध्याय 3	क्षमता निर्माण–प्रशिक्षण अवसंरचना	16
अध्याय 4	सामान्य सुविधाएं (आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए)	22
अध्याय 5	मानव संसाधन और प्रशासन	35
	आकाशवाणी	
अध्याय 6	आकाशवाणी – तथ्यों पर एक नज़र	47
	दूरदर्शन	
अध्याय 7	दूरदर्शन – तथ्यों पर एक नज़र	79
	वित्त एवं लेखे	
अध्याय 8	प्रसार भारती – वित्त एवं लेखे	129
	अनुलग्नक	
अनुलग्नक-I	आकाशवाणी विदेश प्रसारण सेवा चैनल	161
अनुलग्नक-II	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित तकनीकी पाठ्यक्रमों/वेबिनारों का विवरण।	162
अनुलग्नक-III	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित तकनीकी पाठ्यक्रमों का विवरण।	165
अनुलग्नक-IV	क्षेत्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, शिलांग द्वारा आयोजित पाठ्यक्रमों का विवरण।	168
अनुलग्नक-V	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम संवर्ग और प्रशासनिक संवर्ग हेतु प्रशिक्षण/वेबिनारों का विवरण।	169

अनुलग्नक-VI	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित कार्यक्रम संवर्ग और प्रशासनिक संवर्ग हेतु प्रशिक्षण/वेबिनारों का विवरण।	178
अनुलग्नक-VII	क्षेत्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, शिलांग द्वारा आयोजित कार्यक्रम संवर्ग और प्रशासनिक संवर्ग हेतु प्रशिक्षण/वेबिनारों का विवरण।	183
अनुलग्नक-VIII	सिविल निर्माण स्कंध द्वारा आकाशवाणी व दूरदर्शन के लिए शुरू की गई प्रमुख परियोजनाएं।	184
अनुलग्नक-IX	वर्ष 2020–21 के महत्वपूर्ण कवरेज, प्रसारण और रेडियो रिपोर्ट्स का विवरण	186
अनुलग्नक-X	विदेश प्रसारण सेवा से प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम	193
अनुलग्नक-XI	दूरदर्शन केंद्र	195
अनुलग्नक-XII	दूरदर्शन ट्रांसमीटर	198
अनुलग्नक-XIII	दूरदर्शन सैटेलाइट चैनल	200
अनुलग्नक-XIV	डिजिटल स्थलीय ट्रांसमीटरों की स्थिति (डीटीटी)	201
अनुलग्नक-XV	डीडी फ्री डिश की सूची	202
अनुलग्नक-XVI	वीवीआईपी/महत्वपूर्ण ओबी कवरेज	205
अनुलग्नक-XVII	दूरदर्शन (पूँजीगत परिसंपत्ति का निर्माण)	209

अध्याय 1

प्रसार भारती – एक अवलोकन

क. परिचयः

प्रसार भारती, भारत का लोक सेवा प्रसारक प्रसार भारती अधिनियम, 1990 के तहत स्थापित किया गया था, और यह 23 नवंबर, 1997 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना – सूचना देना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। वर्षों से इसने प्रसार भारती अधिनियम में निहित अपने वैधानिक जनादेश को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है।

आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो – रेडियो नेटवर्क) और दूरदर्शन (टेलीविज़न नेटवर्क) इसके घटक हैं। प्रसार भारती डीडी फ्रीडिश भी संचालित करता है, जो एकमात्र निःशुल्क डायरेक्ट टू होम सेवा है जो भारत में सबसे बड़ा वितरित डीटीएच प्लेटफॉर्म है। प्रसार भारती डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने दर्शकों तक भी पहुंचता है और न्यूज़ऑनएयर ऐप के साथ–साथ प्रसार भारती न्यूज़ सर्विस का संचालन करता है जो इसकी राष्ट्रव्यापी और बहुभाषी प्रसारण सेवाओं के साथ मिलकर इसकी डिजिटल सेवाएं हैं।

दूरदर्शन और आकाशवाणी ने राष्ट्र के विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। कृषि, औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, महिलाओं की मुक्ति, जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने और लोकतंत्रीकरण प्रक्रिया जैसे लगभग हर क्षेत्र में रेडियो और टेलीविज़न द्वारा किए गए योगदान को अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त है। प्रसारण नेटवर्क राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक हित के मामलों पर स्वतंत्र रूप से और निष्पक्ष रूप से सूचित करने के लिए नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं, और किसी भी विचारधारा को बढ़ावा दिए बिना अलग–अलग विचारों सहित सूचना के निष्पक्ष और संतुलित प्रवाह की सुविधा प्रदान करते हैं। संगठन देश की एकता और अखंडता और संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने का प्रयास करता है।

सांस्कृतिक विविधता और भाषाओं, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, परिवार कल्याण और विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। युवाओं की विशेष जरूरतों, महिलाओं की स्थिति और समस्याओं, सामाजिक न्याय, श्रमिक वर्गों, अल्पसंख्यकों और आदिवासी समुदायों के कल्याण, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। विषय को सीधा प्रसारित भी किया जाता है और मोबाइल ऐप न्यूज़ऑनएयर के माध्यम से कहीं भी देखा और सुना जा सकता है।

प्रसार भारती चैनल देश में एक अत्यधिक व्यावसायिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वातावरण में विश्वसनीयता और विश्वास की स्थिति पर कब्जा किए हुए हैं, और प्रसार भारती द्वारा तैयार किए गए नैतिक मानदंड और दिशानिर्देश उद्योग के लिए एक बेंचमार्क प्रदान करते हैं।

ख. उद्देश्यः

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 में निर्धारित प्रसार भारती के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं:–

i) देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।

ii) राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।

iii) सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।

iv) शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।

v) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।

vi) विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा व खेलकूद और युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।

vii) सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।

viii) प्रसारण प्रौद्योगिकी में प्रसारण सुविधाओं का प्रसार और विकास तथा शोध को बढ़ावा देना।

ग. प्रसार भारती बोर्ड

प्रसार भारती का संचालन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसमें एक अध्यक्ष, एक कार्यकारी सदस्य (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छः अंशकालिक सदस्य, सूचना और मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा पदेन के रूप में आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सम्मिलित हैं।

अध्यक्ष का कार्यकाल 70 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अंतर्गत तीन वर्षों का होता है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 65 वर्ष की आयु सीमा के अंतर्गत पांच वर्षों का होता है, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) का कार्यकाल 62 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अंतर्गत छः वर्षों का होता है जो भी पहले हो। प्रसार भारती बोर्ड की एक वर्ष में कम से कम छः बैठकें होती हैं।

प्रसार भारती बोर्ड की संरचना वर्ष 2020–21 के दौरान इस प्रकार थी:

- अध्यक्ष — रिक्त
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी — श्री शशि शेखर वेम्पटि

पूर्णकालिक सदस्य

- सदस्य (कार्मिक) — रिक्त
- सदस्य (वित्त) — श्री राजीव सिंह

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य

- अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहाकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और नामित सदस्य श्री अली आर.रिज़वी

अंशकालिक सदस्य

- श्रीमती काजोल देवगन — 23.02.2016 से
- श्री अशोक कु. टंडन — 08.07.2020 से
- श्री आलोक अग्रवाल — 08.07.2020 से
- श्री संजय गुप्ता — 08.07.2020 से
- श्रीमती शाइना एनसी — 09.07.2020 से
- श्री सलीम मर्चेंट — 09.07.2020 से

पदेन सदस्य

- महानिदेशक, दूरदर्शन — श्री मयंक अग्रवाल
- महानिदेशक, आकाशवाणी — रिक्त

प्रसार भारती बोर्ड की बैठकें

वर्ष के दौरान, प्रसार भारती बोर्ड की 6 बैठकें (161वीं से 166वीं) और बोर्ड समितियों की 14 बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों के दौरान लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय और जिन प्रमुख मामलों पर विचार–विमर्श किया गया, वे इस प्रकार हैं:

- कोविड–19 महामारी के दौरान आपातकालीन प्रसारण उपाय
- प्रसार भारती भर्ती बोर्ड की स्थापना
- बोर्ड की समितियों का पुनर्गठन
- प्रसार भारती और भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू–सूचना विज्ञान संस्थान {बीआईएसएजी (एन)} के बीच शैक्षिक टीवी चैनलों तक सार्वजनिक पहुंच की सुविधा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- डीएपी (प्रत्यक्ष असाइनमेंट प्रक्रिया) के माध्यम से सामग्री की सोर्सिंग के लिए नीति
- समाचार एकत्रीकरण को मजबूत करना और समाचार एजेंसियों को युक्तिसंगत बनाना
- अयोध्या विरासत परियोजना के कवरेज के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर को मंजूरी
- भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "देश के सभी क्षेत्रों में गुमनाम नायक/युद्ध/भारत की स्वतंत्रता के आंदोलन" पर सामग्री परियोजना का काम।
- डीडी रेट्रो का शुभारंभ, शाश्वत अधिकारों के आधार पर धारावाहिक 'साईंबाबा तेरे हज़ारों हाथ' सहित पुराने वर्षों के प्रतिष्ठित डीडी धारावाहिकों का अभिग्रहण
- अदायगी विज्ञापन एजेंसियों/ग्राहकों के साथ बकाया मामलों के अदालत से बाहर निपटान के लिए एक योजना तैयार करना
- उच्च न्यायालय में मैसर्स एसआईएस लाइव के मामले में मध्यस्थ द्वारा दिए गए धन को जमा करने के लिए बोर्ड की मंजूरी।

घ. संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड निगम के मामलों के सामान्य अधीक्षण, निर्देशन और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष स्तर पर कार्य करता है। बोर्ड को एक सचिवालय द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जिसमें कार्यक्रम, तकनीकी, वित्त और प्रशासन के अधिकारी शामिल हैं।

कार्यकारी सदस्य प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। प्रसार भारती सचिवालय में विभिन्न धाराओं के अधिकारी प्रचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन के साथ–साथ बजट, खातों और वित्तीय मामलों के प्रबंधन की देखरेख में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) की सहायता करते हैं।

आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) निदेशालय प्रत्येक का नेतृत्व महानिदेशक करते हैं। आकाशवाणी के समाचार विंग का नेतृत्व महानिदेशक, समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) और दूरदर्शन के महानिदेशक, समाचार और समसामयिक मामले (एन एंड सीए) द्वारा किया जाता है।

महानिदेशकों को कार्यक्रम, प्रशासन और वित्त विंग मैं अपर महानिदेशक (एडीजी) और इंजीनियरिंग विंग में एक प्रमुख अभियंता द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

निदेशालय नीति निर्माण, योजना और विकास, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजटीय योजना और नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन और रखरखाव गतिविधियों की देखरेख आदि के लिए जिम्मेदार हैं।

क्षेत्रीय स्तर का प्रचालन और प्रबंधन उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली), दक्षिण क्षेत्र (चेन्नई), पूर्व क्षेत्र (कोलकाता), पश्चिम क्षेत्र (मुंबई) और पूर्वोत्तर क्षेत्र (गुवाहाटी) में क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। अपर महानिदेशक स्तर के अधिकारी सामग्री प्रचालन, प्रसारण प्रचालन और प्रशासन के लिए क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं। एक राष्ट्रीय क्षेत्र दूरदर्शन और आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनलों की निगरानी करता है।

प्रसार भारती के मुख्यालयों में एकीकृत सतर्कता सेटअप स्थापित है, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सतर्कता अधिकारी करते हैं।

आकाशवाणी की विक्रय और बिलिंग गतिविधियों को देश भर में विभिन्न स्थानों पर स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा (सीबीएस) केंद्रों (अब नाम बदलकर विक्रय केंद्र किया गया है) के साथ–साथ मुंबई में स्थित केंद्रीय विक्रय एकांश (सीएसयू) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दिल्ली में विज्ञापन राजस्व प्रभाग (सीआरडी) (अब नाम बदलकर पीओएस किया गया है) सरकारी व्यवसाय की देखरेख करता है। दूरदर्शन में विक्रय गतिविधियों को मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता और बेंगलुरू में स्थित विज्ञापन राजस्व प्रभागों (सीआरडी) (नाम बदलकर विक्रय प्रभाग किया गया है) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दिल्ली में स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा (डीसीएस) द्वारा बिलिंग का संचालन किया जाता है।

प्रसार भारती का एक प्रशिक्षण स्कंध राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी है, इसका मुख्य कैंप किंग्ज़वे कैंप दिल्ली में स्थित है। इसके क्षेत्रीय कैंप भुवनेश्वर और शिलांग में भी है। अकादमी का कार्यक्रम प्रभाग कार्यक्रम और प्रशासनिक कर्मियों के सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार है। तकनीकी प्रभाग इंजीनियरिंग कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। एनएबीएम विभिन्न संवर्गों में भर्ती के लिए परीक्षा सहित कर्मचारियों के लिए विभागीय पदोन्नति परीक्षा भी आयोजित करता है।

अभिलेखागार, अनुसंधान विभाग, सिविल निर्माण स्कंध (सीसीडब्ल्यू) और आकाशवाणी संसाधन आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सामान्य सुविधाएं हैं।

12.02.2020 को बनाया गया प्रसार भारती भर्ती बोर्ड (पीबीआरबी), भारत सरकार के संयुक्त सचिव के स्तर से नीचे स्तर के कार्मिकों की भर्ती का नियंत्रण करता है।

ड़ विषय सुधार और नीतियांः

1. डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ मौलिक बदलावः

क. विकास और प्रचालन

i. प्रसार भारती सचिवालय, दूरदर्शन, आकाशवाणी और विदेश प्रसारण सेवा सहित कॉर्पोरेट वेबसाइट का आंतरिक विकास।

ii. न्यूज़ ऑनएयर वेबसाइट (यानी newsonair.com), मुद्रीकरण और राजस्व सृजन के साथ पीबीएनएस, समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी और दूरदर्शन न्यूज़ की एक समेकित समाचार वेबसाइट है।

iii. एंड्रोएड और आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए न्यूज़ ऑनएयर ऐप का विकास।

iv. संसाधनों का समन्वय और खरीद, वेबसाइट डिजाइन और विकास, पोर्टल विकास और रखरखाव, सुरक्षा लेखा परीक्षा, ऑनलाइन विज्ञापन प्रबंधन, डिजिटल प्रचार और ब्रांडिंग।

v. विशेष पहल – संसद/ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार निजी मीडिया को सांकेतिक भाषा वितरण। प्राधिकरण आधारित एफटीपी प्रणाली विकसित की गई।

ख. प्रसार भारती डिजिटल चैनलों के लिए सामग्री प्रबंधन

प्रसार भारती सीएमएस में चैनलों को जोड़ने, सोशल मीडिया खातों के सत्यापन, मुद्रीकरण और सामग्री के स्वामित्व

के संभावित दावों को समाप्त करने सहित सामग्री प्रबंधन के संबंध में विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया गया है।

वर्ष के लिए सामग्री प्रबंधन प्रणाली के अनुसार प्रसार भारती यूट्यूब की कुल पहुंच है:

- इंप्रेशन – 15.2 बिलियन (102 प्रतिशत तक),
- दर्शकों की संख्या में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

ग. सोशल मीडिया प्रवर्धन और डिजिटल प्रचालन

i) निम्नलिखित घटनाओं को पीबीएनएस द्वारा व्यापक रूप से कवर किया गया है – मन की बात, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, अयोध्या भूमि पूजन, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर, हाउडी मोदी इवेंट, नमस्ते ट्रम्प इवेंट, एनसीपीसीआर विकास, जन्माष्टमी समारोह, परीक्षा पे चर्चा, आर्थिक सर्वेक्षण – सीईए के साक्षात्कार, अमरनाथ आरती, अमेरिकी चुनाव 2020, गांधी स्मृति दांडी यात्रा, रथ यात्रा आदि।

ii) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माननीय प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण।

iii) सूचना एवं प्रसारण मंत्री द्वारा प्रेस वार्ता सहित सीधा प्रसारण।

iv) गणतंत्र दिवस के दौरान लेह से राज्यपाल के अभिभाषण का सीधा प्रसारण।

v) कला, संस्कृति और सार्वजनिक सूचना कार्यक्रम जैसे रक्षा अकादमियों की पासिंग आउट परेड, सिविल सेवा अधिकारियों के साथ बातचीत।

vi) विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, योजना आयोग, आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय आदि के लिए खेल आयोजन और विषय प्रस्तुति।

घ. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन हेतु सहायता:

i) नदी बेसिन और जलाशय की स्थिति के लिए केंद्रीय जल आयोग के समन्वय में भूकंप, बाढ़, रेड अलर्ट चेतावनी की पूर्वसूचना

ii) देश के उत्तर, पूर्व, पूर्वोत्तर, पश्चिम और दक्षिण क्षेत्रों के 48 शहरों के लिए मौसम का हाल।

iii) बड़े शहरों के लिए वायु गुणवत्ता और दृश्यता सूचकांक।

iv) कोविड प्रथम और दूसरी लहर के दौरान चरम संकट के दौरान, देश भर में चलने वाले स्टील प्लांटों से ऑक्सीजन का उपयोग करने और विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों सहित ऑक्सीजन आपूर्ति में प्रधानमंत्री कार्यालय के तहत किए गए भारी योगदान के बारे में और राज्यों को ऑक्सीजन की आपूर्ति पर लगातार अवगत कराना।

ड) कोविड के खिलाफ लड़ाई

i) कोविड चित्रण पर समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी से प्रतिदिन पूरे वर्ष बिना रुके – "कोरोना पर विशेषज्ञ" का प्रसारण।

ii) कोविड महामारी के दौरान "स्टे होम स्टे सेफ" के सोशल मीडिया अभियान पर जागरूकता और दुष्प्रचार से निपटने के लिए टीवी और रेडियो कार्यक्रमों का डिजिटल प्रवर्धन।

च) समाचार वितरण सेवाएं

i) स्ट्रिंगर्स और अंशकालिक संवाददाता द्वारा सामग्री साझा करने के लिए अखिल भारतीय एनडीएमएस सेवा का शुभारंभ। तैयार की गई विशेषताओं में शामिल हैं: पीआईबी प्रेस विज्ञप्ति प्रधानमंत्री द्वारा ट्वीट्स का सिंडिकेशन, रोबस्ट सर्च इंजन, अभिलेखीय मूल्य के साथ विषयों का स्थायी भंडारण, मूल वीडियो संपादन और शीर्षक सॉफ्टवेयर, समाचार सेवा प्रभाग की आवश्यकता को देखते हुए वीडियो से ऑडियो निष्कर्षण। विस्तृत विश्लेषण डैशबोर्ड कुल समाचार इकाइयां ऑनबोर्ड: 54 उपयोगकर्ता: 1525 अपलोड: 118492 डाउनलोड: 42980

ii) पीबीएनएस टेलीग्राम चैनल के माध्यम से प्रति माह लगभग 550 लेख वितरित किए जा रहे हैं।

छ) नेटवर्क प्रशिक्षण

आकाशवाणी, दूरदर्शन के कर्मचारियों को नियमित कार्यशालाओं, ऑनलाइन सत्रों और एनएबीएम प्लेटफॉर्म के माध्यम से सोशल मीडिया के लिए प्रशिक्षण, जिसमें विषयों को शामिल करना शामिल है,

1. ट्विटर
2. प्रोग्राम रनडाउन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां
3. फेसबुक संचालन
4. यूट्यूब बेसिक और एडवांस सुविधाएं
5. यूट्यूब स्टूडियो
6. शीर्षलेख और लेख
7. डिजिटल संचालन के तहत विषय और गुणवत्ता में वृद्धि
8. ग्राफिक कंटेंट डिज़ाइनिंग।

ज) सांख्यिकीय (स्टैटिस्टिक्स)

1. यूट्यूब सीएमएस डेटा,1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021

इंप्रेशन 15.4बी

दृश्य – 1.3B+

देखने का समय (घंटे) 111.6 एम+

यूट्यूब चैनल – 150+

2. न्यूज़ऑनएअर ऐप, 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021

डाउनलोड – 2 एम

सत्र – 53 एम

उपयोगकर्ता 2.9 एम

नए उपयोगकर्ता 2.3 एम

लाइव रेडियो स्ट्रीम – 240+

2. सार्वभौमिक पहुंच के लिए भाषा प्रवर्धनः

- राष्ट्रीय महत्व की सामग्री का भाषा अनुवाद – 92 भाषाओं और बोलियों में नियमित रूप से सामग्री तैयार करना

3. 5जी प्रसारण के साथ अभिसरणः

प्रसार भारती डिजिटल टेरेस्ट्रियल टीवी नेटवर्क के विस्तार से पहले निर्बाध मोबाइल रिसेप्शन के लिए नेक्स्ट जेन ब्रॉडकास्टिंग तकनीकों पर आधारित विकल्प तलाश रहा है। तदनुसार, प्रसार भारती ने 5जी प्रसारण जैसे उभरते मानकों के अनुरूप डिजिटल टेरेस्ट्रियल ब्रॉडकास्टिंग के लिए नेक्स्ट जेन ब्रॉडकास्ट सॉल्यूशन/रोडमैप विकसित करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन साझा किया है। नेक्स्ट जेन ब्रॉडकास्टिंग मॉडल का प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) दूरदर्शन के उपयुक्त नेक्स्ट जेनरेशन ब्रॉडकास्ट टेक्नोलॉजी और डीटीटी रोडमैप के चयन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

एफ. सूचना प्रौद्योगिकी की पहलः

आईटी प्रभाग ने कई ऑनलाइन पोर्टल / सॉफ्टवेयर इन–हाउस विकसित किए हैं।

कुछ उपलब्धियां इस प्रकार हैं–

1. **ई–इनवॉइस पोर्टल–** एक इन–हाउस आंतरिक पोर्टल (https://einvoice.prasarbharati.org) भारत सरकार ई–चालान पोर्टल के माध्यम से आईआरएन (चालान संदर्भ संख्या) (एपीआई से – einvoice1.gst.gov.in) उत्पन्न करने के लिए विकसित किया गया है। इस ऐप का इस्तेमाल प्रसार भारती में बी2बी और बी2सी इनवॉयस के लिए किया जा रहा है।
2. **प्रतिभा बुकिंग प्रणाली (टीबीएस) पोर्टल** – प्रतिभा बुकिंग में पारदर्शिता और संचालन में आसानी बनाए रखने के लिए, प्रसार भारती इकाइयों के लिए टीबीएस विकसित किया गया था। इस पोर्टल का उपयोग मेहमानों, विशेषज्ञों, कलाकारों, जॉकी आदि को बुक करने के लिए किया जा रहा है। इंट्रा यूनिट बुकिंग प्रदान की जाती है ताकि पूरे भारत में इकाइयों में प्रतिभाओं को बुक किया जा सके।

   सार्वजनिक इंटरफ़ेस भी प्रदान किया जाता है ताकि कोई भी नागरिक प्रसार भारती की विभिन्न इकाइयों द्वारा किए गए व्यय को देख सके।
3. **स्ट्रीमिंग सेवाएं–** वैकल्पिक प्लेटफॉर्म योजना के अंतर्गत 250+ रेडियो स्टेशनों को भारतीय सीडीएन प्रदाता का उपयोग करके स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाता है। अब श्रोता दुनिया के किसी भी हिस्से से अपने पसंदीदा चैनलों में ट्यून कर सकते हैं।
4. **आई ए आर एस पोर्टल–** इस पोर्टल को प्रसार भारती (आकाशवाणी और दूरदर्शन) में अनियमित नियुक्तियों/अनुबंध के नियमितीकरण के लिए आवेदन आमंत्रित करने के लिए विकसित किया गया है। यह कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (का.ज्ञा. संख्या 49019/1/2006–स्था (सी) दिनांक 11 12 2006) के अनुसरण में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सीए 3595–3612 में निर्धारित मापदंडों के अनुसार विकसित किया गया था।
5. **डीटीएच स्लॉट नीलामी पोर्टल–** इस पोर्टल को डीटीएच चैनलों के लिए ऑनलाइन नीलामी में भाग लेने के लिए आवेदन आमंत्रित करने के लिए विकसित किया गया है। इसके लॉन्च होने के बाद कई नीलामी सफलतापूर्वक की गई हैं।
6. **क्यू शीट पोर्टल–** इस पोर्टल की सहायता से ऑनलाइन क्यू शीट तैयार की जा सकती है और स्टेशनों पर चिन्हित बिंदुओं पर देखी जा सकती है। यह कागज बचाने और हरित भारत, स्वच्छ भारत आंदोलन को बढ़ावा देने में मदद करता है।
7. **प्रसारनेट (इंट्रा–नेटवर्क पोर्टल)** – इन हाउस विकसित, प्रसारनेट, कर्मचारियों को सभी आंतरिक पत्र, आदेश, परिपत्र आदि देखने और डाउनलोड करने की सुविधा प्रदान करता है। इस पोर्टल में निम्नलिखित मॉड्यूल हैं।

i) जेम स्टेटमेंटः
ii) कोरोना डैशबोर्ड
iii) शिकायत पोर्टल
iv) स्टाफ क्वार्टर शिकायत तंत्र (अलग यूआरएल)
v) आरक्षण रोस्टर (अलग यूआरएल)।

छ. महत्वपूर्ण गतिविधियां और उपलब्धियांः

- प्रसार भारती ने डिजिटल टेरेस्ट्रियल ब्रॉडकास्टिंग (5जी, डीआरएम/एचडी–रेडियो), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि जैसी नई और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने की योजना बनाई है, और इन उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास के लिए आईआईटी कानपुर जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ साझेदारी कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप भारतीय स्टार्ट–अप्स के साथ भी जुड़ रहा है।

- कंटेंट इनोवेशन एक प्रमुख क्षेत्र है और इसने रेडियो और टेलीविज़न में तालमेल देखा है, व्यापक विविधता को संबोधित करने के लिए भाषा प्रवर्धन, और समृद्ध अभिलेखागार से राजस्व पैदा किया है। सार्वजनिक सेवा प्रसारण के अपने प्राथमिक मिशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के सहयोग से निर्मित नए और अभिनव स्वरूपों में लोकप्रिय सामग्री ने नेटवर्क पर मनोरंजन को एक नया उत्साह और बढ़ावा दिया है। डीडी इंडिया – दूरदर्शन का अंतर्राष्ट्रीय चैनल – की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता भी पिछले एक साल में बढ़ी है, जिससे यह दुनिया भर में फैले भारतीय प्रवासियों के बीच लोकप्रिय हो गया है।
- डीडी फ्री डिश जो कि फ्री टू एयर (एफटीए) डीटीएच सेवा है, इसे हाल ही में संवर्धित किया गया है। इसके वर्तमान बुके में 161 टीवी चैनल (1 एचडी सहित), 38 डीडी चैनल, 2 संसदीय चैनल, 51 सह–ब्रांडेड शैक्षिक चैनल, 2 विदेशी सार्वजनिक प्रसारण चैनल और 65 निजी जीईसी, मूवी, समाचार, संगीत और 48 रेडियो चैनल शामिल हैं। वर्तमान में 38 मिलियन घरों में उपलब्ध है, यह देश का सबसे बड़ा डीटीएच प्लेटफॉर्म है।
- आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों ही ऐतिहासिक महत्व की सामग्री के अलावा संगीत, नाटकों, धारावाहिकों आदि के अमूल्य अभिलेखीय संग्रह का भंडार हैं, जिन्हें पूरी तरह से डिजीटल किया गया है और ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।
- आकाशवाणी के 485 प्रसारण केंद्रों और देश भर में फैले 66 दूरदर्शन केंद्रों के साथ, प्रसार भारती विकासात्मक आउटरीच और वाणिज्यिक संदेश के लिए सबसे प्रभावी संचार प्लेटफार्मों में से एक है।

अध्याय 2

वैश्विक आउटरीच

प्रसार भारती का ग्लोबल आउटरीच विंग अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालता है – जैसे विदेशी सार्वजनिक प्रसारकों / संगठनों के साथ करारों और समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेन विषय विनिमय, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता जैसी गतिविधियां आदि। यह विदेशी प्रसारकों को कार्यालयीन यात्राओं की सुविधा प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के लिए देश में/उप – क्षेत्रीय कार्यशालाओं / सम्मेलनों / कार्यक्रमों का आयोजन करता है, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं / सम्मेलनों में प्रसार भारती के कार्मिकों की भागीदारी का आयोजन करता है।

क. वर्ष के दौरान हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) / समझौतेः

1. इस वर्ष निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों/समझौतों पर हस्ताक्षर किए गएः

क्र.सं.	देश	प्रसारक/संगठन	विवरण
1	जर्मनी (समझौता ज्ञापन)	डॉयचे वेले	20.01.2021 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती और डीजी डॉयचे वेले द्वारा हस्ताक्षरित।
2	अमेरीका (समझौता ज्ञापन)	अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण टेलीविज़न (आईटीवी)	08.01.2021 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती और अध्यक्ष, आईटीवी एलएलसी द्वारा हस्ताक्षरित।
3.	भारत (समझौता)	नोवी डिजिटल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड,	22.01.2021 को प्रसार भारती और नोवी डिजिटल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित।
4.	मालदीव	लोक सेवा मीडिया	20.02.2021 को हस्ताक्षरित

- संयुक्त राज्य अमेरिका के 23 राज्यों के लिए प्रमुख प्रसारक अंतर्राष्ट्रीय टेलीविज़न (आईटीवी) और यूएसए, यूके और कनाडा के लिए हॉटस्टार के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हॉटस्टार और आईटीवी यूएसए पर डीडी इंडिया चैनल के शुभारंभ का उद्घाटन क्रमशः 22 जनवरी और 26 जनवरी, 2021 को हुआ।
- कार्यक्रमों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि के संबंध में सहयोग और सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रसार भारती और लोक सेवा मीडिया (पीएसएम), मालदीव के बीच 20.02.2021 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

2. कार्यक्रमों का सह–उत्पादनः–

- प्रसार भारती ने 'बीस्ट ऑफ एशिया' नामक बच्चों के लिए एक लघु नाटक के निर्माण में भाग लेने के लिए 12.03.2020 को ईबीएस, कोरिया के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। कोरिया संचार एजेंसी (केसीए) के वित्त पोषण के साथ सह–उत्पादन व्यवस्था का समर्थन किया गया था। ईबीएस आंशिक रूप से 8000_यूएसडी (प्लस जीएसटी) (9440_यूएसडी) की राशि के साथ भारत में स्थानीय प्रस्तुति का समर्थन करेगा। प्रसार भारती ने सह–प्रस्तुति के लिए दो कार्यक्रम अधिकारियों – अनूप खजूरिया, सहायक निदेशक कार्यक्रम, दूरदर्शन दिल्ली और जी अंजुशा, कार्यक्रम निष्पादक, दूरदर्शन केंद्र तिरुवनंतपुरम को नामित किया है।

- प्रसार भारती को एबीयू द्वारा रेडियो रिपब्लिक इंडोनेशिया (आरआरआई) में भाग लेने के लिए ''राष्ट्रों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देने : ए सॉन्ग फॉर वर्ल्ड पीस'' सह–प्रस्तुति शीर्षक के अंतर्गत आमंत्रित किया गया था। मुख्य अवधारणा "सद्भाव" थी, जो दोनों मानवीय संबंधों और संगीत पर लागू होती है। सुश्री शिवानी कश्यप, सेलिब्रिटी पश्चिमी संगीत कलाकार और उनकी मंडली ने प्रसार भारती, भारत की ओर से शांति गान गाया।
- प्रसार भारती के अधिकारियों, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को मिलाकर एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया था ताकि डीडी इंडिया चैनल दुनिया भर में वितरण की संभावनाओं की खोज सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों के साथ प्रसार भारती के सहयोग और सहयोग को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार की जा सके। संयुक्त कार्य समूह (जेडब्लयूजी) विदेश मंत्रालय, सूचना प्रसारण मंत्रालय, प्रसार भारती सचिवालय और आकाशवाणी एवं दूरदर्शन निदेशालयों के प्रतिनिधियों के साथ 4 बैठकें कीं।

(ख) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और राजदूतों/विदेशी प्रसारकों की बैठकें:–

डीडी I चैनल को बढ़ावा देने और प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग विकसित करने के लिए, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और थाईलैंड, कोरिया, तुर्कमेनिस्तान, न्यूज़ीलैंड, म्यांमार, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, फ्रांस, जर्मनी कज़ाकिस्तान, फिलीपीन, सिंगापुर आदि जैसे विभिन्न देशों के राजदूतों के बीच 12 से अधिक ऑनलाइन / प्रत्यक्ष बैठकें आयोजित की गईं।

क्र.सं.	दिनांक	बैठक का विवरण
1.	22 जून 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती के साथ भारत में ऑस्ट्रेलियाई राजदूत महामहिम बैरी ओ'फेरेल एओ के साथ वर्चुअल बैठक।
2.	16 जुलाई 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती के साथ भारत में जर्मन राजदूत महामहिम वाल्टर जे. लिंडर के साथ वर्चुअल बैठक।
3.	20 जुलाई 2020	महामहिम श्री इमैनुएल लेनैन, भारत में फ्रांस के राजदूत के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती की वर्चुअल बैठक।
4.	3 अगस्त 2020	महामहिम बुलत सेर्गाजुलु सरसेनबायेव, भारत में कज़ाकिस्तान के राजदूत के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती की वर्चुअल बैठक।
5.	17 अगस्त 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और महामहिम श्री मो क्याव आंग, भारत में म्यांमार के राजदूत के साथ बैठक।
6.	28 अगस्त 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और थाईलैंड के राजदूत महामहिम श्री चुटिन्टोर्न गोंगसाकदी, रॉयल थाई दूतावास, नई दिल्ली, भारत के साथ बैठक।
7.	23 सितंबर 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती के साथ भारत में सिंगापुर के राजदूत महामहिम श्री साइमन वोंग के साथ वर्चुअल बैठक।
8.	12 नवंबर 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और केबीएस कोरिया के अध्यक्ष श्री सुंग डोंग यांग के साथ वर्चुअल बैठक।
9.	19 नवंबर 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और न्यूज़ीलैंड के माननीय राजदूत, श्री डेविड पाइन के साथ ऑनलाइन बैठक।
10.	3 दिसंबर 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती तथा अपर महानिदेशक ग्लोबल आउटरीच और नेपाल दूतावास, नई दिल्ली में नेपाल के राजदूत के प्रतिनिधि के साथ बैठक।
11	10 दिसंबर 2020	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और फिलीपीन के राजदूत महामहिम श्री रेमन एस. बागत्सिंग, जूनियर के साथ वर्चुअल बैठक।

क्र.सं.	दिनांक	बैठक का विवरण
12.	09 फरवरी 2021	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और भारत गणराज्य और उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री दिलशोद अखातोव के साथ ऑनलाइन बैठक।
14.	05 मार्च 2021	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती तथा श्री राज कुमार श्रीवास्तव, क्रोएशिया गणराज्य में भारत के राजदूत और श्री ब्लैडिमिर ब्रनार्डिक, क्रोएशियाई रेडियोटेलीविज़न, क्रोएशिया के प्रतिनिधि के साथ ऑनलाइन बैठक
16.	30 मार्च 2021	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और ग्लेन वैलेंटे, सीईओ, ब्राज़ील कम्युनिकेशन कंपनी, ईबीसी, ब्राज़ील के साथ ऑनलाइन बैठक।

श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और महामहिम श्री चुटिन्टोर्न गोंगसाकदी, थाईलैंड के राजदूत, रॉयल थाई दूतावास, नई दिल्ली, भारत में दिनांक 28.08.2020 को बैठक

- **तुर्कमेनिस्तानः**— एबीयू ने तुर्कमेनिस्तान की स्थायी तटस्थता की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 16 सितंबर, 2020 को एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय मीडिया फोरम का आयोजन किया। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शशि शेखर वेम्पटि ने पैनल स्पीकर के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती दिनांक 16 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय मीडिया फोरम में

दिनांक 17.08.2020 को शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और महामहिम श्री मो क्याव आंग, भारत में म्यांमार के राजदूत, के साथ बैठक

दिनांक 09.02.2021 को श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और भारत गणराज्य में उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री दिलशोद अखातोव के साथ बैठक

- **ब्राज़ील** – सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से 28.02.2021 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा ब्राजीलियाई उपग्रह अमोजोनिया–1 के प्रक्षेपण की लाइव फीड ब्राज़ील में भारतीय राजदूत से प्राप्त अनुरोध पर, दूरदर्शन ने ब्राज़ील को प्रदान की।

(ग) एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (एबीयू), एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) और अन्य अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां:

- **एबीयू महासभा सुपर पैनल** : वर्चुअल मोड के माध्यम से 16.12.2020 को आयोजित 57वीं एबीयू जनरल असेंबली और एसोसिएटेड बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती को सर्वसम्मति से एबीयू के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया था। वह 17.12.2020 को सुपर पैनल में पैनल स्पीकर थे।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती को एबीयू द्वारा 09.07.2020 को एक साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया था ताकि दुनिया भर के प्रसारकों को कोरोना महामारी के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई में मदद और मार्गदर्शन किया जा सके। साक्षात्कार एबीयू न्यूज़ मैगज़ीन 2020 में प्रकाशित हुआ था।
- प्रसार भारती ने कोविड–19 संकट के दौरान एबीयू सदस्यों के बीच सामग्री के आदान–प्रदान के लिए एबीयू द्वारा विकसित एपीवी (एशिया पैसिफिक व्यू) प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से सामग्री का उपयोग और अपलोड किया।

श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती 17.12.2020 को एबीयू महासभा सुपर पैनल के दौरान पैनल स्पीकर के रूप में

- प्रसार भारती सक्रिय रूप से एबीयू एएमएक्स (एबीयू म्यूजिक एक्सचेंज) डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है।
- प्रसार भारती के निम्नलिखित लेखों ने एबीयू जनरल असेंबली और संबद्ध बैठकों के दौरान 24.11.2020 को आयोजित एबीयू तकनीकी समीक्षा पुरस्कार 2020 में सर्वश्रेष्ठ लेख समीक्षा पुरस्कार जीता।

  क. आर अरुल, सहायक निदेशक, डीडीके आइज़ोल, एस गुरुमणिकम, सहायक निदेशक (ई), दूरदर्शन केंद्र आइज़ोल और के बालाजी, सहायक निदेशक (ई), दूरदर्शन केंद्र चेन्नई द्वारा दूरदर्शन केंद्र चेन्नई में लिखित "स्वदेशी समाचार स्वचालन सॉफ्टवेयर" (प्रेक्टिकल कार्यान्वयन श्रेणी के तहत)।

  ख. "डिजिटल टीवी के लिए मौलिक उद्देश्यः डीटीटी में एटीटी का कायापलट" श्री एम. एस. दुहन, उप महानिदेशक (अभि.), दूरदर्शन (केस स्टडी श्रेणी के तहत) द्वारा लिखित।
- प्रसार भारती ने सम्मानित प्रायोजकों में से एक एबीयू पुरस्कार –2020 पुरस्कार कार्यक्रम को प्रायोजित किया है। यह आयोजन 10.12.2020 को 57वीं एबीयू महासभा और एसोसिएटेड बैठकों के दौरान आयोजित किया गया था।
- **एआईबी 2020 जजिंगः**– एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टिंग (एआईबी) ने प्रसार भारती को अपने निर्णायकों के पैनल में शामिल होने के लिए एआईबी 2020 हेतु आमंत्रित किया है। श्री सुनील, अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच) निर्णायकों के पैनल में से एक निर्णायक थे।
- **एबीयू रोबोकॉन 2020ः**– आईआईटी दिल्ली के सहयोग से प्रसार भारती ने 27.10.2020 को ऑनलाइन राष्ट्रीय रोबोकॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया। श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती, मुख्य अतिथि थे और चयनित दो टीमें थीं– एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी और गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी। उन्होंने 12.12.2020 को आयोजित एबीयू रोबोकॉन 2020 ऑनलाइन उत्सव में भाग लिया।

  एबीयू रोबोकॉन उत्सव वेबसाइटः www.official-robocon.com/aburobofes.html
- अंतर्राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम लोकप्रिय के–पॉप कलाकारों, अलेक्सा, ड्रीमकैचर और आईएन2आईटी के साथ "बी द फ्यूचर", युवाओं को कोविड–19 के संचरण को रोकने के लिए उपाय के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, 26 और 27 जून 2020 को डीडी नेशनल पर प्रसारण किया गया।
- एबीयू ने 15 और 16 मार्च 2021 को एक ऑनलाइन आईपीएलसी पुरस्कार (बौद्धिक संपदा और विधि समिति) का आयोजन किया। श्री आदित्य चतुर्वेदी, उप महानिदेशक (अभिलेखागार) के नेतृत्व में चार अधिकारियों की एक टीम ने भाग लिया और संयुक्त उपविजेता के लिए एक प्रमाण पत्र जीता।
- टेलीविज़न, रेडियो ब्रॉडकास्टिंग एंड सिनेमाटोग्राफी के लिए तुर्कमेनिस्तान की राज्य समिति के अध्यक्ष श्री ए.

अशीरोव ने 24 मार्च, 2021 को अश्गाबात में आयोजित "आधुनिक दुनिया में शांति और विश्वास की प्रासंगिकता" नामक ऑनलाइन प्रेस सम्मेलन में भाग लेने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती को आमंत्रित किया।

- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती ने 30 मार्च, 2021 को आयोजित एबीयू कार्यक्रम 'सीईओ टॉक ऑनः मूविंग अहेडः मीडिया लेसन फॉर फ्यूचर चैलेंजेज़' में भाग लिया।

क. एआईबीडी एवं प्रवास के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आई ओ एम) मलेशिया के साथ सहयोग में संयुक्त राष्ट्र के अन्य निकायों के अलावा सप्ताह के 9, 16 और 23 मार्च 2021 को प्रवासियों के मुद्दों पर वेबिनार की दूसरी श्रृंखला का आयोजन किया। श्री रमेश रामचंद्रन, वरिष्ठ परामर्श संपादक, डीडी इंडिया ने सत्रों का संचालन किया।

(घ) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम/एबीयू और एआईबीडी वेबिनार जिसमें प्रसार भारती ने भाग लिया

एबीयू और एआईबीडी ने मार्च 2020 से कोविड–19 की अवधि के दौरान लगभग 50 ऑनलाइन वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया और प्रसार भारती ने अवसर का लाभ उठाया और उत्साह से भाग लिया। विभिन्न वेबिनार में लगभग 235 प्रतिभागियों ने प्रसार भारती का प्रतिनिधित्व किया। कुछ महत्वपूर्ण वेबिनार का विवरण इस प्रकार है :

क्र.सं.	आयोजनों का नाम /वेबिनार	आयोजन की तिथि
क.	एबीयू योजना और रणनीति समूह (पीएसजी) ऑनलाइन वीडियो सत्र	पहली बैठक 10 अप्रैल, 2020 दूसरी बैठक 04 जून 2020
ख.	एबीयू आरएआई –इटली की कोविड–19 प्रतिक्रिया	17 अप्रैल 2020
ग.	एबीयू वेबिनार शीर्षक 'डिजिटल रेडियो मोंडियल (डीआरएम)– डिलीवरिंग डिस्टेंस एजुकेशन'	18 जून, 2020
घ.	मध्य वर्ष एबीयू तकनीकी ब्यूरो बैठक	28–29 जुलाई, 2020
ङ.	57वीं एबीयू महासभा और संबद्ध बैठकें	16 नवंबर, 2020 से 17 दिसंबर, 2020
च.	एबीयू योजना और रणनीति समूह की बैठक	26 नवंबर, 2020
छ.	एबीयू प्रशासनिक परिषद की बैठक (एसीएम)	7 और 8 दिसंबर, 2020
ज.	9वीं एबीयू टीवी सॉन्ग फेस्टिवल (टीवीएसएफ)	14 दिसंबर, 2020
झ.	उपग्रह प्रौद्योगिकी पर एबीयू वेबिनार श्रृंखला	1 से 3 मार्च, 2021
ञ.	एबीयू वेबिनार शीर्षक 'मानव संसाधन प्रबंधन'	05 मार्च, 2021
ट.	एबीयू ऑनलाइन आईपीएलसी पुरस्कार (बौद्धिक संपदा और विधि समिति)	15 और 16 मार्च, 2021
ठ.	एआईबीडी उप क्षेत्रीय वेबिनार शीर्षक 'बड़े कवरेज और कार्यान्वयन के लिए डीआरएम'	08 जुलाई, 2020
ड.	'ई–स्पोर्ट्स का प्रसारणः चुनौतियां और अवसर' पर एआईबीडी/कंटेंट टेक एशिया वेबिनार	1 अक्तूबर, 2020
ढ.	''विजुअल आर्काइव्सः एथिक्स एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज'' पर एआईबीडी क्षेत्रीय ऑनलाइन कार्यशाला	22 अक्तूबर, 2020
ण.	'रेडियो में बाल कार्यक्रम' पर एआईबीडी/एनएबीएम वेबिनार	28 अक्तूबर, 2020
त.	एआईबीडी वेबिनार शीर्षक 'कानूनी दायरे के अंतर्गत इनवेस्टिगेटिव जर्नलिज़्म'	29 जनवरी, 2021 और 26 फरवरी, 2021
थ.	एआईबीडी/आईपीडीसी वेबिनार का शीर्षक 'पत्रकारों के लिए सुरक्षा पर मीडिया संवादः नीतिगत मामले'	21 जनवरी, 2021

अध्याय 3

क्षमता निर्माण–प्रशिक्षण अवसंरचना राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया संस्थान (एनएबीएम)

1. परिचय

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम), दिल्ली प्रसार भारती की प्रमुख प्रशिक्षण अकादमी है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों और कार्यालयों में कार्यरत कार्यक्रम, अभियांत्रिकी और प्रशासनिक कर्मियों को प्रशिक्षण दिए जाने के लिए उत्तरदायी है। अकादमी का मुख्य उद्देश्य प्रसारण पेशेवरों को गतिशील और चुनौतीपूर्ण प्रसारण वातावरण में उनके इष्टतम प्रदर्शन के लिए विकसित और पोषित करना है। समय के साथ एनएबीएम एशिया–प्रशांत क्षेत्र में रेडियो और टेलीविज़न के कार्यक्रम निर्माण, पोस्ट–प्रोडक्शन और प्रसारण के क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम) के पास सूचना प्रोद्योगकी में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखते हुए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचा है। प्रशिक्षण हेतु क्लास रूम नवीनतम ऑडियो/विजुअल सुविधाओं, नवीनतम कार्यक्रम निर्माण और पोस्ट–प्रोडक्शन उपकरण के साथ रेडियो और टीवी स्टूडियो, माप प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, नेटवर्किंग लैब, रेडियो और टीवी ट्रांसमीटर से सुसज्जित हैं। इसमें 11000 से अधिक पुस्तकों के संग्रह के साथ एक पुस्तकालय है। अकादमी में 125 कमरों के साथ उत्कृष्ट छात्रावास की सुविधा है।

2. इतिहास

प्रशिक्षण सुविधा को आकाशवाणी : महानिदेशालय, नई दिल्ली के एक संबद्ध कार्यालय के रूप में वर्ष 1948 में स्थापित किया गया। एनएबीएम (तकनीकी) पूर्व कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (अभि.), वर्ष 1985 से आकाशवाणी महानिदेशालय का हिस्सा है, जो अब किंग्सवे कैंप, दिल्ली से संचालित है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभियांत्रिकी कर्मचारियों जिसमें तकनीशियनों से लेकर अपर महानिदेशक स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं, उनके लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। यह विभागीय, अर्हक और प्रतियोगी परीक्षा भी आयोजित करता है। राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (तकनीकी) का एक परिसर भुवनेश्वर में और एक क्षेत्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी शिलांग में है।

ये तीन अकादमियां अर्थात एनएबीएम, दिल्ली; एनएबीएम, भुवनेश्वर और आरएबीएम, शिलांग प्रत्येक वर्ष 10000 से अधिक अभियांत्रिकी / कार्यक्रम / प्रशासनिक कर्मियों को प्रशिक्षित करती हैं। राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी एशिया प्रशांत क्षेत्र में विभिन्न देशों के रेडियो और टेलीविज़न इंजीनियरिंग कर्मियों के लिए प्रशिक्षण / कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) और एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (एबीयू) के साथ सहयोग करता है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम कर्मियों के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए यूनाइटेड नेशन चिल्ड्रन इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) जैसे संगठनों के साथ भी सहयोग करता है।

3. प्रशिक्षण गतिविधियां (कार्यक्रम और इंजीनियरिंग प्रभाग) का विवरण

कोविड–19 महामारी के मद्देनजर हुए लॉकडाउन और प्रशिक्षण दौरे पर लगे प्रतिबंधों के कारण, एनएबीएम, दिल्ली और अन्य संस्थानों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत की। लॉकडाउन अवधि के दौरान वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर (एटीसी) में निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न विषयों पर कई वेबिनार आयोजित किए गए। वर्चुअल कॉन्फ्रेंस सिस्टम का उपयोग करते हुए कई विशेष और मांग / आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण और वेबिनार भी आयोजित किए गए।

क. तकनीकी पाठ्यक्रमः

वीडियो प्रोडक्शन में नई तकनीकों के बारे में जागरूकता लाने के लिए, "आईपी ट्रांज़िशन पर वीडियो/एसडीआई – क्या हम इसके लिए तैयार हैं " और लागत प्रभावी सुदूर कार्यक्रम निर्माण तकनीकों पर दूरदर्शन के अधिकारियों के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। सहायक अभियंताओं के लिए ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम, कंप्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण, प्रसारण में उभरते रुझान हेतु, एनईटीआईएए, अभियांत्रिकी भण्डार प्रबंधन स्टोर की खरीद और निपटान, एमटीएस कर्मचारियों के लिए बुनियादी कंप्यूटर एप्लिकेशन पाठ्यक्रम, डिजिटल ऑडियो कंसोल और वेब सुरक्षा के साथ उपकरणों पर अभ्यास आदि का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम) को व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण आयोजित करने की विशेषज्ञता है। ऐसे प्रशिक्षणों को ऑनलाइन आयोजित करना चुनौती पूर्ण होता है और जिसके लिए अति सूक्ष्म योजना बनाने की आवश्यकता होती है। मीडिया / प्रसारण के संबंध में बदलते समय की चुनौतियों का सामना करने और कर्मचारियों की विशेषताओं को पोषित करने और बढ़ावा देने और उनमें जागरूकता बढ़ाने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षण प्रदान करने के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को डिजाइन किया गया था।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभियांत्रिकी कर्मचारियों के लिए मुख्य प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण नीचे सूचीबद्ध हैः

I. टीवी पाठ्यक्रमः–

- टीवी ट्रांसमीटर (एनालॉग और डिजिटल)
- वीडियो/एसडीआई ऑवर आईपी
- लागत प्रभावी सुदूर कार्यक्रम निर्माण तकनीक।
- एनईसी ट्रांसमीटर के पावर एम्पलीफायर की रिपेयरिंग संबंधी
- एलईडी/एलसीडी टीवी की रिपेयरिंग संबंधी कार्यशाला
- 4के यूएचडी को समझने संबंधी

II. रेडियो पाठ्यक्रमः–

- नेतिया (एनईटीआईएए) – आकाशवाणी स्थापनाओं में सर्वर प्रबंधन और अनुप्रयोग
- 20 किलोवाट मेगावाट डीआरएम (हैरिस–डीएक्स 25) ट्रांसमीटर
- डिजिटल ऑडियो कंसोल (स्टूडर)
- डीआरएम नौटेल मेगावाट ट्रांसमीटर पर कार्यशाला
- कैप्टिव भू केंद्र
- एबीएस पोर्टल पर प्रशिक्षण

III. कंप्यूटर प्रौद्योगिकीः–

- कंप्यूटर अनुप्रयोग संबंधी बुनियादी पाठ्यक्रम

- एनईटीआईए प्रणाली पर कार्यशाला
- साइबर सुरक्षा
- कोविड–19 के दौरान केंद्रों का प्रबंधन कैसे करें संबंधी
- कंप्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण

IV. विशेष पाठ्यक्रम/कार्यशालाएंः–

- डायरेक्ट टू होम सह एलईडी/एलसीडी टीवी रिपेयरिंग संबंधी कार्यशाला
- किर्लोस्कर द्वारा निर्मित डीजी सेट पर प्रशिक्षण
- कार्यालयाध्यक्ष/ईएमडी प्रबंधकों के लिए ई–ऑफिस का प्रशिक्षण
- गुगल वेब डिज़ाइनर का उपयोग करके सीएएसपीएआरसीजी मॉड्यूल डिज़ाइन करना
- आरवीआर ट्रांसमीटर का अवलोकन
- जीएसटी/जेम
- डीवीबी टी2 ट्रांसमीटर
- स्थानीय ईएमडी प्रबंधक प्रशिक्षण

V. अन्यः–

- डीजल जेनरेटर/एयरकंडीशनिंग
- प्रबंधन और प्रशासनिक कौशल विकास पाठ्यक्रम
- प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम
- सहा. निदे. (अभि.) और सहा. अभियंताओं के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- हैल्परों के लिए परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम

VI. सशुल्क पाठ्यक्रम :–

- इंजीनियरिंग के छात्रों हेतु ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण
- उत्तर प्रदेश/महाराष्ट्र पॉलिटेक्निक / भारत का महापंजीयक कार्यालय के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

ख. कार्यक्रम और प्रशासनिक पाठ्यक्रम

कोरोना संकट के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन कार्यक्रम के कर्मचारियों के लिए कार्यक्रमों का निर्माण संबंधी विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- कोविड –19 महामारी के दौरान नवीनतम जानकारी और संचार प्रबंधन संबंधी,
- कोविड–19 महामारी के दौरान 'डिजिटल इंडिया' की पहलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कार्यक्रम निर्माण और प्रसारण में किया जाना।
- कोविड–19 महामारी पर विशेष कार्यशाला– मुद्दे और हस्तक्षेप,
- 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की प्रधानमंत्री की संकल्पना "सामरिक और व्यापक मीडिया योजना (एससीएमपी) पर रेडियो एग्री–विज़न पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार।

सतर्कता संबंधित मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी, प्रसार भारती के परामर्श से वेबिनार के प्रारूप में एक सतर्कता कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की गई, जिसमें पहला सत्र कार्यक्रम के सतर्कता से संबंधित मामले थे। कार्यशाला का दूसरा सत्र अवकाश यात्रा रियायत, चिकित्सा प्रतिपूर्ति,

दौरे आदि जैसे प्रशासनिक मामलों पर केंद्रित था और इसमें सतर्कता पहलुओं को शामिल किया गया था।

सरकारी खरीद और मध्यस्थता से संबंधित कई पाठ्यक्रम वित्त प्रबंधन के तहत सतर्कता दिशानिर्देशों के साथ खरीद के लिए एजेएनआईएफएम के माध्यम से संचालित किए गए थे, कार्यालयी कार्यों और प्रबंधन कार्यकलापों में सुधार के लिए एनपीसी के माध्यम से निवारक सतर्कता, ई–खरीद और सुशासन की कुंजी पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम, अभियांत्रिकी और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए मुख्य प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण नीचे सूचीबद्ध है:

I. कार्यक्रम प्रबंधन और कार्यक्रम निर्माण

क. सरकारी पहलें और विकासात्मक संचार:

- 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की प्रधानमंत्री की संकल्पना पर (सामरिक और व्यापक मीडिया योजना (एससीएमपी) रेडियो एग्री–विज़न–I
- रेडियो एग्री–विज़न – II (तीन नए अधिनियमित कृषि संबंधी अधिनियम– 2020 पर)
- सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए सामयिकी मामले और विकास कार्यक्रम (चीन सीमा संकट के विशेष संदर्भ में)
- प्रमुख कार्यक्रमों के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण

ख. कार्यक्रम विषयवस्तु के सृजन में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप:

- मीडिया में डिजिटलीकरण के महत्व को समझना
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) – विषय–वस्तु और प्रसारण के भविष्य का निर्माण
- रेडियो कार्यक्रमों के निर्माण का नवीनीकरण

ग. प्रस्तुतिकरण पर पाठ्यक्रम:

- खेल और नॉन–खेल कमेंट्री
- बदलते समय में बाल कार्यक्रम
- परस्पर संवादात्मक युवा कार्यक्रम
- रेडियो पर प्रस्तुति संबंधी कौशल
- सजीव कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग
- जनसंपर्क और ओबी की चुनौतियां
- प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में कार्यक्रम की विषय वस्तु का निर्माण
- संप्रेषण कौशल

घ. राजभाषा (हिंदी) विकास पर विशेष प्रशिक्षण:

- तकनीकी और वैज्ञानिक प्रसारण के लिए रेडियो लेखन
- रेडियो और टीवी लेखन के लिए राजभाषा शब्दावली की भूमिका

ड. सोशल मीडिया:

- सोशल मीडिया और प्रसारण
- साइबर सुरक्षा

च. राजस्व सृजन :

- डिजीटल मार्किटिंग
- विपणन कूटनीतियां और राजस्व सृजन

छ. टीवी विशिष्ट कार्यक्रम पाठ्यक्रमः

- टीवी हेतु विकास का संचार
- टीवी वृत्तचित्र निर्माण पर अनुसंधान
- ड्रोन प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग
- डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और पत्रकारिता

ज. कोविड –19 महामारी और कार्यक्रम निर्माण पर विशेष कार्यशालाएं

- कोविड संकट के दौरान सामाजिक दूरी के साथ कार्यक्रम निर्माण उपकरण और प्रौद्योगिकी
- कोविड–19 महामारी के दौरान नवीनतम जानकारी और संचार प्रबंधन
- कोविड –19 संकट के दौरान डिजिटल इंडिया के उपयोग से "पहले और डिजिटल प्लेटफॉर्म"
- कोविड –19 महामारी – मुद्दे और हस्तक्षेप
- कोविड संकट पर प्रधानमंत्री की पहलों पर – जन आंदोलन – उचित व्यवहार
- कार्यस्थल पर कोविड–19 प्रोटोकॉल
- कार्यक्रम प्रबंधन की बारीकियां
- आईपीआर अधिनियम–1957 के तहत प्रसारकों के अधिकार
- चुनावों के दौरान प्रसारण प्रबंधन (विशेष रूप से बिहार विधान सभा चुनाव 2020 को ध्यान में रखते हुए)
- क्यू शीट तैयार करने वाला सॉफ्टवेयर
- आपदा में संचार
- स्वास्थ्य आपातकाल के दौरान प्रसारण प्रबंधन

II. प्रशासनिक पाठ्यक्रमः–

- कार्यक्रम के मामलों में सामान्य अनियमितताएं
- अनुशासनात्मक प्रक्रियाएं और विभागीय जांच
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2020 के आयोजन पर विशेष वेबिनार
- अज्ञात / छद्म नाम की शिकायतों और संबंधित मामलों को संचालित किए जाने संबंधी
- अवकाश यात्रा रियायत/दौरे/चिकित्सा प्रतिपूर्ति में सतर्कता संबंधी मामले
- कार्यालयाध्यक्ष / आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की भूमिका और दायित्व
- वस्तुओं की खरीद और सरकारी कार्य आबंटित करने पर (जीएसटी, पीएफएमएस, जीईएम, भविष्य, एनपीएस और डिजिटल भुगतान)
- भविष्यः पेंशन और सेवानिवृत्ति–उपरांत के अन्य लाभ।
- एजेएनआईएफएम द्वारा की जाने वाली सरकारी खरीद (मूल),
- एजेएनआईएफएम द्वारा (मूल के साथ जेम पर विशेष ध्यान रखते हुए) सरकारी खरीद,
- एजेएनआईएफएम द्वारा सरकारी खरीद (उन्नत),
- एजेएनआईएफएम द्वारा मध्यस्थता
- एनपीसी द्वारा निवारक सतर्कता, ई–खरीद और सुशासन की कुंजी संबंधी

III. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक वेबिनारः

- एआईबीडी–एनएबीएम का कोविड–19 पर मीडिया के लिए प्रतिक्रिया सत्र वेबिनार
- कोविड–19 के दौरान साइबर सुरक्षा मामलों पर एआईबीडी–एनएबीएम का सहयोगात्मक वेबिनार
- बच्चों के लिए एआईबीडी–एनएबीएम का रेडियो पर सहयोगात्मक क्षेत्रीय वेबिनारः द फॉरगॉटन ऑडियंस
- "मीडिया और आपदा प्रबंधन" पर एनएबीएम–एनआईडीएम का (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय के सहयोग से) वेबिनार।

4. कुल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 की अवधि के दौरान)

क्रम सं.	प्रशिक्षण संस्थान का नाम	पाठ्यक्रम / वेबिनार	पाठ्यक्रम/ आयोजित वेबिनार	प्रशिक्षित हुए व्यक्ति	पाठ्यक्रमों के बारे में विवरण
i	एनएबीएम, दिल्ली	तकनीकी	48	3687	अनुलग्नक–II
		कार्यक्रम और प्रशासनिक	64	2906	अनुलग्नक–V
		कुल	**112**	**6593**	
ii.	एनएबीएम, भुवनेश्वर	तकनीकी	46	3542	अनुलग्नक–III
		कार्यक्रम और प्रशासनिक	29	505	अनुलग्नक–VI
		कुल	**75**	**4047**	
iii.	आरएबीएम, शिलांग	तकनीकी	06	204	अनुलग्नक–IV
		कार्यक्रम और प्रशासनिक	02	17	अनुलग्नक–VII
		कुल	**08**	**221**	
	सभी प्रशिक्षण अकादमियों में प्रशिक्षितों (कार्यक्रम + तकनीकी + प्रशासनिक) की कुल संख्या का योग।		195	10861	

5. वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर 2021–22 की तैयारी पर एक बैठक एनएबीएम, दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए कार्यक्रम प्रभाग और तकनीकी प्रभाग, एनएबीएम के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गयाः

क्रम सं.	पाठ्यक्रमों का प्रकार	पाठ्यक्रमों की संख्या
I	कार्यक्रम पाठ्यक्रम (रेडियो और टेलीविज़न)	50
II	प्रशासनिक पाठ्यक्रम	12
III	तकनीकी पाठ्यक्रम	102
	कुल	**164**

अध्याय 4

आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सामान्य सुविधाएं

क. प्रसार भारती अभिलेखागार

प्रसार भारती अभिलेखागार न केवल उन महान कलाकारों के यादगार कृत्य/अभिनय का खजाना है, जिन्होंने भारत को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में योगदान दिया है बल्कि स्वतंत्रता दिवस समारोह, गणतंत्र दिवस परेड, माननीय प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति का राष्ट्र को संबोधन आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से जुड़े अनोखे/दुर्लभ मीडिया संसाधनों का भी संग्रह है। साथ ही साथ जब से हमारे देश में प्रसारण का आगमन हुआ है तब से अन्य महत्वपूर्ण प्रसारण भी संगीत, नृत्य, नाटक, साक्षात्कार, लघु फिलमें, फीचर फिल्म, वृत्त चित्र आदि जैसी शैलियों में ध्वनि–रिकॉर्डिंग और ऑडियो–विजुअल फुटेज के रूप में वैभव/आस्तियां भी हैं।

3 अप्रैल 1954, को रेडियो रिकॉर्डिंग की ट्रांसक्रिप्शन सेवा के रूप में अभिलेखीय गतिविधियां शुरू की गई, जिसमें भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के विशेष संदर्भ में सभी गणमान्य व्यक्तियों के भाषणों का प्रतिलेखन तैयार करने का मुख्य कार्य भी सौंपा गया। देश में अनौपचारिक/यथाविधि संग्रह होने के बाद भी प्रतिलेखन सेवा स्थापना ने इसे एक संगठित गतिविधि के रूप में स्थापित किया। दूरदर्शन अभिलेखागार की स्थापना 2004 में हुई ताकि मूल्यवान ऑडियो–विजुअल फुटेज का अंकीकरण और संग्रहण किया जा सके। शुरूआत में आकाशवाणी और दूरदर्शन में उनके संबंधित कार्यक्षेत्र के तहत अभिलेखीय सेटअप अलग हो गए थे। 2018 में इन्हें 'प्रसार भारती अभिलेखागार' के तहत एक ही छत के नीचे लाया गया।

उद्देश्य

आकाशवाणी व दूरदर्शन नेटवर्क में तैयार ध्वनि रिकॉर्डिंग और ऑडियो–विजुअल शैली को मीडिया सहायकों के रूप संग्रहण, डिजिटलीकरण और संरक्षण करना संग्रह का प्राथमिक उद्देश्य है। कला और संस्कृति को बढ़ाने और भावी पीढ़ी अनुसंधान के लिए लीगेसी मीडिया को भी डिजिटल डोमेन में सुरक्षित रखा गया है। आकाशवाणी और दूरदर्शन चैनलों और ओटीटी प्लेटफार्मों को सामग्री देने के लिए अभिलेखीय सामग्री का भी पुनः उपयोग किया जाता है। राजस्व वसूल करने के लिए भी मीडिया परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया है।

सेटअप

अभिलेखीय सेटअप में निम्नलिखित संस्थान आते हैं:–

1. केन्द्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली
2. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पूर्वी क्षेत्र कोलकाता
3. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई
4. क्षेत्रीय अभिलेखागार, दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई
5. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुवाहाटी

विभिन्न राज्यों/क्षेत्रों के अभिलेखागार सेटअप विभिन्न केंद्रों में उपलब्ध मूल्यवान मीडिया साधनों को पहचानने, डिजिटलीकरण और संग्रहण करने के कार्य में लगे हुए हैं।

केंद्रीय अभिलेखागार प्रसार भारती:–

केंद्रीय अभिलेखागार आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली में स्थापित किया गया। यह प्रसार भारती के केन्द्रीय क्षेत्र और उत्तरी क्षेत्र की अभिलेखीय जरूरतों का ध्यान रखता है। केंद्रीय अभिलेखागार दो विंग/भागों में कार्य करता है जिनका नाम आकाशवाणी अभिलेखागार और दूरदर्शन अभिलेखागार है।

1) आकाशवाणी अभिलेखागार

क. डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार/लाइब्रेरी

डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार प्रख्यात/प्रसिद्ध व्यक्तित्व, स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्रीय नेताओं जैसे सुभाषचन्द्र बोस, महात्मा गांधी, जे.आर.डी. टाटा, उस्ताद अली अकबर खान, हरिवंश राय बच्चन, डॉ. वर्गीस कुरियन जैसे अन्य कई व्यक्तियों की अमूल्य रिकॉर्डिंग/आत्मकथाओं का समृद्ध भंडार है। दुर्लभ पाए जाने वाला संगीत रिकॉर्डिंग, नाटक, फीचर, वृत्तचित्र और व्याख्यान (भाषण) भी लाइब्रेरी में सुरक्षित रखे गए हैं।

ख. कार्यक्रम विनिमय इकाई:

कार्यक्रम विनिमय इकाई देशभर में स्थित आकाशवाणी केंद्रों को नाटक, फीचर, सांस्कृतिक (क्षेत्रीय) गीत, और ड्रामा जैसे रेडियो कार्यक्रम भेजती है।

ग. ट्रांसक्रिप्शन सेवा:

यह यूनिट माननीय राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों द्वारा दिये गए भाषणों की रिकॉर्डिंग का लिप्यंतरण और संरक्षण करती है।

घ. नवीनीकरण ईकाई/यूनिट

यह इकाई अभिलेखीय रिकॉर्डिंग की ऑडियो गुणवत्ता को सुधारने का ख्याल रखती है।

ङ. सोशल मीडिया सेल

केंद्रीय अभिलेखागार आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा जनता की रूचि अनुसार ओटीटी, सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे यूट्यूब, ट्वीटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम में मीडिया सामग्री संपादित करती है, जिससे प्रसार भारती डिजिटल प्लेटफार्म पर सक्रिय बनी रहे।

प्रसार भारती अभिलेखागार लगातार संबंधित सामग्री प्रस्तुत करने के लिए प्रसार भारती अभिलेखागार, दूरदर्शन सिनेमा, प्रसार भारती लोकसंपदा यूट्यूब चैनल को संभालती है।

प्रसार भारती अभिलेखागार की ट्वीटर, इंस्टाग्राम फेसबुक और महत्वपूर्ण उपस्थिति बनी हुई है। ट्वीट और फेसबुक पोस्ट जनता को यू–ट्यूब पर अपलोड की गई सामग्री के बारे में जानकारी देने के लिए होते हैं।

- यूट्यूब लिंक – https://www.youtube.com/channel/UC4f7MkpwD2Jp-2YBdxpDjGg
- ट्वीटर हैंडल लिंक – https://twitter.com/centralarchives
- इंस्टाग्राम लिंक – https://www.instagram.com/ddarchivesindia/
- फेसबुक पेज लिंक – https://www.facebook.com/DDArchives

2. दूरदर्शन अभिलेखागार

क. वीडियो लाइब्रेरी/अभिलेखागार

केंद्रीय अभिलेखागार की विडियो लाइब्रेरी प्रसार भारती के विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से प्राप्त टेप्स और सामग्री समृद्ध लाइब्रेरी है। यह लाइब्रेरी अभिलेखीय गतिविधियों की रीढ़ की हड्डी का कार्य करती है। इसमें टेप्स की वरीयता का संग्रह लीगेसी एनालॉग और नए डिजीटल फार्मेट का बड़े पैमाने पर संग्रहण है।

ख. डिजीटलीकरण और अभिलेखागार

दूरदर्शन केन्द्रों द्वारा एकत्रित की गई एनालॉग मीडिया सामग्री को मीडिया परिसंपत्ति प्रणाली (मीडिया एसेट सिस्टम) प्रणाली में डिजिटल और संरक्षित किया जाता है। नई डिजीटल सामग्री प्रत्यक्षया मीडिया एसेट सिस्टम (एमएएम) प्रणाली में संग्रहीत हो जाती है। डबिंग/ट्रांसफर सूट लिगेसी फार्मेट यू–नैटिक, बीसीएन, बीटाकैम से डीबीसी प्रो–50 में डबिंग के लिए लगाए गए हैं।

ग. लाइब्रेरी सूचना तंत्र

आकाशवाणी स्टेशन और दूरदर्शन नेटवर्क के कार्यक्रम लाइब्रेरी में उपलब्ध जीओएफ मीडिया संपत्ति में खोज/कैटलॉग के लिए एक ऑनलाइन लाइब्रेरी सूचना प्रणाली है।

घ. लिगेसी मीडिया का शोधन व रेस्टॉरेशन

लिगेसी टेप्स की किसी भी प्रकार की क्षति देखने के लिए अच्छी तरह जांचा जाता है। टेप्स को प्रक्षालित और सामग्री को डिजीटलीकरण करने से पहले बहाल कर लिया जाता है। इस उद्देश्य के लिए उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो डिजिटल रिस्टोरेशन और ध्वनि न्यूनीकरण प्रणाली स्थापित की गई है।

ङ. पूर्व पैकेजिंग/पुनर्प्रयोजन

दूरदर्शन केंद्रों द्वारा प्रसारण उद्देश्यों के लिए अभिलेखीय सामग्री को डिजिटाइज/रीपैकेज किया जाता है। सार्वजनिक हित की अभिलेखीय सामग्री या ओटीटी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के लिए दोबारा पैक किया गया है।

च. कार्यक्रम विनिमय

दूरदर्शन केंद्रों में कार्यक्रमों की अदला–बदली करने के उद्देश्य से केंद्रीय अभिलेखागार में चयनित कार्यक्रमों का एक पूल बनाया हुआ है।

छ. फूटेज सेल

मीडिया एसेट कमर्शियल व नॉन कमर्शियल के आधार पर लाइसेंस के साथ सेल के लिए उपलब्ध है।

वर्ष 2020–21 के दौरान आकाशवाणी अभिलेखागार में हुई महत्वपूर्ण गतिविधियां

1. राष्ट्रीय चैनल, आकाशवाणी दिल्ली ड्रामा यूनिटः आकाशवाणी, संस्कार गीत कार्यक्रमों के टेप, सीडी का डिजटलीकरण आकाशवाणी महानिदेशालय से प्राप्त हुआ।
2. डिजटलीकृत कार्यक्रमों की प्रतियों का डाटा बैकअप
3. प्रसार भारती अभिलेखीय यूट्यूब चैनल पर सोशल मीडिया अपलोड करने के लिए रिकॉर्डिंग के रिफर्बशिंग, एडिटिंग व वाटर मार्क किया गया।
4. 'रागम' यूट्यूब चैनल के लिए संगीत सम्मेलन रिकॉर्डिंग की व्यवस्था करना।
5. सरकारी व निजी संस्थाओं को अनुसंधान व अन्य उद्देश्यों के लिए ऑडियो सुनने/देखने की सुविधाएं उपलब्ध कराना।
6. आंतरिक सरोकार रखने वाले विभाग जैसे– आकाशवाणी महानिदेशालय/ड्रामा विभाग/संगीत विभाग/आकाशवाणी

दिल्ली और अन्य सरकारी और निजी एजेंसियों को रिकॉर्डिंग्स की आपूर्ति करना।

7. लाइब्रेरी सूचना तंत्र में डाटा बनाए रखने और महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को सूचीबद्ध करना।

8. कार्यक्रमों का डिजटलीकरण (एनालॉग ऑडियो का डिजीटल सिगनल में रूपांतरण) और एलटीओ में स्टोर करने के लिए सेन (एसएएन) सर्वर में ट्रांसफर करना।

9. **ऑडियो कार्यक्रमों का डिजटलीकरण:** सभी एनालॉग डिजटलीकरण करने के लिए आकाशवाणी विंग के केंद्रीय अभिलेखागार ने एक बड़ा प्रोजेक्ट ले लिया है। 31.03.2021 तक 39,278 घंटों का डिजटलीकरण पूर्ण हो जाएगा। 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक 1820 घंटे डिजटलीकरण हो चुका है।

10. आकाशवाणी की पुरानी मैगज़ीनस का डिजटलीकरण:आकाशवाणी की पत्रिकाओं व मैगज़ीन का डिजटलीकरण 2019 में शुरू हुआ था। यह डिजटलीकृत पत्रिकाएं/मैगज़ीन लोकप्रिय ई–बुक प्लेटफार्म गुगल बुक पर उपलब्ध कराई गई हैं और अध्ययन व अनुसंधान के लिए उपयोग में लाई जा सकती हैं। डिजटलीकृत पत्रिकाओं व मैगज़ीन का विवरण निम्नानुसार नीचे प्रस्तुत है:

गुगल बुक्स पर पत्रिकाओं/मैगज़ीनस अपलोडिंग का स्टेट्स/स्थिति

क्र.सं.	पत्रिकाओं का नाम	पत्रिकाओं की संख्या	गुगल प्लेबुक पर अपलोडेड (31.03.2021)	स्थिति
1.	द इंडियन लिस्नर (अंग्रेजी)	741	741	(पूर्ण)
2.	आकाशवाणी पत्रिका (अंग्रेजी)	1197	1197	(पूर्ण)
3.	सारंग (हिंदी)	543	543	(पूर्ण)
4.	आकाशवाणी पत्रिका (हिंदी)	484	484	(पूर्ण)
5.	आवाज (उर्दू)	1006	49	957
6.	बेतारजगत (बांग्ला)	1293	0	1293
7.	वाणी (तेलुगु)	144	0	144
8.	आकाशी (असमी)	296	25	271
9.	नभोवणी(गुजराती)	160	3	157
10.	इंडियन रेडियो टाइम्स (अंग्रेजी)	254	0	254
	मैगज़ीन की कुल संख्या	**6118**	**3042**	**3076**

11. संस्कारगीत एवं अन्य पारंपरिक गीत:

संस्कार गीत व अन्य पारंपरिक गीतों के संग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है। गीतों को उनकी पूरी जानकारी/विवरण के साथ संग्रहीत किया गया है। जैसे गीत की लिपि, फोटोग्राफ, वीडियो, हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद अंकन और उससे संबंधी जानकारी भी।

1757 घंटे की अवधि के साथ कुल 21,792 संख्या के गीतों को अभिलेखागार में संग्रहीत किए गए हैं। 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक लगभग 571 गीतों का संग्रहण किया जा चुका है।

12. अभिलेखीय सामग्री का पुन: प्रयोजन

आकाशवाणी अभिलेखागार में आकाशवाणी की अभिलेखीय सामग्री को पुन: प्रयोजित किया गया। केंद्रीय अभिलेखागार द्वारा 'संग्रहालय के गलियारों से' एक सिरीस में 26 कार्यक्रमों को जोड़ कर उसे प्रस्तुत किया और वर्ष 2020–21 के दौरान आकाशवाणी के एफएम चैनल रेनबो और एफएम गोल्ड और इन्द्रप्रस्थ, राजधानी पर इसका प्रसारण भी किया।

13. **अन्य किए गए कार्य :**

- कोरिडोर का रख–रखाव और अपग्रेडेशन और कोम्पेक्टर रूम का कार्य पूर्ण हुआ।
- स्टोरेज एरिया नेटवर्क सिस्टम को 6 टीबी से 24 टीबी तक बढ़ा दिया गया है और स्टोरेज डाटा को एलटीओ–7 टेप्स में स्थानांतरण कर दिया गया।
- स्टोर की पुरानी, खराब और अप्रचलित अधिशेष वस्तुओं का निपटान पूरा किया गया।

आकाशवाणी अभिलेखागार कि डिजटलीकरण व अन्य गतिविधियों का विवरणः

क्रं. सं.	कार्यक्रम का विवरण	2019–20 (1 अप्रैल 2019–31 मार्च 2020)	2020–21 (1 मार्च 2020–31 मार्च 2021)	टिप्पणियां
1	डिजटलीकृत सामग्री	2,664 घंटे	1,820 घंटे	कुल डिजटलीकरणः 39,278 घंटे
2	डिजटलीकृत संस्कार गीत (संख्या)	2,569	571	कुल डिजटलीकरणः 1,757 घंटे
3	गुगल बुक पर पत्रिकाओं व मैगज़ीन की उपलब्धता			3076
4	डिजटलीकृत किताबें	42(खंड)	––	2018–19 में शुरू
5	आकाशवाणी केंद्रों के लिए सेटेलाइट सामग्री	243 घंटे	––	महामारी के कारण स्थगित
6	अनुगूंज कार्यक्रम एपिसोड	49	––	महामारी के कारण स्थगित
7	अभिलेखीय सामग्री का पैकेजिंग और नए कार्यक्रम का निर्माण	22	26	2018–19 में शुरू किया गया।

वर्ष 2020–21 के दौरान केंद्रीय अभिलेखागार के दूरदर्शन अभिलेखागार में हुई महत्वपूर्ण गतिविधियां।

1. विभिन्न नॉन–लिनियर संपादन प्रणाली जैसे कैनोपस एडियस प्रो और एफसीपीएस इत्यादि। एनआरपीई सेटअप और दो सैस्पर सीपी प्लेआउट सर्वर सोशल मीडिया के कार्यक्रम अदला–बदली करने के लिए ट्रांसकोविड अभिलेखागार बनाने के लिए दूरदर्शन में स्थापित किए गए।
2. केंद्रीय अभिलेखागार में स्थापित नेटवर्किंग जिनसे सभी एनएलईस, ग्राफिक्स सिस्टम, इनजेस्ट सिस्टम, मेम (एमएएम) और अन्य कार्य केंद्रों के साथ जोड़ा जाता है को अपग्रेड किया गया। एनएएस स्टोरेज सिस्टम और स्टैंड अलोन एलटीओन 7 टेप ड्राइवर को ब्रेकअप के लिए स्थापित किया गया।
3. दूरदर्शन अभिलेखागार ने आज की तारीख में मीडिया एसेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली (एमएएम) द्वारा 24,213 घंटों का प्रगाढ़ अभिलेखीय सामग्री संग्रहीत की है, जिसमें से 578 घटों की सामग्री जो 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 के समय में डिजीटलीकृत हुई है। लिगेसी सामग्री के कुल 32,700 घंटे अभी तक डिजटलीकरण और डिजिटल टेप्स में आज की तारीख में स्टोर किए जा चुके हैं, जिसमें से 824 घंटों की सामग्री को 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 के समयावधि तक डिजटलीकृत कर दिया गया था।
4. आज की तारीख में ऑनलाइन पुस्तकालय/लाइब्रेरी प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) में 59,129 एन्ओएस सामग्री को भर दिया गया था। जिसमें से 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक की समयावधि में 1917 संख्या की प्रविष्टियां हो चुकी थी।
5. पुरानी सामग्री की पुनः पैकेजिंग करने के बाद प्रसारित करने के उद्देश्य से दूरदर्शन व नेशनल को कार्यक्रम भेज दिए जाते थे। प्रसारण करने के लिए दोबारा पैक करके इन्हें देशभर के दूरदर्शन नेटवर्कों में इन्हें उपलब्ध कराया जाता है।

6. 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च 2021 तक राष्ट्रीय संसाधन विनिमय पूल (एमआरईपी) योजना के तहत दूरदर्शन नेशनल/दूरदर्शन भारती को 2,500 घंटे की सामग्री उपलब्ध करवाई गई।
7. लगभग 85,341 टेप्स की सफाई अब तक की जा चुकी है। 1अप्रैल, 2020 से 31 मार्च 2021 तक 3,010 टेप्स की सफाई की जा चुकी है और 172 घंटों के कार्यक्रमों को पुनः स्थापित किया जा चुका है।

दूरदर्शन अभिलेखागार की गतिविधियों का सार (2020–21):

क्रं. सं.	कार्यक्रम का विवरण	2019–20 (1 अप्रैल 2019–31 मार्च 2020)	2020–21 (1 मार्च 2020–31 मार्च 2021)	कुल
1.	अभिलेखीय सामग्री(एमएएम)	2,120 घंटे	578 घंटे	24,213 घंटे
2.	एनआरईपी	218 घंटे.	2,500 घंटे	12,180 घंटे
3.	डबिंग/डिजिटलीकरण	4,400 घंटे	824 घंटे	32,700 घंटे
4.	वस्तु सूची	35,000 संख्या	1,917 संख्या	59,129 संख्या
5.	मेटाडाटा	483 घंटे	महामारी के कारण स्थगित	3,846 घंटे
6.	पुराने कार्यक्रमों की रिपैकेजिंग	334 संख्या	381 संख्या	805 घंटे
7.	प्रसार भारती अभिलेखागार यू–ट्यूब चैनल पर अपलोडेड कार्यक्रम	1,406 संख्या	1,070 संख्या	3,076 संख्या
8.	टेप क्लीनिंग	6,180 संख्या	3,010 संख्या	85,341 संख्या
9.	संग्रहण	498 घंटे	172 घंटे	4,072 घंटे

वर्ष 2020–21 के दौरान केंद्रीय अभिलेखागार की सोशल मीडिया की गतिविधियां

1. वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान प्रसार भारती अभिलेखागार के यूट्यूब चैनल पर लगभग 2.62 लाख ग्राहक जुड़े। यूट्यूब चैनल के लिए कुल ग्राहकों का आधार 5.48 लाख तक पहुंचा।
2. इस वर्ष के दौरान 40 मिलियन से भी ज्यादा यू–ट्यूब पर रिकॉर्ड किए गए। कुल मिलाकर 80 मिलियन से भी ज्यादा व्यूज पाए गए हैं। वर्ष 2020–21 में 4 मिलियन घंटों से भी ज्यादा का समय रिकार्ड किया गया है।
3. वर्ष के दौरान प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल से 14 लाख रुपए से भी ज्यादा का राजस्व प्राप्त हुआ है।
4. डीडी सिनेमा' के नाम से एक नया यूट्यूब चैनल बनाया गया है। इस चैनल पर फिल्म और टेली फिल्मों की सामग्री अपलोड की जाती है। अभी तक 74 सिनेमा/टेली फिल्में उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान 53 वीडियो अपलोड की गई। दुर्लभ अभिलेखीय सामग्री और देखे जाने की संख्या में वृद्धि के कारण इस वर्ष से इस चैनल का मुद्रीकरण किया जा रहा है।
5. प्रसार भारती अभिलेखागार की सामग्री दूरदर्शन, नेशनल, डीडीभारती, आकाशवाणी रागम, डीडी सिनेमा और प्रसार भारती लोक संपदा के यूट्यूब चैनलों पर भी अपलोड की जाती हैं। सामग्री प्रसार भारती अभिलेखागार के फेसबुक पेज पर भी अपलोड की जाती है। वर्ष 2020–21 के दौरान 46 लघु विडियो अपलोड की गई हैं।
6. प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल पर प्रख्यात/प्रमुख व्यक्तियों की रेडियो आत्म कथाओं को भी अपलोड किया गया। अभी तक 36 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। इन सभी की लिंक निम्नानुसार है:– https://www.youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5JdXwPPCklwAjcZ1oBSOka
7. वर्ष 2020–21 के दौरान महत्वपूर्ण अपलोड्स की प्लेलिस्ट के रूप में निम्न प्रकार संकलित किया गया है:–

क्र.सं.	प्लेलिस्ट का नाम	यू–ट्यूब लिंक	कुल विडियोज़
1	रेडियो आत्मकथाएं	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5JdXwPPCklwAjc Z1oBSOka	36 विडियोज़
2	ख्वाजा अहमद अब्बास	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7x4QEN6vOKH4s FLiH5kEnP	3 विडियोज़
3	संग्रहालय के–गलियारों से	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6-GsQaf7gBn7aIAG0pxQtM	7 विडियोज़
4	डांसेज़ ऑफ इंडिया	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH73KihAtaWKBHI pg6_S0qyJ	80 विडियोज़
5	रविन्द्रनाथ टैगोर	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7C4DoVXbJ4lmQ dGamECDAK	6 विडियोज़
6	भारत–बांग्लादेश संबंध	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH4Bm_G2uAG18wP0m-qeP8VD	8 विडियोज़
7	पंडित दीनदयाल उपाध्याय	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5KaBAg2s-ik6G3XxHQfV6_	3 विडियोज़
8	विजय हजारे क्रिकेटर	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6nl12AZQTQ3T6 65BveBiob	4 विडियोज़
9	शेख मुजीबुर्रहमान	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH41HRZ_g4IqACslfiChmRSX	3 विडियोज़
10	फिल्म नोस्टालजिया	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5-oNI6DLA9p-cp63LNa3HT	27 विडियोज़
11	भारतीय सुरक्षा बल	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5qnl-jvcMxxIrS7L6o17MJ	13 विडियोज़
12	उस्ताद जाकिर हुसैन	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6JVCLm-gPfUi-8QirYr3u5	3 विडियोज़
13	चन्द्र शेखर	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7Kb7120OHfgqBZ 0IQEtFeP	4 विडियोज़
14	मोरारजी देसाई	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6vh2rG-PcuQe_F2OiEyw8F	10 विडियोज़
15	अटल बिहारी वापजेयी	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7FPEj8iWVe2ZW-ADtOkwjK	31 विडियोज़
16	भारत के स्मारक	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7WquBfssDZXnE fn16oTEiM	23 विडियोज़
17	सुमित्रानंदन पंत	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH53GqxNdbrtJ eF_IUrMmkt4	2 विडियोज़
18	वीरता पुरस्कार	https://youtube.com/ playlist?list=PLqtVCj5iilH4whLs4fYVr9vvN8LOtaK-X	10 विडियोज़
19	दिल्ली–शहर एक रंग अनेक	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6w3GhjP6txL_wWi3l6PdrV	8 विडियोज़
20	सरदार पटेल स्मृति व्याख्यानमाला	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH4WmBlnHhj3X iR_v0E7elJh	61 विडियोज़

क्र.सं.	प्लेलिस्ट का नाम	यू–ट्यूब लिंक	कुल विडियोज़
21	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5Y7rksPXHXBjkQ49Z35gPf	25 विडियोज़
22	संविधान सभा के भाषण	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5AOeOlzkg7XzK7q5d0zxQd	37 विडियोज़
23	अनुगूंज	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6HbcPnrzcmGwWEqjhaA7mg	49 विडियोज़
24	भारत एक खोज	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH4w0Y8KBB4fqBu25T0sGhXG	56 विडियोज़
25	भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5d6xwLyLB7WRgK3lPdwD26	16 विडियोज़
26	गणतंत्र दिवस परेड	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5AV4mzlFe7IhihqIrTJ5Ud	56 विडियोज़
27	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH4wJ-AtiLQDVic68aGN0dFq	4 विडियोज़
28	रेडियो प्ले	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH4E_vBkjox59odE6U7yt-D2	11 विडियोज़
29	स्वतंत्रता संग्राम के तीन पक्ष	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6W4fG9Ub_3x_brBB56fdqg	3 विडियोज़

ख. सिविल निर्माण स्कंध

सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी की स्थापना 1971 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाली संस्थाओं के सिविल कार्यों को संभालने के लिए की गई थी। इससे पहले यह कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता था। आकाशवाणी सिविल निर्माण स्कंध के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यालय और आवासीय इमारतों का रखरखाव, रेडियो और टीवी स्टूडियो, सड़कों, आरसीसी और स्टील टॉवर, स्टील मास्क और प्रसार भारती के अन्य विकासात्मक कार्यों की देखरेख की जाती है। सिविल निर्माण स्कंध के अंतर्गत अन्य मंत्रालयों के सिविल कार्य, विभाग, स्वायत्त निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र बैंक और सार्वजनिक सेक्टर इंटरप्राइज इत्यादि का पूरे भारत में डिपोजिट वर्क के रूप में कार्य किया जाता है।

31 जनवरी, 2008 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली ने सीसीडब्ल्यू को केंद्रीय लोक निर्माण संगठन घोषित किया था। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की सिविल स्कंध (सीसीडब्ल्यू) की पहचान जीएफआर 2017 के नियम 133(2) के अंतर्गत लोक निर्माण संगठन के रूप में हुई है। सीसीडब्ल्यू केंद्रीय लोक निर्माण संगठन की कार्य पद्धति के अनुसार कार्य करता है।

सीसीडबल्यू सिविल इंजीनियरों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों और आर्किटेक्ट्स द्वारा संचालित है। प्रशासनिक रूप से यह आकाशवाणी महानिदेशालय का हिस्सा है और इसका नेतृत्व एक मुख्य अभियंता करता है जो प्रमुख अभियंता के माध्यम से महानिदेशक आकाशवाणी को रिपोर्ट करता है।

सिविल निर्माण स्कंध नई दिल्ली के मुख्यालय में मुख्य अभियंता की सहायता के लिए कार्यों का अधीक्षक सर्वेक्षक, आर्किटेक्ट इकाइयां, अभियांत्रिकी अधिकारी, वित्त सलाहकार और इन अधिकारियों के साथ कार्यरत अन्य सहायक स्टॉफ है। एक अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) हैं जो गुणवत्ता आश्वासन और प्रौद्योगिकी की पहचान/अद्यतन करने के लिए और सीसीडब्ल्यू के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई सामग्री मानकों, विशिष्टताओं और नवाचारों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

सीसीडब्ल्यू ने पूरे देश में पहचान बनाई है और इसके 7 सिविल सर्कल, 3 इलेक्ट्रिक सर्कल, 24 सिविल प्रभाग 11 इलेक्ट्रिक प्रभाग और एक वास्तुकला संबंधी एकांश है। 31.01.2021 तक लगभग 512 तकनीकी स्टाफ के कर्मचारी हैं।

सिविल निर्माण स्कंध को देश में सबसे लंबी आरसीसी और आरसीसी कम स्टील टीवी टावर के निर्माण कार्य का श्रेय प्राप्त है।

महामारी के दौरान देशभर में सीसीडब्ल्यू में ई–ऑफिस लागू किया गया था, जिसके परिणाम स्वरूप घर से काम करने और शीघ्र कार्य करवाने में आसानी होती है। महामारी काल में आभासी प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे। भौतिक फाइलों का डिजटलीकरण भी पूरा किया गया।

प. सिविल निर्माण स्कंध की उपस्थिति

सिविल सर्कल, प्रभाग व उप–प्रभाग

सर्कल	प्रभाग	उप प्रभाग
चेन्नई	चेन्नई, बंगलौर, कोच्चि, हैदराबाद	13
मुंबई	मुंबई, वड़ोदरा, भोपाल, पुणे	11
कोलकाता	कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, सिलीगुढ़ी	12
गुवाहाटी	गुवाहाटी, सिलचर, ईटानगर	9
दिल्ली सर्किल – I	मंडी हाउस, लखनऊ	7
दिल्ली सर्किल – II	सूचना भवन I और II, जम्मू, चंडीगढ़	12
दिल्ली सर्किल – III	जयपुर, दिल्ली मेट्रो I और II	08
7	24	72

इलेक्ट्रिकल सर्किल, प्रभाग और उप–प्रभाग

सर्कल	प्रभाग	उप प्रभाग
कोलकाता	कोलकाता, पटना, गुवाहाटी	09
नागपुर	नागपुर, मुंबई, चेन्नई, बैंगलुरू	12
दिल्ली	दिल्ली I,II,III, चंडीगढ़	12
3	11	31

सिविल सर्किल/प्रभाग/उप प्रभाग कार्यालय

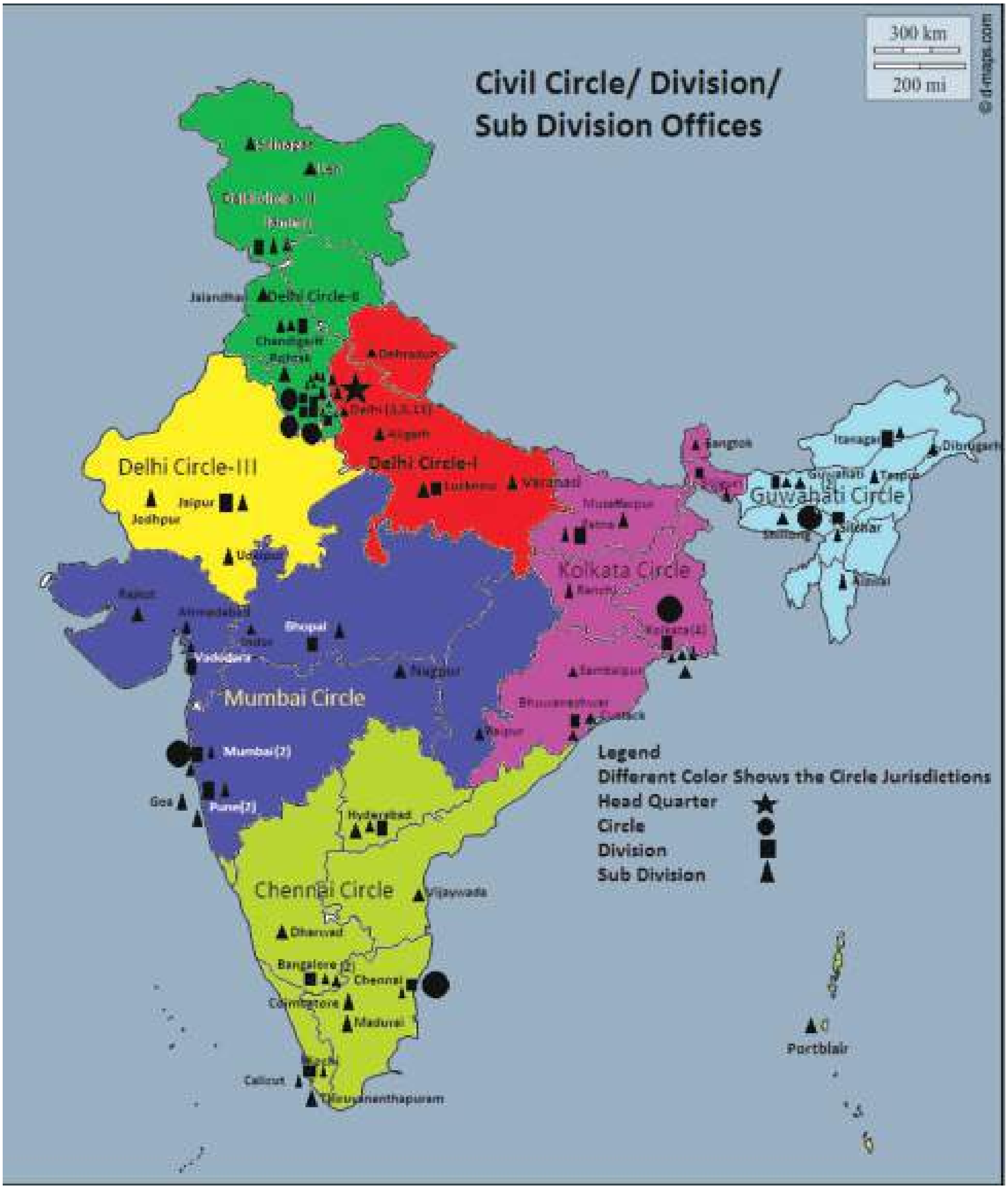

इलेक्ट्रिक सर्किल / प्रभाग / उप–प्रभाग

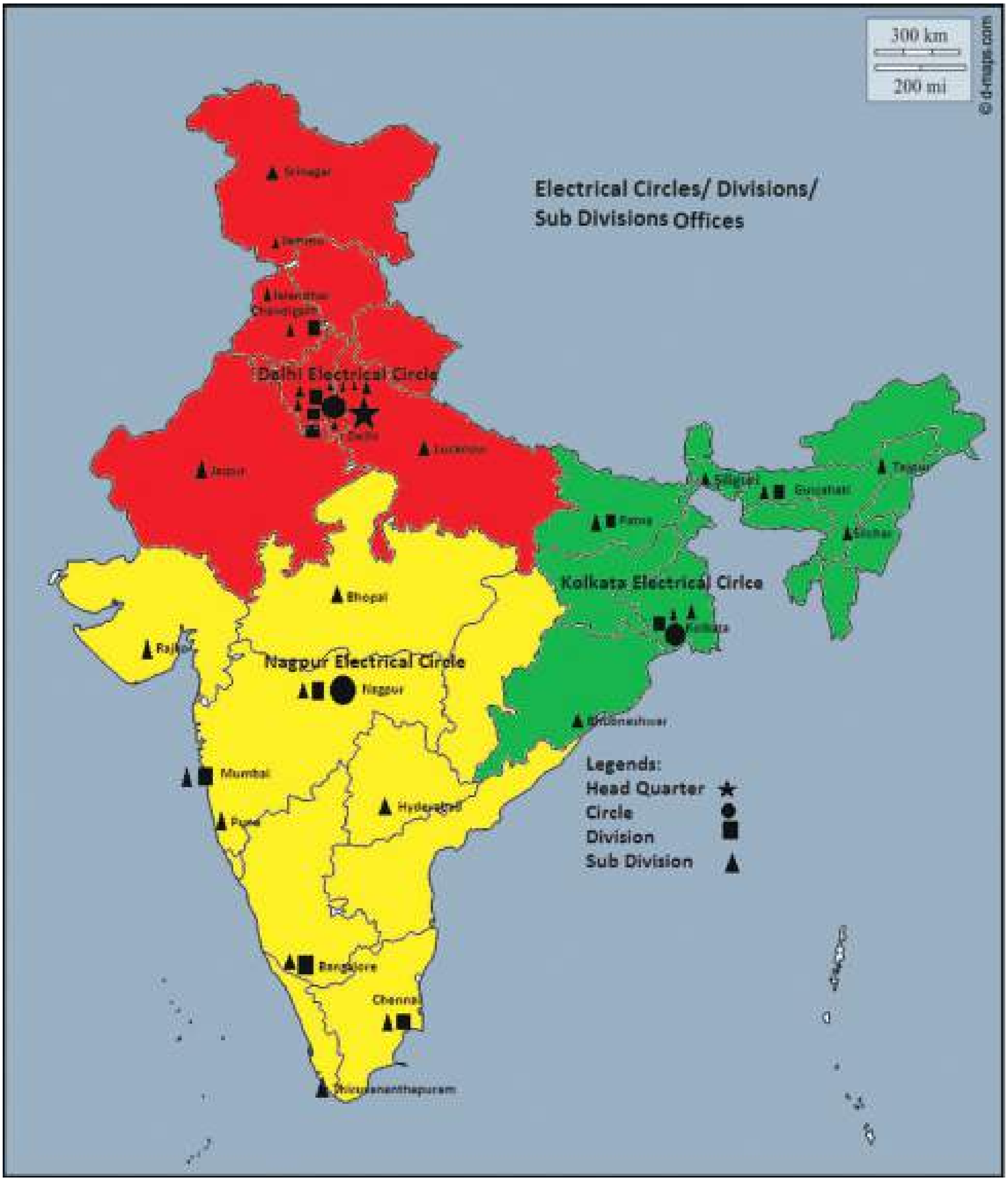

3.0 मुख्य उपलब्धियां:

3.1 आकाशवाणी इटावा के लिए 10 किवा एफएम ट्रांसमीटर का कार्य पूर्ण हुआ।

3.2 महामारी के दौरान आकाशवाणी, दूरदर्शन और अन्य मीडिया प्रतिष्ठानों को पूरी तरह से कार्यरत रखने के लिए नियमित रखरखाव और विशेष मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक किए गए।

3.3 आकाशवाणी मुंबई प्रसारण भवन में कार्यालय भवन और स्टूडियो की दिवारों का वाटर प्रूफिंग कार्य के साथ रचनात्मक मरम्मत का कार्य भी पूर्ण हुआ।

4.0 वर्ष 2020–21 के दौरान गतिविधियां

वर्ष 2020–21 के दौरान आकाशवाणी सिविल निर्माण स्कंध द्वारा भवन निर्माण संबंधी और अन्य मीडिया एककों के लिए की गई गतिविधियां अनुलग्नक–VIII में उपलब्ध हैं।

अध्याय 5

मानव संसाधन और प्रशासन

क. कर्मचारियों की संख्याः

प्रसार भारती में 31.03.2021 को स्वीकृत पदों एवं वर्तमान में पदस्थ कर्मचारियों / अधिकारियों का विवरण नीचे दिया गया है:

	आकाशवाणी	दूरदर्शन	कुल
स्वीकृत पद	26,129	19662	45791
पदस्थ	11618	10522	22140

ख. पदोन्नतिः

2020–21 के दौरान हुई विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें

01.04.2020 – 31.03.2021 की अवधि के दौरान समूह – क वर्ग के लिए अधिकारियों हेतु आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकों का विवरण निम्नप्रकार है:

क्रम सं.	संवर्ग / ग्रेड हेतु आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति बैठक की तारीख	संस्तुत अधिकारी
1.	वर्ष 2019 के लिए कार्यक्रम निष्पादक से भारतीय प्रसारण (कार्य.) सेवा के कनिष्ठ समय वेतनमान पर पदोन्नति हेतु दिनांक 5.5.2020 को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक	69
2.	वर्ष 2020–21 से 2018 के लिए कार्यक्रम निष्पादक से भारतीय प्रसारण (कार्य.) सेवा के कनिष्ठ समय वेतनमान पर दिनांक 5.5.2020 को आयोजित समिति समीक्षा विभागीय.पदोन्नति समिति की बैठक	07
3.	वर्ष 2020 के लिए आकाशवाणी के सिविल सेवा सकंध में अधीशासी अभियंता (अभि.) से अधीक्षक अभियंता (अभि.) पद पर पदोन्नति हेतु 28.08.2020 को बैठक आयोजित की गई।	01
4.	वर्ष 2020 के लिए वरि.समय वेतनमान से भारतीय प्रसारण (अभि.) सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में पदोन्नति हेतु 9.12.2020 को विभागीय.पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित हुई	17
5.	सिविल निर्माण सकंध, आकाशवाणी में मुख्य अभियंता (लेवल–II) पर पदोन्नति के लिए 9.12.2020 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित हुई।	02
6.	वर्ष 2019 और 2020 की कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड से वरि. प्रशासनिक ग्रेड की रिक्तियों हेतु सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में दिनांक 08.12.2020 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित हुई।	02
7.	वरिष्ठ समय वेतनमान से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में पदोन्नति हेतु प्रसार भारती सचिवालय में दिनांक 09.12.2020 को बैठक आयोजित हुई।	12

क्रम सं.	संवर्ग/ग्रेड हेतु आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति बैठक की तारीख	संस्तुत अधिकारी
8.	कनिष्ठ समय वेतनमान से वरिष्ठ समय वेतनमान पर पदोन्नति हेतु आकाशवाणी महानिदेशालय में दिनांक 27.01.2021 को नियमित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित हुई।	06
9.	कनिष्ठ समय वेतनमान से वरिष्ठ समय वेतनमान पर पदोन्नति हेतु सीमित समीक्षा विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक दिनांक 27.01.2021 को आकाशवाणी महानिदेशालय में आयोजित हुई।	01
10.	एनएफयू (वेतन अनुरूपता) कनिष्ठ समय वेतनमान से वरिष्ठ समय वेतनमान (रु. 6600/–) पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित हुई और दिनांक 24.04.2020 को आदेश जारी हुए।	201
11.	श्री एन.के. मोहन राम(सेवानिवृत्त उपनिदेशक) की आईबीपी (एस) के दूरदर्शन प्रबंधन संवर्ग में कार्यक्रम में वरिष्ठ समय वेतनमान पर पदोन्नति हेतु दिनांक 21.12.2020 को सीमित समीक्षा विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित हुई।	01
12.	श्री एन.चंद्रशेखर को सूचना प्रसारण (कार्यक्रम) सेवा में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में 1.7.2019 से एनएफएसजी प्रदान करने के लिए दिनांक 18.03.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयाजित की गई।	01

ग. भर्तियां:

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 की धारा 32 की उप–धारा (2) के खंड (डी) और (ई) के साथ पठित धारा 10 की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) भर्ती बोर्ड की स्थापना नियम, 2020 नामक एक अधिसूचना को सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण दिनांक 12. 02.2020 में जारी किया गया है।

घ. आरक्षण:

I. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण:

प्रसार भारती में एक समर्पित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सेल की स्थापना करके अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के संबंध आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक उपाय किए हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सेल समय–समय पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों के लिए जारी आरक्षण संबंधी आदेशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करता है। सरकारी सेवा में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों को लाभ प्रदान करने के लिए नोडल मंत्रालयों/विभागों द्वारा जारी सभी संबंधित नीतियों निर्देशों और अनुदेशों को संबंधित महानिदेशालयों द्वारा व्यापक रूप से कार्यान्वयन के लिए सभी अधीनस्थ/क्षेत्रीय कार्यालयों के बीच परिचालित किया गया।

माननीय राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) और माननीय राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सिफारिशें, जैसा कि उनकी वार्षिक रिपोर्टों में दर्शाया गया है, के कठोर अनुपालन के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रसारित की जाती हैं। आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व पर समेकित वार्षिक विवरण और आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के संबंध में नियुक्ति और रिक्तियों से संबंधित अन्य विशिष्ट जानकारियों का विवरण समय–समय पर संबंधित प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाता है। शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

प्रसार भारती में विभिन्न सेवा समूहों में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों का समग्र प्रतिनिधित्व निम्नानुसार है:

प्रसार भारती, आकाशवाणी और दूरदर्शन में विभिन्न सेवा समूहों में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / ईडब्ल्यूएस / अनारक्षित वर्गों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

समूह	कर्मचारियों की (स्वीकृत) संख्या	कुल (पदस्थ) कर्मचारी	अनुसूचित जाति के (पदस्थ) कर्मचारयों की संख्या	अनुसूचित जनजाति के (पदस्थ) कर्मचारयों की संख्या	ओबीसी के (पदस्थ) कर्मचारयों की संख्या	ईडब्ल्यूएस के (पदस्थ) कर्मचारयों की संख्या	अनारक्षित के (पदस्थ) कर्मचारयों की संख्या
ए	3119	1087	171	68	60	शून्य	788
बी	20922	10999	1527	915	1127	शून्य	7430
सी	21750	10054	2413	1607	1176	शून्य	4858
डी	–––	–––	–––	–––	–––	–––	–––
कुल	**45791**	**22140**	**4111**	**2590**	**2363**	**शून्य**	**13076**

II. दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण:

भारत का संविधान सभी व्यक्तियों में समानता, स्वतंत्रता, न्याय व सभी व्यक्तियों में गरिमा का भाव सुनिश्चित करता है और दिव्यांगजनों सहित सभी के लिए एक समावेशी समाज को अनिवार्य बनाता है। भारत सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास में " दिव्यांगजन (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995" अधिनियमित किया। दिव्यांगजन अधिनियम 1996 में लागू हुआ है। तदउपरांत भारत सरकार ने "दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016" पारित किया जो 19 अप्रैल 2017 से लागू हुआ व दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण से संबंधित निर्देशों को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापन दिनांक 15.01.2018 द्वारा जारी किया गया। दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण अधिनियमित हो जाने से समूह क, ख और ग वर्ग के पदों की सीधी भर्ती के मामले में भी लागू हो गया।

दिव्यांगजनों के लिए पदोन्नति में आरक्षण के संबंध में, समूह 'घ' (पूर्ववर्ती) से समूह 'ग' में की जाती है और पदोन्नति समूह 'ग' के चिन्हित पदों पर की जाती है।

प्रसार भारती ने दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण के कार्यान्वयन संबंधी सभी आवश्यक उपाय किए हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों हेतु समय–समय पर जारी सभी प्रासंगिक नीतिगत निर्णयों और निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

प्रसार भारती अपने चैनलों के माध्यम से दिव्यांगजनों पर कार्यक्रम प्रसारित करता है, जिनमें केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं पर कार्यक्रम शामिल हैं। जिनमें उनके स्वास्थ्य, सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों से संबंधित कार्यक्रम भी शामिल हैं। इन कार्यक्रमों की विषय–वस्तु इस प्रकार तैयार की जाती है, जिससे न केवल दिव्यांगजनों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त करने में मदद मिले, बल्कि वे उन्हें सम्मान के साथ जीने के लिए प्रोत्साहित भी करे। कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और दिव्यांगजनों के प्रति लोगों के असंवेदनशील रवैये को बदलने में भी उपयोगी हैं।

यद्यपि विकलांग व्यक्तियों के लाभ के लिए कोई विशिष्ट बजट शीर्ष नहीं है, दिव्यांगजनों के लिए रैम्प, विशेष शौचालयों जो विशेष रूप से कार्यालयों के भूतल पर स्थित हो का निर्माण जैसी गतिविधियां सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी के 'लघु कार्यों' बजट शीर्ष से संचालित की जाती हैं।

ङ. लोक शिकायत और निवारण तंत्र :

शिकायत निवारण और पहुंच तंत्र प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार काम कर रहा है और जिसकी केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के माध्यम से निगरानी की जाती है। लोक शिकायतों और पेंशन निवारण याचिकाओं पर तुरंत ध्यान दिया जा रहा है और उनका जल्द से जल्द निपटारा किया जा रहा है। शिकायतों के निपटान से संबंधित मासिक स्थिति रिपोर्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय को प्रस्तुत की जाती है। याचिकाकर्ताओं को भेजे गए एटीआर/उत्तर भी डीएआरपीजी पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं।

01.04.2020 से 31.03.2021 की अवधि के दौरान डीएआरपीजी पोर्टल पर शिकायतों की स्थिति नीचे दी गई है:

	आकाशवाणी	दूरदर्शन	पीबीएस	कुल
शेष (01.04.2020 तक)	63	99	35	197
प्राप्त शिकायत (2020 –21 के दौरान)	490	705	635	1830
कुल	553	804	670	2027
निपटाए गए मामले	541	804	295	1640
अंतिम शेष (31.03.2021 तक)	12	शून्य	375	387

च. अदालत के मामलों का प्रबंधन:

विधि कार्य विभाग के विधिक सूचना प्रबंध और ब्रीफिंग प्रणाली (एलआईएमबीएस) के माध्यम से प्रसार भारती अदालती मामलों और मध्यस्थता के मामलों की निगरानी करता है। सभी कोर्ट के मुकदमों को इस पोर्टल पर लाने के लिए ठोस प्रयास किया गया है। लिम्बस संस्करण–2.0 भी लागू किया गया है और सभी अदालती मामलों को अपलोड और अपडेट किया जा रहा है। कोर्ट के मुकदमों की प्रगति की नियमित निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। प्रसार भारती सचिवालय में केंद्रीकृत मासिक समीक्षा की एक प्रणाली शुरू की गई है। न्यायालय के मामलों और वाणिज्यिक मामलों का वर्तमान विवरण नीचे दिया गया है:

कोर्ट के मामले	1218
कुल वाणिज्यिक मामले	183
कुल मामले (वाणिज्यिक मामलों सहित)	1401

न्यायालय के मामलों का विभाग–वार विवरण:–

क्रम. सं.	वर्टिकल	कोर्ट केस (ए)	अवमानना के मामले (ए में शामिल)
1.	दूरदर्शन	422	41
2.	आकाशवाणी	563	39
3.	दूरदर्शन समाचार	23	––––
4.	समाचार सेवा प्रभाग	20	––––
5.	सिविल निर्माण स्कंध	103	––––
6.	राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया संस्थान	–––	––––
7.	दूरदर्शन विज्ञापन सेवा	74	––––
8.	दूरदर्शन (खेल)	09	––––

क्रम. सं.	वर्टिकल	कोर्ट केस (ए)	अवमानना के मामले (ए में शामिल)
9.	दूरदर्शन (अभिलेखागार)	———	————
10.	प्रसार भारती सचिवालय	04	————
11.	**कुल योग**	**1218**	**80**

(क) अधिकतर मामले विभिन्न माननीय केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरणों में हैं। 01.04.2020 से 31.03.2021 की अवधि में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के मामलों में निर्णयों/आदेशों के कार्यान्वयन की सूचना निम्नानुसार है:

क्र.सं.	मीडिया इकाइयाँ / अनुभाग	केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण से प्राप्त निर्णय/आदेश की संख्या	लागू किए गए निर्णय/आदेश की संख्या
1.	महानिदेशालय : दूरदर्शन	21	13
2.	महानिदेशालयः आकाशवाणी	36	25
3.	**कुल**	**57**	**38**

छ . सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयनः

इकाई	अनुरोध/ अपीलें	1.4.2020 को अथ शेष	वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्त	कॉलम 3+4 का योग	निपटाए गए मामलों की संख्या	31.03.2021 को अंत शेष
1	2	3	4	5	6	7
महानिदेशालयः आकाशवाणी	आवेदन	शून्य	782	782	782	शून्य
	अपील	शून्य	163	163	163	शून्य
महानिदेशालयः दूरदर्शन	आवेदन	शून्य	796	796	796	शून्य
	अपील	शून्य	131	131	131	शून्य
समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी	आवेदन	शून्य	14	14	14	शून्य
	अपील	शून्य	03	03	03	शून्य
दूरदर्शन समाचार	आवेदन	शून्य	143	143	143	शून्य
	अपील	शून्य	19	19	19	शून्य
प्रसार भारती सचिवालय	आवेदन	शून्य	796	796	715	81
	अपील	शून्य	44	44	31	13

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रत्यक्ष और ऑनलाइन मोड में प्राप्त होते हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त प्रत्यक्ष आवेदनों को ऑनलाइन मोड में परिवर्तित करने का प्रयास किया गया और ई–ऑफिस के माध्यम से संचालित किया गया। प्रसार भारती की वेबसाइट पर केंद्रीय जनसूचना अधिकारियों और अपीलीय प्राधिकारियों की सूची नियमित रूप से अपडेट की जाती है।

संसदीय राजभाषा समिति की द्वितीय उप–समिति द्वारा दिनांक 10.12.2020 को प्रसार भारती सचिवालय का राजभाषा निरीक्षण।

ज. राजभाषा का कार्यान्वयनः

1. प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

प्रसार भारती सचिवालय के हिंदी अनुभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य निष्पादित किए जाते हैं: –

- वार्षिक रिपोर्ट, लेखा परीक्षा रिपोर्ट और प्रसार भारती का वार्षिक लेखा का हिंदी अनुवाद।
- संसद के समक्ष रखे जाने वाले संसदीय प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का हिंदी अनुवाद।
- सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त विभिन्न प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- हिन्दी के प्रगामी प्रयोग संबंधी तिमाही, अर्धवार्षिक और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
- सभी बैठकों की कार्यसूची और कार्यवृत्त हिंदी में तैयार करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें आयोजित करना, बैठक के कार्यवृत्त जारी करना और बैठकों में लिए गए निर्णयों का अनुपालन।
- संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए की गई कार्रवाई का अनुपालन।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेजों का हिंदी अनुवाद।
- हिंदी कार्यशालाओं और डेस्क–कार्यशालाओं का आयोजन।
- हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिन्दी प्रशिक्षण, हिन्दी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

- हिन्दी दिवस/हिंदी माह आदि का आयोजन तथा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित करना।
- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कंप्यूटरों पर हिंदी में कार्य के लिए यूनिकोड का प्रयोग सुनिश्चित करना।
- किसी अन्य रिपोर्ट, विवरण और पाठ का हिंदी अनुवाद आवश्यकता के अनुसार।
- प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने हेतु गतिविधियों का आयोजन।

हिंदी दिवस का आयोजन

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, 14.09.2020 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री शशि शेखर वेम्पटि की अध्यक्षता में "हिंदी दिवस" मनाया गया। भारत सरकार, गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कोविड–19 महामारी के लिए जारी दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए प्रसार भारती सचिवालय, आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय द्वारा हिंदी दिवस 2020 का आयोजन सामूहिक रूप से किया गया। समारोह में सचिवालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें भारत सरकार के गृह मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री, कैबिनेट सचिव, महानिदेशक आकाशवाणी और महानिदेशक दूरदर्शन के संदेशों को पढ़ा गया।

दिनांक 14.09.2020 को हिंदी दिवस आयोजन

2. आकाशवाणी में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

महानिदेशालयः आकाशवाणी (मुख्यालय) का हिंदी एकक गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी आदेशों / अनुदेशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है और राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करता है। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के अतिरिक्त कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए गए।

1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक आयोजित किए गए हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़े और अन्य विशिष्ट कार्यों की रिपोर्टः

हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा

इस वर्ष हिंदी दिवस समारोह का आयोजन संयुक्त रूप से प्रसार भारती सचिवालय, महानिदेशकः दूरदर्शन और महानिदेशकः आकाशवाणी द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती की अध्यक्षता में किया गया। हिंदी दिवस समारोह में इस बार कोविड–19 महामारी के कारणवश, सीमित संख्या में अधिकारी / कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर भारत सरकार के माननीय गृह मंत्री, माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती महोदय के संदेशों को पढ़ा गया। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया गया था। कर्मचारियों को दिन–प्रतिदिन के कार्य राजभाषा हिंदी में करने व हिंदी का अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित करने हेतु, प्रसिद्ध हस्तियों के चुनिंदा उद्धरणों वाले बैनर आकाशवाणी : महानिदेशालय में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए गए।

हिंदी कार्यशाला

इस अवधि में, 'ई–ऑफिस के माध्यम से हिंदी का प्रयोग तथा सरकारी कार्यलयों में राजभाषा हिंदी के परिवर्तन की विद्या' और 'राजभाषा नीति' विषयों पर ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में ई–ऑफिस में हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों का समाधान किया गया और अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया गया। इन कार्यशालाओं में पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा), श्री. वाई.पी. शर्मा और एस. सोहन लाल जुगरान को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

गृह पत्रिका का प्रकाशन

महानिदेशालय : आकाशवाणी में कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए, नए सिरे से एक गृह पत्रिका का प्रकाशन आरंभ करने के लिए शीर्ष अधिकारियों द्वारा निर्णय लिया गया।

3. महानिदेशालयः दूरदर्शन में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

महानिदेशालय : दूरदर्शन में हिंदी अनुभाग महानिदेशालय और उसके अधीनस्थ कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग संबंधी स्थिति की समीक्षा करता है और राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक प्रयास करता है।

अवधि के दौरान अनुभाग द्वारा किए गए प्रमुख कार्यः–

1. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के तहत सभी दस्तावेज द्विभाषी रूप से जारी किए गए और हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया गया।
2. दूरदर्शन महानिदेशालय के कंप्यूटरों में हिंदी फोंट डाले गए।
3. महानिदेशालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा के लिए नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।
4. अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता लाने तथा उन्हें राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु समय–समय पर हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
5. हिंदी माह और हिंदी दिवस मनाया गया।
6. कोविड–19 महामारी के संक्रमण की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए महानिदेशालय में हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं को स्थगित कर दिया गया।
7. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति का पता लगाने के लिए विभिन्न अनुभागों एवं अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।
8. रिपोर्ट अवधि के दौरान 05 दूरदर्शन केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति प्रेषित्र का निरीक्षण किया गया और समीक्षा रिपोर्ट भेजी गई।
9. दूरदर्शन महानिदेशालय के विभिन्न अनुभागों से प्राप्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट को समेकित कर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेजा गया।
10. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों का हिंदी अनुवाद किया गया।
11. हिन्दी में दक्ष (प्रवीणता) प्राप्त करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए आदेश जारी किए गए।
12. राजभाषा अधिनियम, 1976 के नियम 8(4) के तहत जिन अनुभागों में 80 प्रतिशत अधिकारी/कर्मचारी हिंदी में दक्ष हैं, उन्हें अधिकांश कार्य हिन्दी में करने के लिए सलाह दी गई।
13. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की प्रोत्साहन योजना (2021–22) के संबंध में परिपत्र जारी किया गया.

झ. कल्याणकारी उपायः

कल्याण अनुभागः

1. प्रसार भारती सचिवालय, आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय ने यौन उत्पीड़न की शिकायतों/शिकायतों को देखने के लिए आंतरिक शिकायत समिति की स्थापना की है। इस समिति की अध्यक्षता एक वरिष्ठ स्तर की महिला अधिकारी करेंगी और इस गठित समिति में आधी सदस्य महिलाएं होंगी।
2. कोविड –19 महामारी के दौरान, प्रसारनेट पर एक पोर्टल बनाया गया था ताकि कोविड पोजिटिव कार्मिकों (कुल, सक्रिय, मृतक और ठीक हो चुके मामलों) के डेटा को बनाए रखा जा सके।
3. प्रसार भारती के कर्मचारियों द्वारा की गई शिकायतों का एक समय सीमा के भीतर निपटाने के लिए एक पोर्टल स्थापित किया गया।
4. सीपीजीआरएएम पोर्टल पर दर्ज या ई–मेल/डाक आदि के माध्यम से प्राप्त पेंशन मामले से संबंधित शिकायतों को निपटाने के लिए 31.08.2020 को एक पेंशन और मानव संसाधन समन्वय प्रकोष्ठ बनाया गया।

बहुजनहिताय बहुजनसुखाय

AIR

आकाशवाणी

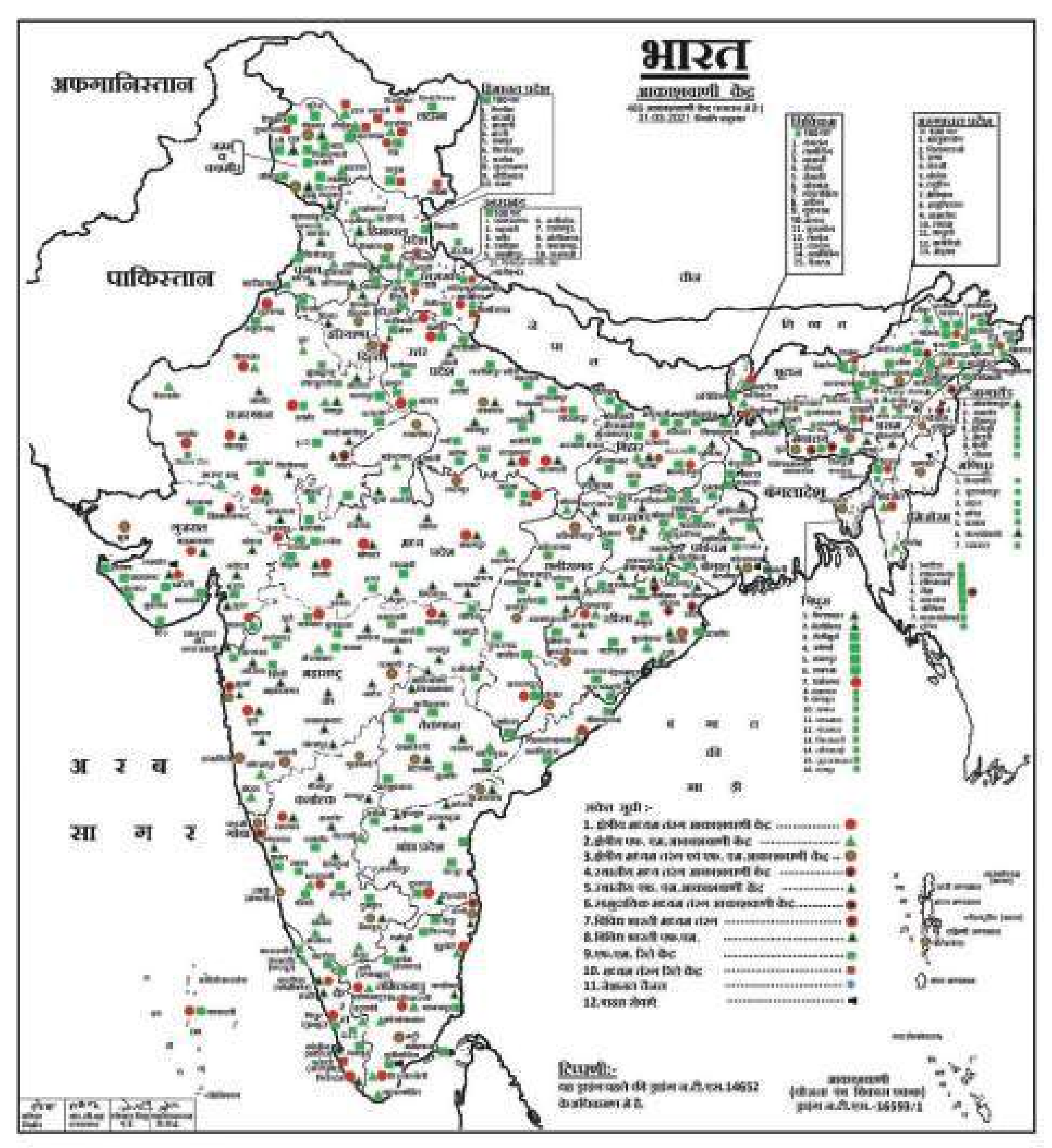

भारत
आकाशवाणी केंद्र
अफगानिस्तान
पाकिस्तान
अ र ब
सा ग र
बंगलादेश
टिप्पणी:-

अध्याय 6

आकाशवाणी–तथ्यों पर एक नज़र

(31.03.2021 की स्थिति के अनुसार)

प्रसारण केंद्र:

क्षेत्रीय केंद्र	133
स्थानीय रेडियो केंद्र	92
रिले केंद्र	255
सामुदायिक रेडियो केंद्र	05
कुल	485

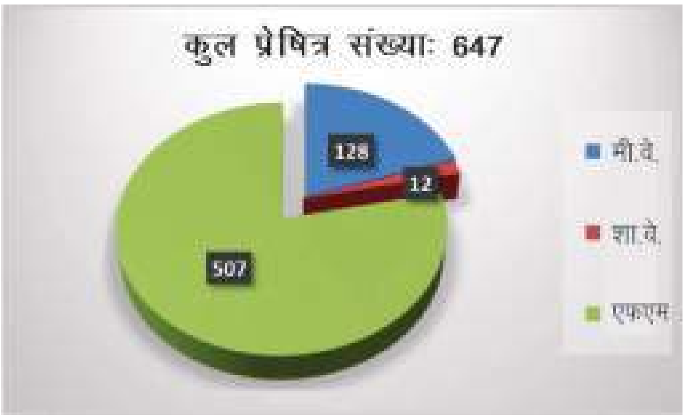

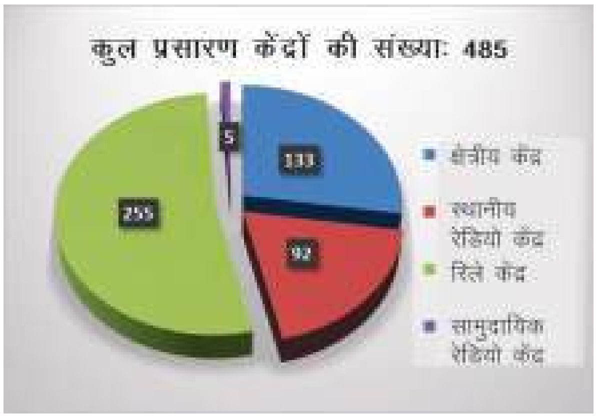

प्रेषित्र

- मीडियम वेव 128
- शार्ट वेव 12
- एफ एम 507
- कुल: 647

अन्य:

डीटीएच प्लेटफार्म पर आकाशवाणी चैनल 45

क्षेत्रीय समाचार एकांश 46

आकाशवाणी

क. प्रस्तावनाः

आकाशवाणी का लक्ष्य आम जनता के कल्याण और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और मनोरंजन उपलब्ध कराना है (बहुजन हिताय बहुजन सुखाय)।

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी द्वारा किए गए उल्लेखनीय विकास ने इसे विश्वभर में सबसे बड़े रेडियो नेटवर्कों में से एक बना दिया है। अब इसके पास 485 केंद्र और 647 ट्रांसमीटर हैं। हमारे बहु–सांस्कृतिक समाज की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु नई तकनीकों और कार्यक्रम निर्माण की तकनीकों का समावेश करते हुए इस नेटवर्क का विस्तार हुआ।

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय प्रसारण की त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। आकाशवाणी के केंद्र, देश के लगभग सभी जनों तक समाचार, संगीत और उच्चरित शब्द के कार्यक्रम पहुंचाते हैं। खासकर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक इसकी व्यापक पहुंच इसे वरीयता प्रदान करती है और कभी–कभी तो यह सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होती है।

मुख्यतः मीडियम वेव और शॉर्ट वेव पर राष्ट्रीय सेवा पहला स्तर है। क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय केंद्र क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में क्षेत्र–विशेष कार्यक्रम के साथ द्वितीय स्तर का प्रसारण मुहैया कराते हैं। लोगों और युवा–वर्ग की आवश्यकताओं को एफ एम चैनल पूरा करते हैं। मुख्यतः एफ एम पर विविध भारती सेवा पूरे देश में 43 स्थानों पर उपलब्ध है। छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रूचियों के लिए एफ एम ताने–बाने 92 केंद्र स्थानीय रेडियो केन्द्र हैं, जो प्रसारण के तीसरे चरण होते हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में आकाशवाणी ने स्थानीय जनजातीय लोगों की आवाज के तौर पर पांच स्थानों पर सामुदायिक रेडियो सेवा की स्थापना भी की है।

ख. संगठनात्मक ढांचा

आकाशवाणी के प्रमुख महानिदेशक होते हैं, जिनकी सहायता के लिए अपर महानिदेशक कार्यक्रम, प्रशासन, वित्त तथा प्रमुख अभियंता होते हैं। समाचार स्कंध का नेतृत्व महानिदेशक (समाचार) करते हैं।

महानिदेशक, आकाशवाणी नीति निर्माण, योजना एवं विकास, अवसंरचना एवं प्रौद्योगिकी स्तरोन्नयन, बजट संबंधी योजना एवं नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन के लिए उत्तरदायी हैं तथा प्रचालन एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियों आदि की निगरानी करते हैं।

पूर्व में आकाशवाणी के कार्यक्रम स्कंध को 11 कार्यक्रम क्षेत्रों – दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र– I एवं II), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र–I एवं II), बंगलूरू (दक्षिणी क्षेत्र–I एवं II), लखनऊ (मध्य क्षेत्र–I), भोपाल (मध्य क्षेत्र–II), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र–I एवं II) और गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र) में; तथा अभियांत्रिकी को परियोजना एवं अनुरक्षण संबंधी अभियांत्रिकी गतिविधियों के लिए दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र), गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र) और चेन्नै (दक्षिणी क्षेत्र) सहित पांच जोनों में विभाजित किया गया था।

इन जोनों को अब भौगोलिक आधार पर उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली में), दक्षिणी क्षेत्र (चेन्नई में), पूर्वी क्षेत्र (कोलकाता में),

पश्चिम क्षेत्र (मुंबई में) तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र (गुवाहाटी में) के रूप में पुनर्गठित किया गया है। इसके अतिरिक्त, दूरदर्शन और आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनलों के पर्यवेक्षण हेतु एक राष्ट्रीय क्षेत्र (नेशनल जोन) का भी सृजन किया गया है। इनमें से प्रत्येक जोन में अपर महानिदेशक स्तर के अधिकारी क्षेत्रीय प्रमुख (कान्टेंट ऑपरेशन), क्षेत्रीय प्रमुख (ब्रॉडकास्ट ऑपरेशन) और क्षेत्रीय प्रमुख (प्रशासन) के रूप में तैनात किए जाते हैं।

ग. आकाशवाणी की सेवाएं और चैनलः

i. क्षेत्रीय चैनलः

आकाशवाणी के क्षेत्रीय (प्राथमिक)चैनल राज्यों की राजधानियों और प्रत्येक राज्य के प्रमुख भाषायी–सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे 133 चैनल देश के 28 राज्यों और 8 संघ शासित प्रदेशों में फैले हैं। क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से क्षेत्र की भाषाओं और बोलियों में सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। इनका प्रसारण मुख्यतः मीडियम वेव पर होता है, जिनमें से कई एफ एम समर्थित होते हैं और इनका सीधा प्रसारण भी किया जाता है। भारतीय शास्त्रीय संगीत पर जोर देते हुए ये कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। कुल प्रसारण में से लगभग 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत आधारित होता है, जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम, लोक, फिल्म संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय का 20 से 30 प्रतिशत समाचार और समसामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। उच्चरित शब्द के अन्य कार्यक्रमों में रेडियो नाटक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम शामिल हैं।

ii. स्थानीय रेडियो केंद्र (एल आर एस):

वर्तमान में 92 स्थानीय रेडियो केन्द्र हैं जो पूरे देश में फैले हैं। उपयोगी सेवाएं मुहैया कराने तथा समुदाय तक पहुंच बनाते हुए ये केंद्र स्थानीय जनता की जरूरतों को पूरा करते हैं। जमीन से जुड़ने का दृष्टिकोण स्थानीय रेडियो को क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम क्षेत्र विशिष्ट होते हैं। ये इतने सरल एवं सहज होते हैं जिसके कारण ये केंद्र स्थानीय समुदाय की आवाज़ बन जाते हैं।

इनकी विषय–वस्तु में लगभग 60 प्रतिशत स्थानीय और 40 प्रतिशत रिले (क्षेत्रीय केंद्रों से समाचार और अन्य रिले सहित) शामिल होता है।

iii. सामुदायिक रेडियो केंद्र (सी आर एस):

पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय जनजातीय लोगों के लिए 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्र स्थापित किए गए थेः–

1.	मोन	1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलोहर्ट्ज़
2.	तेंगसेंग	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्ट्ज़
3.	नांगस्टाइन	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलोहर्ट्ज़
4.	विलियमनगर	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्ट्ज़
5.	सेहा	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्ट्ज़

iv.एफ एम रेनबोः

आकाशवाणी के एफ एम रेनबो चैनल का प्रारंभ उस समय हुआ था जब विशेष कर बड़े शहरों में रेडियो का सुनना कम हो रहा था। एफ एम रेडियो ने शोर मुक्त उच्च कोटि का संगीत प्रसारण सुनिश्चित कर इस आवश्यक कमी को पूरा किया है। श्रोताओं की बदलती रूचियों के अनुरूप एफ एम चैनल पर 24x7 प्रसारण के साथ अनौपचारिक प्रस्तुति ने युवाओं की नब्ज़ को पकड़ा। रेडियो को पुराना गौरव एक बार फिर हासिल हुआ।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास पूरे देश में 507 एफ एम ट्रांसमीटर हैं जिससे वह देश में 56 प्रतिशत क्षेत्र और 66 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। एफ एम रेनबो चैनल 25 स्थानों– दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बंगलुरू, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कानपुर, कोच्ची, पुदुचेरी, शिलांग, चंडीगढ़, कटक, कोडईकनाल, तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटूर, हैदराबाद, विशाखापट्टनम, रायबरेली, मुदरै, तिरूनलवेल्ली, विजयवाड़ा, पटना और रांची में उपलब्ध है। ए आई आर एफ एम रेनबो 04 महानगरों में 24x7 उपलब्ध है। दिल्ली रेनबो, मसूरी, अलीगढ़ से पूर्ण रूप से और धर्मशाला एवं भटिंडा से आंशिक रूप से रिले किया जाता है। एफ एम के ताने–बाने में पॉप संगीत, फिल्म संगीत, शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार आदि सम्मिलित हैं।

v. एफ एम गोल्डः

एफ एम गोल्ड चैनल 1 सितंबर,2001 से दिल्ली में उत्कृष्ट सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ, जिसमें 50 प्रतिशत समाचार एवं समसामयिक विषयों के कार्यक्रम और 50 प्रतिशत मनोरंजन कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफ एम गोल्ड चार महानगरों अर्थात दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में चौबीसों घंटे उपलब्ध है। यह चैनल यातायात, विमान–सेवाओं, रेल, मौसम आदि की अद्यतन सूचना उपलब्ध करवाता है।

vi. डायरेक्ट टू होम (डी टी एच) सेवाः

डी टी एच रेडियो चौबीसों घंटे की उपग्रह सेवा है जो प्रसार भारती के डी टी एच प्लेटफार्म के माध्यम से उपलब्ध है जिसकी अपलिंकिंग की सुविधा टोडापुर, दिल्ली में है। यह पूरे देश के साथ–साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करता है। डी टी एच सेवा पूरे देश में विभिन्न भाषाओं के चैनलों को उपलब्ध करवाती है। इसकी डिजिटल क्वालिटी कर्णप्रिय अनुभव का एहसास कराती है। इस वर्ष जो नए चैनल जोड़े गए हैं वे हैं– लेह (लद्दाख), पणजी, पुदुचेरी, पोर्ट ब्लेयर और गंगटोक।

vii. विविध भारतीः

विविध भारती सेवा पूरे देश के विभिन्न रेडियो केंद्रों से रिले हेतु सेटेलाइट प्रसारण के माध्यम से उपलब्ध चौबीसों घंटे वाली सेवा है। विविध भारती का निर्माण एवं अपलिंकिंग संबंधी कार्य मुंबई से किया जाता है। दिल्ली से तैयार एक नया कार्यक्रम 'गोल्डन आवर्स' प्रतिदिन रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक के रात्रि कालीन प्रसारण हेतु आरंभ किया गया है। यह सेवा मुख्य रूप से पूरे देश में स्थित 43 विज्ञापन प्रसारण सेवा–विविध भारती केंद्रों (17 घंटे) तथा 65 स्थानीय रेडियो केन्द्रों और 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटरों से रिले की जाती है।

viii. सीधा प्रसारणः

ए आई आर लाइव न्यूज़ 24x7, एफएम रेनबो, एफएम गोल्ड, विविध भारती सेवा, शास्त्रीय संगीत चैनल रागम आदि सहित लगभग 272 आकाशवाणी चैनल इंटरनेट के माध्यम से प्रसार भारती की वेबसाइट 'prasarbharati.gov.in' पर तथा साथ ही साथ आई ओ एस और एंड्रोएड आधारित मोबाइल फोनों पर ''newsonair'' ऐप के जरिए भी सुने जा सकते हैं।

ix. विदेश प्रसारण सेवाः

आकाशवाणी के विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग की पहुंच और कार्य क्षेत्र, दोनों की दृष्टि से विश्व के बाह्य रेडियो नेटवर्कों के बीच काफी उच्च स्थान प्राप्त है। विभिन्न विदेशी भाषाओं में विदेश प्रसारण सेवा शॉर्ट वेव,'न्यूज़ ऑन एयर' ऐप और डी डी फ्री डिश के जरिए लगभग 150 देशों तक पहुंच रही है। आकाशवाणी जिन भाषाओं में अपनी विदेशी श्रोताओं तक पहुंचती है, वे हैं, अरबी, बलूची, बर्मी, चीनी, दरी, फ्रेंच, इंडोनेशियाई, फारसी, पुश्तो, रूसी, सिंहला, स्वाहिली, थाई और तिब्बती। इसके अतिरिक्त भारतीय भाषा सेवा बांग्ला (मैत्री), नेपाली, पंजाबी, सिंधी, सरायकी और उर्दू में विषय–वस्तु के जरिए पड़ोसी देशों तथा भारतीय मूल के लोगों तक पहुंच बनायी गई है।

घ. वर्ष के दौरान नई पहलें:

i. अभियांत्रिकी:

आकाशवाणी विश्व के सर्वाधिक बड़े प्रसारण नेटवर्कों में से एक है। स्वतंत्रता के समय 6 रेडियो केंद्र और 18 ट्रांसमीटर (6 मीडियम वेव और 12 शार्ट वेव) हुआ करते थे, जो देश की 11 प्रतिशत जनसंख्या और 2.5 प्रतिशत भूभाग को कवर करते थे।

31 मार्च, 2021 तक आकाशवाणी का नेटवर्क बढ़कर 485 केंद्रों तक हो गया है। ट्रांसमीटरों की संख्या 647 (128 मीडियम वेव, 12 शॉर्ट वेव और 507 एफ एम) हैं, जो देश की 99.20 प्रतिशत जनसंख्या और 92.00 प्रतिशत भूभाग को कवर कर रहा है। इनमें लगभग 8 से 10 किलोमीटर के दायरे में स्थानीय कवरेज प्रदान कर रहे 232 की संख्या में 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर शामिल हैं।

वर्ष के दौरान नई पहलें निम्नानुसार रहीं:

क.	10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर	: 3
ख.	एफ एम ट्रांसमीटर सक्रिय किए गए	: 4 स्थान
ग.	डी टी एच चैनलों का संवर्धन	: 4
घ.	सीधे प्रसारण के लिए आकाशवाणी चैनलों का संवर्धन	: 23
ङ.	79 स्थानों पर स्टूडियो का डिजिटलीकरण	

वर्ष के दौरान बंद किए गए ट्रांसमीटर:

1.	अलीगढ़ (ए–6) (उत्तर प्रदेश)	: 250 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
2.	बंगलूरू (बी एल–6) (कर्नाटक)	: 500 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
3.	तिरूवन्तपुरम (केरल)	: 50 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
4.	भोपाल (मध्य प्रदेश)	: 50 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
5.	जयपुर (राजस्थान)	: 50 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
6.	चेन्नई (तमिलनाडु)	: 50 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
7.	हैदराबाद (तेलंगाना)	: 50 किलोवाट शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर
8.	जालंधर (पंजाब)	: 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर
9.	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)	: 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर

ii. कार्यक्रम:

1. अगस्त, 2019 से प्रधानमंत्री जी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 14 भाषाओं में अनुवाद और प्रसारण किया जा रहा है। इसे विदेश प्रसारण प्रभाग के यू–ट्यूब चैनलों पर अपलोड किया जाता है। 'मन की बात' स्पेनिश, जर्मन और जापानी में आकाशवाणी के यू–ट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध है।
2. लॉकडाउन अवधि के दौरान विदेश प्रसारण सेवा ने कोविड–19 महामारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आकाशवाणी के यू–ट्यूब चैनल पर दैनिक आधे घंटे की अवधि के लिए उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी में प्रत्येक से दो प्रसारण शामिल करते हुए छः प्रसारण आरंभ किए।
3. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

4. अपनी पंहुच बढ़ाने के लिए ए आई आर स्पोर्ट्स ने प्रसार भारती के स्पोर्ट्स यू–ट्यूब चैनल पर खेलकूद संबंधी प्रसारण आरंभ किए जिसे विशेषकर क्रिकेट कॉमेंट्री के लिए दर्शकों और श्रोताओं से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।
5. संगीत स्वर परीक्षण और प्रतियोगिताओं में पूर्णतः पारदर्शिता बनाए रखने हेतु 03 म्यूज़िक ऐप का परीक्षण किया गया। ये हैं– ऑनलाइन म्यूज़िक ग्रेडेशन सिस्टम, ऑनलाइन ऑडिशन लिसनिंग सिस्टम (सी ए बी) और आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता।
6. मास्क पहनने, सामाजिक दूरी तथा हाथ एवं मुंह की स्वच्छता बनाए रखने जैसे तीन महत्वपूर्ण संदेशों पर विशेष ध्यान देते हुए 7 अक्तूबर, 2020 से आरंभ राष्ट्रव्यापी कोरोना सामाजिक व्यवहार अभियान को व्यापक कवरेज दी गई तथा इसका प्रचार–प्रसार किया गया।
7. ''आकाशवाणी लोक संपदा संरक्षण महापरियोजना'' के अंतर्गत यू–ट्यूब चैनल पर मार्च, 2021 तक विभिन्न भाषाओं और बोलियों में 1473 से अधिक लोक गीतों की श्रव्य दृश्य रिकार्डिंग अपलोड की जा चुकी है।

iii. समाचार सेवाः

1. कोरोना जागरूकता श्रृंखलाः
- कोविड–19 महामारी के फैलने तथा संबंधित आयामों के बारे में जागरूकता के लिए अग्रणी चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ दैनिक लाइव फोन–इन की 400 से ज्यादा कड़ियां।
- कोविड–19 अवधि के दौरान प्रवासी कामगारों और नागरिकों के लिए रेलवे द्वारा की गई व्यवस्था।
- कोविड–19 जन आंदोलन और राष्ट्रीय कोविड–19 टीकाकरण अभियान।

2. **इंडिया– 74@74** : स्वतंत्रता के 74वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में 74 कहानियों सहित 'आत्मनिर्भर भारत' पर विशेष श्रृंखला।
3. **वर्ष समाप्ति श्रृंखलाः** प्रमुख बुलेटिनों में भारतसरकार के मंत्रालयों के कार्यक्रमों/पहलों के विश्लेषण पर आधारित नई श्रृंखला।
4. **विश्व समाचारः** वैश्विक मामलों पर आधारित 10 मिनट की अवधि का अंग्रेजी में अंतर्राष्ट्रीय समाचार।
5. **भारत–संयुक्त राष्ट्र सहभागिता@75 वर्ष पर विशेष श्रृंखलाः** भारत–संयुक्त राष्ट्र सहभागिता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य पर भारत में संयुक्त राष्ट्र संगठनों के प्रमुखों के साथ साक्षात्कारों की श्रृंखला का प्रसारण।
6. **विशेष कार्यक्रमः** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के योगदान, राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल की भूमिका, भारत–बांग्लादेश राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जन्म वर्षगांठ, महात्मा गांधी की जन्म वर्षगांठ के संबंध में।
7. **पूर्वोत्तर डायरीः** 30 मिनट की अवधि का विशेष साप्ताहिक लाइव न्यूज़ मैगज़ीन कार्यक्रम। इसमें आठ पूर्वोत्तर राज्यों में विकास एवं विस्तार के आयाम, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर एवं परम्परा पर विशेष बल दिया गया।
8. **संस्कृत साप्ताहिकीः** 10 जुलाई से एफ एम न्यूज़ चैनल (100.1 मेगाहर्ट्ज़) पर शनिवार को सुबह 7.10 बजे साप्ताहिक न्यूज़ मैगज़ीन संस्कृत साप्ताहिकी का प्रसारण, जिसका पुनः प्रसारण उसी समय पर रविवार को किया गया।
9. संकेन्द्रित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान।
10. डॉ. बी आर अम्बेडकर को समर्पित समाचार भारती का विशेष संस्करण।

ङ. कार्यक्रम संबंधी गतिविधियांः

महत्वपूर्ण कवरेज, प्रसारण और रेडियो रिपोर्टों (1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च, 2021) के ब्योरे अनुलग्नक–IX में दिए गए हैं। कार्यक्रम संबंधी अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां निम्नलिखित हैं:–

i. उच्चरित शब्दः

आकाशवाणी ने अपने 400 से अधिक केंद्रों वाले नेटवर्क पर सरकार द्वारा आरंभ किए गए विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाओं को कवर किया।

I. भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस तथा ध्वजारोहण समारोह के अवसर पर दिनांक 15.08.2020 को लालकिले की प्राचीर से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया।

II. प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को समूचे आकाशवाणी नेटवर्क पर माननीय प्रधानमंत्री की 'मन की बात' का प्रसारण किया गया।

III. 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'स्वच्छ भारत अभियान' ऐसे दो प्रमुख अभियान हैं, जिनका व्यापक प्रचार–प्रसार सभी आकाशवाणी केंद्र कर रहे हैं। इस संबंध में की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्टें नियमित रूप से मंत्रालय को भेजी जा रही हैं।

IV. 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' का न्यू नॉर्मल में व्यापक प्रचार किया गया।

V. 02 अक्तूबर, 2020 को गांधी जयंती के मौके पर विशेष कार्यक्रमों के साथ वर्ष भर चलने वाले महात्मा गांधी की 150वीं जन्म वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केंद्रों द्वारा विशेष कार्यक्रम और कवरेज।

VI. आकाशवाणी नेटवर्क के माध्यम से एक्शन ऑफ इंडिया 75 की तैयारियों के बारे में प्रचार किया गया।

VII. आकाशवाणी ने 26 नवंबर, 2019 को 'संविधान दिवस' के साथ आरंभ करते हुए विभिन्न प्रारूपों में प्रसारण के माध्यम से वर्ष भर चलने वाले अभियान की शुरूआत की, जिससे नागरिकों के कर्तव्यों संबंधी अभियान सहित भारतीय संविधान के विभिन्न पहलुओं पर आम जागरूकता पैदा की जा सके।

VIII. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया। मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के नए नाम शिक्षा मंत्रालय के बारे में भी व्यापक प्रचार किया गया।

IX. आकाशवाणी ने 'गरीब कल्याण रोजगार अभियान' नामक ग्रामीण सार्वजनिक कार्य अभियान सहित माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ की गई 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना'का प्रचार किया।

X. लॉकडाउन के प्रभाव को कम करने तथा अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाने के लिए सरकार द्वारा घोषित आर्थिक पैकेज का प्रचार किया गया।

XI. कोविड–19 संबंधी समुचित व्यवहार के बारे में संकेन्द्रीत अभियान और नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए।

XII. 7 अगस्त, 2020 को स्वदेशी आंदोलन जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस तथा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सफलताओं से जुड़ी कहानियों का भी प्रचार किया गया।

XIII. देश के अलग–अलग भागों में रह रहे पूर्वोत्तर के लोगों की चिंताओं के समाधान से जुड़ी एम पी बेजबरूआ समिति की सिफारिशों का भी व्यापक प्रचार किया गया।

XIV. साइबर सुरक्षा के महत्तव के बारे में जागरूकता फैलाने, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को शिक्षित करने तथा राष्ट्र की साइबर प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने के बारे में अक्तूबर माह को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा माह का दर्जा दिया गया है। इस संबंध में आकाशवाणी ने साइबर सुरक्षा और संबंधित मुद्दों पर आम जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

XV. 31 अक्तूबर, 2020 को भारत सरकार के माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान 2020 दिया। इसका प्रसारण आकाशवाणी के नेटवर्क पर किया गया।

XVI. आकाशवाणी के नेटवर्क पर 3 दिसंबर, 2020 को माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा दिए गए डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान 2020 का प्रसारण किया गया।

XVII. 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस','करगिल विजय दिवस','सशस्त्र सेना झंडा दिवस','राष्ट्रीय एकता दिवस','मातृभाषा दिवस','राष्ट्रीय मतदान दिवस' आदि जैसे विभिन्न दिवसों/सप्ताहों के दौरान विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों/समारोहों/क्रियाकलापों का प्रचार किया गया।

डॉक्टर एस. जयशंकर, माननीय विदेश मंत्री सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान देते हुए।

श्री प्रकाश जावडेकर, माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान देते हुए।

XVIII. राष्ट्रीय हुकअप पर 4 मार्च को हिंदी रूपक कार्यक्रम 'संस्कृतमेव संस्कृति' (संस्कृत है तो संस्कृति है) का प्रसारण किया गया।

ii. आकाशवाणी लोक संपदा संरक्षण महापरियोजना:

इस परियोजना का उद्देश्य हिंदी और अंग्रेजी अनुवाद सहित मूल रिकार्डिंग के साथ सभी प्रकार के पारम्परिक लोक गीतों को संरक्षित करना है। इसमें 'संस्कार गीत' तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं और बोलियों में अन्य प्रकार के पारम्परिक लोक गीत शामिल हैं। ये लोक गीत वैसे लोक गीत हैं, जो पूरे देश की विभिन्न धर्मों और मतों से जुड़ी लगभग 6000 जातियों, उप–जातियों और जनजातीय समुदाय द्वारा गाए गए हैं।

अब तक आकाशवाणी केंद्रों द्वारा 170भाषाओं/बोलियों में लगभग 270 से अधिक जिलों से लगभग 30000 गीत रिकार्ड किए गए हैं। प्रसार भारती अभिलेखागार में लगभग 25,000 गीतों का डिजिटलीकरण किया गया है। इस वर्ष इस प्रकार की रिकार्डिंग 50 से अधिक जिलों में की गईं। अब तक प्राप्त सभी गीतों को डाटाबेस में क्षेत्रवार (जिला, तहसील, गांव, धर्म, जाति, उप–जाति, जनजाति तथा भाषा/बोली) के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

इन गीतों के प्रकाशन हेतु आकाशवाणी एवं साहित्य अकादमी के साथ–साथ नेशनल बुक ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 'आकाशवाणी साहित्य संपदा' शीर्षक से नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा 04 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।

रेडियो आत्मकथा का प्रकाशन

पिछले विश्व पुस्तक मेले में प्रसार भारती के सदस्य वित्त द्वारा जाने–माने सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी' की प्रकाशित रेडियो आत्मकथा जारी की गई।

यूट्यूब चैनल:–

प्रसार भारती ने एक यूट्यूब चैनल आरंभ किया है ताकि ये गीत आम जनता को भी उपलब्ध हो सकें। मार्च 2021 तक इस पर विभिन्न भाषाओं और बोलियों में 1473 से ज्यादा लोकगीत वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं।

iii. कार्यक्रम योजना एवं विकास एकक:

आकाशवाणी द्वारा उपलब्ध करायी जा रहीं विभिन्न सेवाओं को मोटे तौर पर (i) विश्व सेवा (ii) पड़ोसी देश सेवा, (iii) राष्ट्रीय सेवा, (iv) क्षेत्रीय लोक सेवा और (v) भाषा विशिष्ट मनोरंजन सेवा के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। ये सभी सेवाएं डी टी एच पर उपलब्ध करायी गई हैं तथा इनका सीधा प्रसारण किया जाता है ताकि ये पूरे विश्व में अधिक से अधिक श्रोताओं तक पहुंच सकें।

विषयवस्तु संबंधी रणनीति:

संदर्भाधीन अवधि में अधिकांश समय तक आकाशवाणी केंद्र महामारी से जूझते रहे। बडी संख्या में स्टाफ के संक्रमित होने के कारण सेवाओं को जारी रखना एक चुनौती थी। इस बारे में विषयवस्तु संबंधी रणनीति इस प्रकार तैयार की गई ताकि श्रोताओं को कोविड संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों, नवीनतम जानकारी के माध्यम से सहायता मिल सके तथा कार्यक्रमों की समुचित रूपरेखा द्वारा श्रोताओं की सोच सकारात्मक बनी रहे।

लोक सेवा की अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए आकाशवाणी ने विशेषकर उन ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों, जहां नेट या मोबाइल सुविधा अनुपलब्ध थी, में छात्रों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए विभिन्न पहलें आरंभ कीं। इन विशेष शैक्षणिक कार्यक्रमों से महामारी के समय छात्रों को जबरदस्त लाभ पहुंचा।

iv. कृषि एवं गृह प्रसारणः

कृषि एवं गृह कार्यक्रमों का प्रसारण आकाशवाणी के सभी राजधानी और क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा किया जाता है। इन कार्यक्रमों का निर्माण कृषि उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए नवीनतम सूचना एवं प्रौद्योगिकी का समावेश करते हुए कृषि समुदाय की रोजमर्रा की मौसमी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया गया है। इन कार्यक्रमों का लक्ष्य कृषि उत्पादों तथा देश के कृषक समुदाय की आर्थिक समृद्धि को बेहतर बनाना है। किसानों, ग्रामीण समुदाय, महिलाओं, बच्चों और युवाओं की जरूरतों से जुड़े इन कार्यक्रमों का प्रसारण प्रतिदिन प्रातः, दोपहर तथा सायं किया जाता है, जिनकी अवधि औसतन 60 से 100 मिनट प्रतिदिन होती है।

केंद्रों के कृषि एवं गृह एकक,ग्रामीण विकास, मूल कृषि और पशुपालन, मुर्गी पालन तथा डेयरी उत्पादन, मत्स्य पालन, वानिकी, पर्यावरण संरक्षण तथा खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण, सूखी और बंजर भूमि पर कृषि जैसी सहायक कृषि गतिविधियों तथा रोजगार योजना, ऋण, बीमा, स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी साफ–सफाई और पोषण आदि के बारे समेकित कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं।

आकाशवाणी ने कृषि सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से फरवरी, 2004 से कृषि हेतु जनसंचार सहायता पर एक कार्यक्रम 'किसानवाणी' की विशिष्ट परियोजना की शुरूआत से अपने कृषि प्रसारण का विस्तार किया है ताकि स्थानीय किसानों को दैनिक बाजार कीमतों, मौसम रिपोर्टों तथा सूक्ष्म स्तर पर उनके संबंधित क्षेत्रों में दिन प्रतिदिन की जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इस समय देश के 96 निर्धारित आकाशवाणी केन्द्रों से किसानवाणी का प्रसारण किया जा रहा है। नैरोकास्टिंग मोड में ये कार्यक्रम अधिकतर बातचीत आधारित होते हैं जिसमें फील्ड आधारित रिकार्डिंग तथा विशेषज्ञों और कृषि समुदाय के साथ स्टूडियो डायल आउट तथा डायल इन शामिल होते हैं। सितंबर, 2018 से किसानवाणी की तर्ज पर एक नया कृषि कार्यक्रम ''किसान की बात'' कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आरंभ किया गया है और यह आकाशवाणी दिल्ली के एफ एम गोल्ड चैनल से प्रसारित हो रहा है।

संदर्भाधीन अवधि के दौरान केंद्रों द्वारा निम्नलिखित प्रचार/महत्वपूर्ण कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी गईः–

क. आलू में पछेती झुलसा रोग (लेट ब्लाइट) संबंधी निवारक उपायों का प्रचारः

किसानवाणी कार्यक्रम का प्रसारण कर रहे तथा आलू उत्पादन क्षेत्रों के निकट विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आस–पास स्थित आकाशवाणी केंद्रों ने खड़ी फसलों में पछेती झुलसा आलू रोग के निवारण हेतु अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान से प्राप्त सलाह के बारे में कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

ख. माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री किसान योजना से निधियां जारी करने का सीधा प्रसारणः

पूरे देश के किसानों के लाभार्थ 'प्रधानमंत्री किसान योजना' को आरंभ करने संबंधी समारोह में माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन और कार्यवाहियां, जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थीं, को राष्ट्रीय नेटवर्क पर कवर किया गया। केंद्रों द्वारा पैनल परिचर्चा, लाभार्थी किसानों के साक्षात्कार प्रसारित किए गए।

ग. राष्ट्रीय किसान दिवस 2020 का प्रचारः

कृषि एवं गृह, 'किसान वाणी' और 'किसान की बात' कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे सभी आकाशवाणी केंद्रों ने 23.12.2020 को राष्ट्रीय किसान दिवस का प्रचार किया। इसमें प्रगतिशील किसानों, कृषि उद्यमियों, महिला किसानों के साक्षात्कार लिए गए तथा उनकी सफलता से जुड़ी बातें श्रोताओं के साथ साझा की गईं।

घ. रेडिया किसान दिवस 2021ः

किसान वाणी कार्यक्रम का प्रसारण कर रहे आकाशवाणी केंद्रों ने 'रेडियो किसान दिवस–2021' का आयोजन किया। इस मौके पर वरिष्ठ कृषि पदाधिकारियों और विशेषज्ञों, राज्य प्रशासन से जुड़े पदाधिकारी शामिल हुए तथा सफल महिला किसानों सहित अनेक प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

आकाशवाणी अनंतपुर में रेडियो किसान दिवस के अवसर पर महिला किसानों का सम्मान।

ङ. 24.02.2021 को प्रधानमंत्री किसान योजना के दो वर्ष:

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम का व्यापक प्रचार किया गया। इस कार्यक्रम को अन्य लोगों के साथ–साथ माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री, प्रधानमंत्री किसान योजना के विशेष कार्यकारी अधिकारी, श्री विवेक अग्रवाल ने संबोधित किया, जिसे आकाशवाणी दिल्ली के एफ एम गोल्ड चैनल द्वारा 'किसान की बात' कार्यक्रम में तथा सभी किसानवाणी केंद्रों द्वारा कवर किया गया।

च. दस हजार किसान उत्पादक संगठनों (एफ पी ओ) के संवर्धन की प्रथम वर्षगांठः

दस हजार एफ पी ओ के आरंभ होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम को आकाशवाणी दिल्ली के एफ एम गोल्ड चैनल ने 'किसान की बात' कार्यक्रम में कवर किया।

आकाशवाणी चित्रदुर्ग में प्रगतिशील किसानों के साथ विशेष फ़ोन–इन कार्यक्रम

आकाशवाणी अनंतपुर में रेडियो किसान दिवस पर प्रगतिशील किसानों का संबोधन

V. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण:

क. महिलाओं के लिए कार्यक्रम:

आकाशवाणी के महिला कार्यक्रमों में महिलाओं का सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आहार एवं पोषण, वैज्ञानिक गृह प्रबंधन, महिला उद्यमिता,शिक्षा सहित प्रौढ़ शिक्षा,महिला सशक्तीकरण, जेंडर आदि से संबंधित विषय शामिल होते हैं।

आकाशवाणी बालिकाओं के कल्याण के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों को प्रसारित करता है। कार्यक्रमों का उद्देश्य बालिका भ्रूण हत्या, महिला–पुरूष आधारित भेद–भाव संबंधी मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता, महिलाओं के अधिकारों तथा विशेषाधिकारों के बारे में सामाजिक जागरूकता फैलाना है। ग्रामीण श्रोताओं के साथ जुड़ने के लिए पारंपरिक लोक तरीकों का भी प्रयोग किया गया। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान वर्ष 2020–21 में भी जारी रहा।

महिलाओं की विशिष्ट सेवाओं की मान्यता स्वरूप प्रत्येक वर्ष महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस संबंध में 8 मार्च 2021 अर्थात अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिए जाने वाले नारी शक्ति पुरस्कार 2020 के लिए आवेदनों के आमंत्रण के बारे में प्रचार किया गया।

आकाशवाणी द्वारा प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का व्यापक प्रचार किया जाता है। इस वर्ष भी केंद्रों ने समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं की उपलब्धियों को विशेष रूप से उजागर किया।

भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ नामक रिट याचिका (सी) संख्या 400/2012 में दिनांक 15.04.2014 के निर्णय के तहत ट्रांसजेडर सहित लैंगिक विषयों पर दिए गए निदेशों को कवर किया गया ताकि आम जनता में जागरूकता पैदा की जा सके।

आकाशवाणी केंद्रों को नियमित रूप से सलाह दी गई है कि वे मीडिया में महिलाओं के अभद्र चित्रण से संबंधित कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशा–निर्देशों का समुचित प्रचार–प्रसार करें और महिलाओं के बारे में सकारात्मक चित्रण के जरिए लोगों को जानकारी प्रदान करें। इन कार्यक्रमों में महिलाओं के अभद्र चित्रण के बारे में मौजूदा कानूनों और विनियमन के तहत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों और उपचार की जानकारी भी प्रसारित की गई।

केंद्रों ने महिलाओं के प्रति यौन अपराधों से संबंधित कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशा–निर्देशों का समुचित प्रचार–प्रसार किया और विधिक प्रावधानों एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार ऐसे उपबंधों के उल्लंघन

के लिए निर्धारित दण्ड के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

'राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन', जिसमें महिला और बालिकाओं से संबंधित विविध मुद्दे शामिल हैं, से संबंधित अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने और उसके प्रचार हेतु अनुदेश जारी किए गए।

कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई कि वे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से प्राप्त सिफारिशों के अनुरूप महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें।

ख. स्वास्थ्य कार्यक्रमः

स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आकाशवाणी के नियमित प्रसारणों का हिस्सा होते हैं। संबंधित क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं, मौसमी बीमारियों के फैलाने की आशंकाओं के आधार पर तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और आकाशवाणी महानिदेशालय के अनुदेशों/सलाह के अनुसार इनकी रूपरेखा तैयार की जाती है तथा इनका प्रसारण किया जाता है। स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रमों की विषयवस्तु में रोग, कारण और निवारण, उपलब्ध उपचार, टीकाकरण, विभिन्न रोगों के उपचार के लिए सरकारी सुविधाओं, स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी शामिल होती है।

कोरोना वायरस के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता फैलायी गई तथा इस बारे में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी सलाह का प्रचार किया गया। मास्क पहनने, सामाजिक दूरी तथा हाथ एवं मुंह की स्वच्छता बनाए रखने जैसे तीन महत्वपूर्ण संदेशों पर विशेष ध्यान देते हुए 7 अक्तूबर, 2020 से आरंभ राष्ट्रव्यापी कोरोना सामाजिक व्यवहार अभियान का व्यापक प्रचार किया गया।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की देखरेख कर रहे कार्यक्रम जानकारों को कोरोना वायरस रोधी टीके की जानकारी दी गई। चिकित्सा विशेषज्ञों से वार्ता से टीके को लेकर आशंका और हिचकिचाहट को दूर करने में मदद मिली। चुनिंदा राजधानी केंद्रों के कार्यक्रम कार्मिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वाधान में यूनिसेफ द्वारा आयोजित 15 मार्च, 2021 को कोविड–19 टीकाकरण अभियान संबंधी रेडियो कार्यशाला में शामिल हुए।

भारत सरकार ने 23 सितंबर, 2018 से सरकार द्वारा वित्त पोषित सबसे बड़े स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम 'आयुष्मान भारत कार्यक्रम' की शुभारंभ की है। आकाशवाणी केंद्रों को सलाह दी गई कि वे इस महती योजना आयुष्मान भारत का व्यापक प्रचार करने हेतु विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों का प्रसारण करें।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित फिट इंडिया अभियान आम जनता के प्रयोजनार्थ अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य को देश के सभी नागरिकों की जीवन–शैली का आधार बनाना है। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई की वे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर मीडिया घरानों के साथ मिलकर एक संयुक्त कार्य–योजना तैयार करें ताकि फिट इंडिया अभियान का अधिकाधिक प्रभाव पड़े। सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का व्यापक प्रचार किया गया।

युवा कार्य और खेल मंत्रालय के तत्वाधान में फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत विभिन्न आयु–वर्गों के लिए तैयार किए गए स्वास्थ्य संबंधी प्रोटोकॉलों का व्यापक प्रचार किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020 के अवसर पर लोगों को महामारी के दौरान घर पर योग करने की सलाह दी गई।

आकाशवाणी, यूनिसेफ के साथ पोषण पर संदेश प्रसारित करती है और सितंबर में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण संबंधित विषयों पर कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

सामान्य और विशेष श्रोता कार्यक्रमों में महिलाओं एवं बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'पोषण अभियान' के अंतर्गत 16 से 31 मार्च, 2021 तक 'पोषण पखवाड़ा' का आयोजन किया। इस विषय पर जागरूकता फैलाने में आकाशवाणी के केंद्रों ने सहायता प्रदान की।

ई–सिगरेट, हीट–नॉट–बर्न प्रणाली, वेप, ई–शीशा, ई–निकोटीन फ्लेवर्ड हुक्का और ऐसे उत्पादों सहित इलेक्ट्रॉनिक

निकोटीन डिलीवरी सिस्टम पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी सलाह का भी व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम के बारे में जागरूकता पैदा की गई और अवसाद से गुजर रहे व्यक्तियों की विशेष जरूरतों के प्रति लोगों को जानकारी देने के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

पोलियो उन्मूलन संबंधी भारतीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह की सिफारिशों के अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस अथवा पोलिया रविवार पर 31 जनवरी 2021 को राष्ट्रव्यापी पोलिया टीकाकरण अभियान का आयोजन किया। केंद्रों ने इस राष्ट्रव्यापी पोलिया टीकाकरण अभियान को कवर किया तथा साक्षात्कार, डायल–इन, डायल–आउट कार्यक्रमों और लघु रूपकों का आयोजन किया।

शामिल अन्य विषयों में विवाह की सही उम्र, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों के बीच अंतराल, मातृत्व देखभाल, बाल जीवन रक्षण,पति–पत्नी के बीच बेहतर संवाद,बेटे के प्रति चाह,जिसके कारण प्रतिकूल बाल लिंग अनुपात का निर्माण होता है, को समाप्त करने, गर्भ की चिकित्सकीय समाप्ति, प्रजनन नली संबंधी संक्रमण तथा यौन जनित बीमारियों का प्रबंधन, प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीक (विनियम एवं दुरूपयोग निवारण) अधिनियम 1994, स्तनपान, तपेदिक, कुष्ठ, मधुमेह तथा प्रजनन बाल स्वास्थ्य जैसे विषय शामिल थे।

क. बच्चों के कार्यक्रम और बच्चों के कल्याण से संबंधित विशिष्ट मुद्दों की कवरेज

सभी केंद्र नियमित रूप से बच्चों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। ये कार्यक्रम 5 से 7 वर्ष और 8 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए हैं। ग्रामीण बच्चों के लिए भी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

ये कार्यक्रम साप्ताहिक हैं जिनमें नाटक, लघु कथाएं, रूपक, कोरल गायन, साक्षात्कार, महाकाव्यों से कहानियां आदि शामिल हैं।

कार्यक्रमों में निम्नलिखित विषयों को समुचित रूप से शामिल किया गया हैः–

1. बच्चों के अधिकारों का संरक्षण तथा विशेषकर देखभाल की आवश्यकता के समय बच्चों की पहचान का संरक्षण और कानून से जूझ रहे किशोरों का संरक्षण।
2. दिव्यांग बच्चों की देखभाल और सहायता।
3. मुश्किल परिस्थितियों से गुजर रहे बच्चों की देखभाल और सहायता।
4. लड़कियों को समान दर्जा।
5. बच्चों को बुनियादी शिक्षा सुलभ कराना और बालिका शिक्षा पर अधिक ध्यान।
6. बच्चों को सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करना।
7. परिवार को आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मनिर्भर समाज।
8. बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।
9. स्वच्छ पेयजल सुविधा और अपशिष्टों के निवारण संबंधी स्वच्छता उपाय।
10. इंटरनेट और ऑनलाइन सामग्री के खतरों से सुरक्षा।

प्रत्येक वर्ष 26 जून को बाल शोषण तथा दुर्व्यापार के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई कि वे इस विषय पर कार्यक्रमों का प्रसारण करें। उन्हें पोस्को (संशोधन) अधिनियम 2019 का भी व्यापक प्रचार करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम प्रमुखों को गहन मिशन इंद्रधनुष (आई एम आई 2.0) के दूसरे चरण की व्यापक कवरेज/प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। ''बच्चों की सुरक्षा के लिए सुरक्षित पड़ोस'' नामक एक राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरूआत से पहले इसका प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक वर्ष 15–21 नवंबर के दौरान आयोजित 'नवजात देखभाल सप्ताह' को कवर किया गया।

vi. संगीतः

शुरूआत से ही, आकाशवाणी ने भारतीय संगीत के प्रचार–प्रसार और संरक्षण में अपनी सेवा दी।

प्रसारित होने वाले कुछ कार्यक्रम निम्नानुसार हैंः

क. राष्ट्रीय हुकअप पर 2 अप्रैल, 2020 को रामनवमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम।

ख. 15 अगस्त, 2020 को पंडित अनंत लाल द्वारा शहनाई वादन (अभिलेखागार रिकार्डिंग)।

ग. 22 अगस्त, 2020 को पद्मभूषण संगीत मार्तंड पंडित जसराज (हिन्दुस्तानी गायन) की अभिलेखागार रिकार्डिंग का श्रद्धांजलि कार्यक्रम के रूप में प्रसारण।

घ. 7 नवंबर, 2020 को पद्मभूषण श्री टी एन कृष्णन (कर्नाटक वायलिन वादन) की अभिलेखागार रिकार्डिंग का श्रद्धांजलि कार्यक्रम के रूप में प्रसारण।

ङ. पद्मविभूषण उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के निधन पर 23 जनवरी, 2021 को विशेष संगीत सभा कार्यक्रम का प्रसारण। इसमें संगीत जगत के प्रतिष्ठित कलाकारों के साक्षात्कार भी प्रसारित किए गए।

च. 24 जनवरी, 2021 को गणतंत्र दिवस के मौके पर नादस्वरम् में एक विशेष संगीत सभा में पद्मश्री डॉक्टर शेख चिन्ना मौलाना पर कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

छ. आकाशवाणी तिरूचिरापल्ली ने 2 फरवरी, 2021 को तिरूवय्यरू समाधि स्थल पर आयोजित 174वें संत त्यागराज आराधना महोत्सव का सीधा प्रसारण किया।

ज. 4 फरवरी, 2021 को एक विशेष संगीत सभा में पंडित भीमसेन जोशी पर एक विशेष कार्यक्रम (सोही परम पद पावेगा) का प्रसारण किया गया।

vii. खेलकूद

क. एआईआर स्पोर्टस, आकाशवाणी के राष्ट्रीय हुकअप पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद आयोजन के रेडियो प्रसारण की योजना बनाने तथा उसके निष्पादन में जुटा हुआ है। यहां रेडियो प्रसारण अधिकारों के अधिग्रहण, विभिन्न खेलकूद फेडरेशनों/एसोसिएशनों, भारतीय और विदेशी प्रसारणकर्ताओं से समन्वय करने तथा खेलकूद से संबंधित आयोजन के लिए कॉमेंटेटरों के ब्योरे संबंधी कार्य संपादित किए जाते हैं।

ख. अधिकारों की उपलब्धता के आधार पर खेलकूद आयोजनों का वेब तथा प्रसार भारती स्पोर्टस यूट्यूब चैनल पर प्रसारण किया जाता है।

ग. चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 2020 ओलम्पिक खेल, आई सी सी टी–20 विश्व कप, फीफा यू–17 महिला विश्व कप और अन्य खेलकूद आयोजन या तो स्थगित या रद्द हो गए। खेलकूद आयोजनों के न होने पर आकाशवाणी ने वैकल्पिक नवोन्मेषी खेलकूद कार्यक्रमों के द्वारा श्रोताओं को लगातार बांधे रखा।

क्रिकेटः

क. आकाशवाणी, बी बी सी और ए बी सी द्वारा सहनिर्मित क्रिकेट संबंधी साप्ताहिक कार्यक्रम 'स्टम्पड' का प्रसारण प्रत्येक शनिवार को 11.30 बजे आकाशवाणी के एफ एम रेनबो नेटवर्क पर किया गया।

ख. एआईआर स्पोर्ट्स से 27 नवंबर से 19 जनवरी 2021 तक ऑस्ट्रेलिया में खेली गई भारत–ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट श्रृंखला 2020–21 के 03 अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय, 03 टी–20 और 04 टेस्ट मैचों की कामेंट्री का प्रसारण किया।

ग. 5 फरवरी से 28 मार्च, 2021 तक भारत में खेली गई भारत–इंग्लैण्ड क्रिकेट श्रृंखला 2021 के 03 अंतर्राष्ट्रीय एकदिवसीय, 05 टी–20 और 04 टेस्ट मैचों की कामेंट्री का प्रसारण किया।

घ. 26 से 31 जनवरी, 2021 के दौरान सैय्यद मुस्ताक अली ट्रॉफी 2021 के सेमीफाइनल और फाइनल मैच सहित 7 मैचों की कमेंट्री का प्रसारण किया गया।

अन्य आयोजनः

क. 18 मार्च से 27 मार्च 2021 तक नई दिल्ली में आयोजित आई एस एस एफ निशानेबाजी विश्व कप पर रेडियो रिपोर्टों का प्रसारण 22 और 29 मार्च 2021 को किया गया।

ख. राष्ट्रीय प्रसारणों के अतिरिक्त पूरे भारत वर्ष के आकाशवाणी केंद्रों ने खेलकूद पर सामयिक कार्यक्रमों का प्रसारण जारी रखा।

च. आकाशवाणी की समाचार सेवाः

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग भारत और विदेशों में श्रोताओं के लिए समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रम प्रसारित करता है। रेडियो प्रसारण के उच्चतम व्यावसायिक नैतिकता और मानकों का पालन करते हुए यह प्रतिदिन 92 भाषाओं और बोलियों में 607 बुलेटिनें प्रसारित करता है। आकाशवाणी समाचार अब अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमिया, डोगरी, गुजराती, मराठी और तमिल भाषाओं में प्रसार भारती की वेबसाइट और ट्विटर पर भी उपलब्ध है।

i. संगठनात्मक संरचनाः

समाचार सेवा प्रभाग के प्रमुख प्रधान महानिदेशक/महानिदेशक (समाचार) होते हैं, जो भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक होते हैं। प्रधान महानिदेशक/महानिदेशक (समाचार) की सहायता के लिए अपर महानिदेशक (समाचार), निदेशक (समाचार), उपनिदेशक (समाचार), सहायक निदेशक (समाचार), समाचार संपादकों और रिपोर्टरों की एक टीम है।

दिल्ली मुख्यालय में समाचार सेवा प्रभाग की विभिन्न संचालन स्कंधों में सामान्य समाचार कक्ष, हिंदी समाचार कक्ष, क्षेत्रीय समाचार एकांश, रिपोर्टिंग एकांश, वार्ता और सामयिकी एकांश, न्यूज़रील एकांश, भारतीय भाषा एकांश, संदर्भ और पी पी एण्ड डी एकांश, सूचना प्रौद्योगिकी और वेबसाइट एकांश और प्रशासनिक स्कंध शामिल हैं।

ii. क्षेत्रीय समाचार एकांशः

विभिन्न राज्यों की क्षेत्रीय समाचार एकांशों(आर एन यू) में निदेशक या उपनिदेशक/सहायक निदेशक स्तर के अधिकारी अध्यक्ष हैं और उनकी सहायता के लिए समाचार संपादक, रिपोर्टर और समाचार वाचक सह अनुवादक हैं। पूरे देश में 46 क्षेत्रीय समाचार एकांश है।

iii. वार्ता एवं समसामयिकी एकांशः

वार्ता एवं समसामयिकी घटना एकांश विश्लेषणात्मक समाचार आधारित कार्यक्रमों को प्रसारित करता है। इसका उद्देश्य श्रोताओं को प्रमुख नई गतिविधियों को समझने, बात परिप्रेक्ष्य में रखने और विषय को विस्तार से समझने में मदद करना है। संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों ने समकालीन महत्व के विषय पर चर्चा में भाग लिया। स्पॉट लाइट, मंथन, समाचार विश्लेषण, सामयिकी, मार्किट मंत्रा, स्पोर्टस स्कैन, प्रेस टिप्पणियां, परिक्रमा, आज सवेरे, पब्लिक स्पीक, मनी टॉक, सुर्खियों में, पूर्वोत्तर डायरी, संस्कृत साप्ताहिकी और समसामायिकी कार्यक्रमों जैसे दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रमों में विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। दैनिक समाचारों के अलावा, स्वच्छ भारत अभियान, योग दिवस, और अन्य कार्यक्रम भी कवर और प्रसारित किए गए।

कोविड–19 के मद्देनजर,'कोरोना जागरूकता श्रृंखला' शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ एक लाइव फोन–इन कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

iv. महत्वपूर्ण कवरेज (1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2021)

क. विषयगत दृष्टिकोण

समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी विषय आधारित प्रसारण करता है। समाचार सेवा प्रभाग ने अपने बुलेटिनों, वेबसाइट और सोशल मीडिया (ट्विटर, फेसबुक) ने कोविड–19 से संबंधी सभी महत्वपूर्ण समाचार, जन आंदोलन, चरणबद्ध

तरीके से फिर से खोलना, राष्ट्रीय कोविड–19 टीकाकरण अभियान, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव, प्रगतिशील कृषि कानून,'आत्मनिर्भर भारत','एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'राष्ट्रीय एकता दिवस',गांधी जी की 151वीं जयंती तथा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व की अन्य घटनाओं को कवर किया।

ख. विशेष कार्यक्रम

i) विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावः

पूरे देश में स्थित क्षेत्रीय समाचार एकांशों और दिल्ली स्थित मुख्यालय से आम चुनाव से बिहार के विधानसभा चुनावों, विभिन्न राज्यों के उपचुनावों और स्थानीय निकाय चुनाव की व्यापक कवरेज की। चुनाव, मतदान और मतों की गिनती सहित चुनावों के परिणामों की घोषणा सहित चुनावी प्रक्रिया को कवर करने की वॉयस कास्ट और साउंड बाइट्स के साथ समाचारों पर चर्चा और न्यूज़ मैगज़ीन कार्यक्रम में कवरेज के अलावा समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली से अंग्रेजी और हिंदी में तीन प्रमुख समाचार बुलेटिनों का प्रसारण किया। अन्य भारतीय भाषाओं और क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों में भी समाचार प्रसारित किए और विशेष चर्चा चर्चा कार्यक्रम शुरू किए।

ii) कृषि कानूनः

समाचार बुलेटिनों, समाचार आधारित कार्यक्रमों और समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी तथा इसके क्षेत्रीय एकांशों के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में प्रगतिशील कृषि कानूनों से संबंधित स्पॉट न्यूज़ कवरेज की। 'मन की बात' के माध्यम से किसानों के लिए प्रधानमंत्री का संदेश और विभिन्न भाषणों का व्यापक रूप से बुलेटिनों में उपयोग किया गया। किसानों की स्थिति में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर कार्यक्रम तैयार किए गए। क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने क्षेत्रीय समाचारों और समसामयिकी कार्यक्रमों में इस विषय को कवर किया। सोशल मीडिया स्कंध ने घटनाओं और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया। न्यूज़ से संबंधित फोटो, वीडियो, ट्विटस और साउंड बाइट फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब पर पोस्ट किए।

iii) एन डी ए 2.0 का एक सालः

भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों सहित विभिन्न विषयों पर प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम पत्र और लगभग 80 समाचार पेपरों/प्रकाशनों के लिए केन्द्रीय मंत्रियों द्वारा लिखे गए लेखों का व्यापक कवरेज प्रसारित किया गया। एन डी ए 2.0 का एक साल पूरा होने पर विश्लेषण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

iv) आत्मनिर्भर भारत अभियानः

आत्मनिर्भर भारत अभियान की मुख्य विशेषताओं के प्रचार–प्रसार पर विशेष जोर देने के साथ प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को प्रमुख रूप से कवर किया गया। अभियान का उद्देश्य 'स्वदेशी' वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, खपत तथा उपयोग को बढ़ाना है। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं का बुलेटिनों, टॉक शो, परिचर्चाओं और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

v) कोविड–19 जन आंदोलनः 8 अक्तूबर, 2020 सेः

- ऑडियो स्पॉटः प्रत्येक बुलेटिन की शुरूआत कोविड–19 से सुरक्षित रहने के लिए 3 उपायों के संदेश के साथ होती है।
- कोविड–19 से सुरक्षित रहने के 3 आसान उपायों पर हिंदी और अंग्रेजी में ऑडियो स्पॉट तैयार किए गए। उन्हें रेलवे स्टेशनों पर प्रसारण के लिए रेल मंत्रालय के साथ साझा किया।
- कोविड–19 जन आंदोलन पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की सृजनात्मकता का व्यापकता से उपयोग किया जा रहा है।
- कोविड–19 जन आंदोलन के बैनर समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और क्षेत्रीय समाचार एकांशों में लगाए गए।
- कोविड–19 से सुरक्षित रहने के तीन उपायों पर प्रधानमंत्री की साउंड बाइट का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।

- संबंधित भाषाओं में प्रत्येक बुलेटिन में सामाजिक प्रभावी व्यक्तियों के साउंड बाइट का उपयोग किया जा रहा है।
- समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा कोविड–19 जन आंदोलन के महत्व पर विशेष चर्चा आयोजित की गई।
- इनका सोशल मीडिया पर प्रचार–प्रसार किया गया और इन्हें पोस्ट किया गया।

vi) कोरोना जागरूकता श्रृंखलाः

कोविड–19 के प्रकोप और संबंधित पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञों और आम जनता के बीच लाइव फोन–इन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों में– अध्यक्ष, नेशनल टास्क फोर्स, डॉक्टर वी. के. पॉल; निदेशक, एम्स– डॉक्टर रणदीप गुलेरिया; अध्यक्ष,पी एच एफ आई, डॉ. श्रीनाथ रेड्डी; निदेशक, एल एन जे पी अस्पताल, डॉ. नरेश गुप्ता; निदेशक, निम्हांस; मैक्स कार्डियोलॉजी; डॉ. बलबीर सिंह, निदेशक, मैक्स अस्पताल; निदेशक, एल एच एम सी, डॉ. एन एन माथुर; पूर्वमहासचिव, आई एम ए, डॉक्टर एन के सैनी; प्रोफेसर, जी बी पंत अस्पताल, डॉ संजय पाण्डेय आदि शामिल हैं।

vii) वंदे भारत और समुद्र सेतु मिशनः

पब्लिक कैरियर, एयर इंडिया द्वारा चलायी जा रही विशेष फ्लाइट द्वारा विभिन्न देशों में फंसे लाखों परेशान भारतीयों की घर वापसी के लिए चलाए गए दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशन वंदे भारत मिशन का व्यापक रूप से प्रचार–प्रसार किया। कोलम्बो, दुबई, ढाका और आर एन यू में स्थित आकाशवाणी संवाददाताओं द्वारा विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी पर दैनिक ग्राउंड रिपोर्ट दी गई।

समुद्र सेतु मिशन के तहत भारतीय नौसेना के विशेष जहाजों से श्रीलंका, यू ए ई, बांग्लादेश और मालदीव में फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी का भी प्रसारण किया गया।

viii) विशेष श्रमिक ट्रेनें:

रेल मंत्रालय द्वारा चलायी जा रही विशेष श्रमिक ट्रेनों में प्रवासी कामगारों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने के बारे में दैनिक ग्राउंड रिपोर्ट को बुलेटिन में शामिल किया गया। संवाद श्रृंखला में अभियान की मुख्य विशेषज्ञताओं पर विशेषज्ञों के साथ लगभग 30 चर्चाएं आयोजित की गईं।

ix) चरणबद्ध तरीके से फिर से आरंभ/अनलॉक करनाः

लॉकडाउन के बाद भारत सरकार के दिशा–निर्देशों और समय–समय पर छूट की घोषणाओं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति के अपडेट को प्रमुख रूप से कवर किया गया। अनलॉक के विभिन्न चरणों के विभिन्न पहलुओं को कवर कर रहे आकाशवाणी संवाददाताओं द्वारा रिपोर्टें फाइल की गईं।

x) आर्थिक प्रोत्साहन पैकेजः

छोटे व्यवसायों, स्वास्थ्य क्षेत्र, मनरेगा, प्रवासियों और शिक्षा क्षेत्र के लाभ के लिए केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज पर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट। पैकेज के मुख्य तत्वों पर वित्तीय विशेषज्ञों के साथ विशेष चर्चा भी की गई।

xi) जम्मू–कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में लोगों का विकास और सशक्तिकरणः

370 और 35ए को निरस्त करने के बाद बनाए गए दो नए केंद्र शासित प्रदेशों में विकास कार्य को दर्शाने के लिए 30 जुलाई से 5 अगस्त तक की अवधि में जम्मू–कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के विकास और सशक्तिकरण पर एक श्रृंखला शुरू की गई। स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि, बिजली, वाणिज्य और उद्योग तथा गृह मामलों के 6 विशिष्ट विषयों पर आधारित रिपोर्टें दोनों केंद्र शासित प्रदेशों और समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी मुख्यालय में प्रतिदिन प्राइम टाइम बुलेटिनों और स्थानीय विशेषज्ञों के साथ चर्चाएं आयोजित कीं।

xii) वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ पूर्वी लद्दाख में पीछे हटना और तनाव कम करनाः

- विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग
- सेना के बयान
- लेह यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन
- रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह का सीमा दौरा।
- रक्षा मंत्री द्वारा संसद के दोनों सदनों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बयान।
- विशेषज्ञ टिप्पणी।
- वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने के लिए भारत–चीन सैन्य स्तर की वार्ता।

xiii) बाढ़ और आकाशीय बिजलीः

बाढ़ की स्थिति, आकाशीय बिजली, मौसमी वेक्टर जनित रोगों की स्थिति, मौसम विभाग द्वारा जारी लगातार आपदा चेतावनी और ऐसी घटनाओं के दौरान बरती जाने वाली महत्वपूर्ण सावधानियों के संबंध में अधिकार प्राप्त समूह–8 उच्च स्तरीय बैठक के दिशा–निर्देशों के मद्देनजर, विशेषरूप से बाढ़ और आकाशीय बिजली से प्रभावित लोगों के लिए समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी और क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने निम्नलिखित कार्रवाई कीं:–

- प्राकृतिक आपदा और उनके प्रभाव से संबंधित नई कहानियों का प्रसारण किया गया।
- विशेष रूप से असम, बिहार और उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा बाढ़ और आकाशीय बिजली के दौरान ली जाने वाली सावधानियों पर ऑडियो स्पॉट का प्रसारण किया गया।
- स्थानीय मौसम कार्यालय से प्राप्त इनपुट के साथ बाढ़ की स्थिति की रिपोर्ट और चेतावनियों को दर्शाया गया।
- समाचार सेवा प्रभाग ने सावधानियां बरतने संबंधीएन डी एम ए और मौसम कार्यालय के विशेषज्ञों के साउंट बाइट्स प्रसारित किए।
- क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने इन कहानियों का प्रयोगअपने बुलेटिनों में किया।
- स्थानीय मौसम कार्यालय और एस डी एम ए के साथ विशेष साक्षात्कार आयोजित किए और क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा इन आपदाओं से बुरी तरह प्रभावितों के लिए इनका प्रयोग किया गया।
- इन तत्वों का हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों नेविस्तार किया।

xiv) विशेष श्रृंखलाएंः महिला उद्यमिता और सशक्तिकरण पहलः

अगस्त में 'महिला उद्यमिता और सशक्तिकरण पहल' विषय को दर्शाते हुए 7 अद्भूत कहानियों का प्रसारण किया, जिसका उद्देश्य कॉलेज जाने वाली छात्राओं से गृहणियों को उद्यमिता को एक व्यवहार्य और पूरे कैरियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

xv) सतर्कता जागरूकता सप्ताहः

सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर एक विशेष श्रृंखला– सरकार द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी उपायों और सर्तक समाचार की आवश्यकता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 27 अक्तूबर से 2 नवंबर, 2020 तक 'सतर्क भारत समृद्ध भारत' सेवा सप्ताह का प्रसारण किया गया। सी बी आई द्वारा आयोजित सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संबोधन और सी वी सी, श्री संजय कोठारी के साथ एक विशेष साक्षात्कार मुख्य आर्कषण केंद्र में से थे।

xvi) संविधान दिवसः

मौलिक कर्तव्यों और नागरिकों के अधिकारों पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी बुलेटिनों और चर्चा आधारित कार्यक्रमों में संविधान दिवस से संबंधित गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से कवर किया गया। क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए घटनाओं की विस्तृत कवरेज भी की। सोशल मीडिया ने संविधान और मौलिक कर्तव्यों से जुड़ा एक अभियान चलाया। इसके ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब चैनलों ने भी इस दिन से संबंधित कार्यक्रम पोस्ट किए

और प्रमुख सरकारी पदाधिकारियों के बयान लिए। मुख्यालय और आर एन यू दोनों जगहों पर कर्मचारियों को संविधान दिवस पर शपथ दिलायी।

xvii) विजय दिवसः

1971 में पाकिस्तान पर भारत की जीत की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और आर एन यू ने व्यापक कवरेज दिया।

भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और युद्ध, जिसके कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ, को याद करते हुए 'विजय दिवस की याद' शीर्षक पर एक विशेष कार्यक्रम का 16.12.2020 को स्पॉट लाइट में प्रसारण किया गया। क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण किया गया।

xviii) एक भारत, श्रेष्ठ भारत और राष्ट्रीय एकता दिवसः

अक्तूबर–नवंबर, 2020 में आर एन यू से प्राप्त इनपुट के साथ इस विषय पर विशेष कहानियों का प्रसारण किया गया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर टॉक शो भी प्रस्तुत किए गए।

'सरदार पटेल–राष्ट्रीय एकता के सिपाही'पर एक कार्यक्रम का 31 अक्तूबर को स्पॉट लाइट में और आर एन यू द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रसारण किया गया। एन एस डी ने सभी प्लेटफार्मों पर व्यापक सोशल मीडिया प्रसार किया।

xix) महात्मा गांधी की 151वीं जयंतीः

महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के प्रभावी प्रचार–प्रसार का प्रसारण किया जा रहा है। एक विशेष कार्यक्रम 'महात्मा गांधी का जीवन और समय' का 2 अक्तूबर को स्पॉट लाइट और आर एन यू द्वारा प्रसारण किया गया। महात्मा गांधी से जुड़े ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को कवर किया गया।

25 सितंबर से 5 अक्तूबर, 2020 की अवधि के दौरान जी एन आर और एच एन आर तथा आर एन यू के मुख्य समाचार बुलेटिन प्रतिदिन 'बापू की बात' शीर्षक के तहत महात्मा गांधी के उद्धरण के साथ शुरू हुए। एन एस डी और आर एन यू के मुख्य समाचार बुलेटिन बापू के पंसदीदा भजन 'वैष्णव जन..' के साथ खत्म हुए।

सभी संबंधित घटनाओं की स्पॉट न्यूज़ कवरेज विशेष रूप से पूर्व संध्या और वर्षगांठ के दिन की गई।

विशेष साक्षात्कार के साथ–साथ समाचार पत्रिका कार्यक्रम, चर्चाओं और ग्राउंड रिपोर्टों में कवरेज की गई।

xx) मन की बातः

हर महीने राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के 'मन की बात' संबोधन को क्षेत्रीय भाषाओं के बुलेटिनों सहित सभी प्रमुख समाचार बलेुटिनों में शामिल किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लाइव वेबकास्ट, ट्विट और अपडेट भी किए गए। प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम में राष्ट्र के नाम संबोधन पर विशेष कार्यक्रम का भी प्रसारण किया गया।

समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी की आर एन यू ने 77 भाषाओं तथा बोलियों में अपने 223 बुलेटिनों और 260 एफ एम मुख्य समाचार में 'मन की बात' को कवर किया। आर एन यू ने अपने संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक प्रचार–प्रसार किया।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा अपने भाषण में उधृत उदाहरण के आधार पर विशेष ग्राफिक्स और सफलता की कहानियों को उसी दिन प्रसारित किया गया।

प्रभाग ने 77 भाषाओं तथा बोलियों में 223 बुलेटिनों और 256 हैडलाइंस में 'मन की बात' से संबंधित समाचार और कार्यक्रम प्रसारित किए। इसके अलावा, एन एस डी मुख्यालय और आर एन यू द्वारा आम लोगों की प्रतिक्रियाओं के साथ समाचार–आधारित चर्चा कार्यक्रम भी साझा किए।

xxi) कोविड–19 महामारी:

आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग और इसकी 46 क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने कोविड–19 पर जागरूकता पैदा करने और सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों पर व्यापक कवरेज प्रदान किया। सरकारी अधिकारियों द्वारा अद्यतन अपडेट और दैनिक ब्रीफिंग को समाचार बुलेटिनों, विशेष कार्यक्रमों और सोशल मीडिया में प्रमुखता से प्रसारित किया। लोगों के सवालों के जवाब में विशेषज्ञ सलाह, मिथक बस्टर, फेक न्यूज़ अलर्ट, सकारात्मक समाचार, ग्राउंड रिपोर्ट, नागरिक घर पर समय का उपयोग कैसे कर रहे हैं, इस पर आम राय, सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए मशहूर हस्तियों की अपील, हैण्ड सेनेटाइज़िंग और फेस मास्क के प्रयोग पर राष्ट्रव्यापी प्रसारण किया गया। क्षेत्रीय एकांशों ने स्थानीय स्थिति को प्रमुखता दी। जनता कर्फ्यू और सम्पूर्ण लॉकडाउन की अपील करते हुए प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन, स्वास्थ्य और गृह मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन ब्रीफिंग तथा सरकार और एजेंसियों द्वारा किए गए उपायों को बुलेटिनों और कार्यक्रमों में हाइलाइट किया गया। कोविड–19 के दौरान नई पहलों की सूची में शामिल हैं:–

- **कोविड–19 जागरूकता बुलेटिन और कार्यक्रम:** कोविड–19 बुलेटिन का अंग्रेजी और हिंदी प्रत्येक में 30 मिनट, प्रातः, दोपहर और शाम (प्रातः 8–9, दोपहर 2–3, शाम 8–9) में आकाशवाणी समाचार सेवा प्रभाग द्वारा स्टूडियो में विशेषज्ञों के साथ–साथ फील्ड से समाचार संवाददाताओं के समाचार का प्रसारण किया गया।
- प्रति घंटे के बुलेटिन की अवधि 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट की गई।
- **कोरोना जागरूकता श्रृंखला:** कोविड–19 के बारे में जागरूकता पैदा करने और मिथक को तोड़ने पर चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ 400 से अधिक लाइव फोन–इन कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रम का सफल रोल आउट और भारत के नागरिकों को भारत में बनी दो वैक्सीनों का संचालन किया।
- **कोविड–19 टीकाकरण–** नेशनल टास्क फोर्स के अध्यक्ष के साथ कोविड–19 टीकाकरण पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न।
- कोविड–19 टीकाकरण अभियान का चरण दो, दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान कार्यक्रम– भारतीय नागरिकों को भारत में बनी वैक्सीन का संचालन।
- **वैक्सीन मैत्री पहल:** 80 से अधिक देशों को वैक्सीन की खेप भेजना।
- **इनफोबाइट्स– 'कोरोना– क्या कहते हैं विशेषज्ञ':** सभी सोशल मीडियो प्लेटफार्मों पर विशेषज्ञों की बाइट्स के साथ दैनिक इनफोग्राफिक्स।
- **चर्चा कार्यक्रम:** जागरूकता बढ़ाने के लिए 50 घंटों से अधिक अवधि के टॉक शो आयोजित किए गए।
- **विशेषज्ञ सलाह:** प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन बुलेटिनों में क्या करें और क्या न करें, के संदेश, लॉकडाउन के दौरान घर पर रहने की आवश्यकता, मिथक बस्टिंग और कोविड–19 के बारे में फेक न्यूज़ से सचेत रहने के संदेश प्रसारित किए।
- **कोविड–19 मामलों पर अपडेट्स और वैज्ञानिक प्रगति।**
- **ग्राउंड रिपोर्ट्स:** स्थिति अद्यतन, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, घबराने से बचना, राशन और खाने का वितरण, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जरूरतमंदों और गरीबों को खाना खिलाने के लिए सामुदायिक किचन, प्रवासी कामगारों के लिए राहत शिविर, खाद्य पदार्थों और समान के लिए ट्रांसपोर्ट, दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति, पी पी ई के लिए व्यवस्था, क्वारंटीन लोकेशन, कान्टैक्ट ट्रेसिंग आदि।
- **सकारात्मक समाचार:** ठीक हुए मरीजों के साथ साक्षात्कार, खुश, स्वस्थ, सकारात्मक तथा व्यस्त रहने पर आम राय, परिवार और दोस्तों का सहायता नेटवर्क, खुद को अलग करना और क्वारंटीन।
- **ऑडियो प्रोमो:** हाथ धोने, सोशल डिस्टेंसिंग, घर पर रहें सुरक्षित रहें, जागरूकता बढ़ाने, क्या करें और क्या न करें और प्रवासी श्रमिकों तथा क्वारंटीन में रहने वालों के संबंध में सावधानियों के बारे में ग्राम प्रधान और सरपंचों के लिए सीधे संदेश पर स्पॉट।

- एन एस डी और 46 आर एन यू के अधिकांश फ्रंटलाइन समाचार कर्मियों के लॉकडाउन के कारण घर के अंदर रहने से मौजूदा स्थिति ने उनका सर्वश्रेष्ठ दिया। बढ़े काम के घंटे, घर से काम करने और आने–जाने पर पाबंदियों ने उन्हें कमजोर नहीं किया।

क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा विशेष कोविड–19 कार्यक्रम:

क्र.सं.	आर एन यू	क्षेत्रीय भाषाओं में विशेष कार्यक्रम
1.	आर एन यू भोपाल	घर पर रहिए, आकाशवाणी सुनिए
2.	आर एन यू रायपुर	कोरोना से जंग, जनता के संग
3.	आर एन यू जयपुर	कोविड–19 पर राजस्थानी विशेष समाचार
4.	आर एन यू मुंबई	कोरोना वृत्ति विशेष
5.	आर एन यू कोलकाता	कोरोना क्लीनिक, जेले–जेले लॉकडाउन
6.	आर एन यू गुवाहाटी	प्रतिरोधः लाइव फोन–इन फैक्ट चेक प्रोग्राम
7.	आर एन यू ईटानगर	कोविड–19 पर दैनिक जानकारी
8.	आर एन यू चेन्नई	कोविड फैक्ट चेक विद डॉक्टर्स एण्ड एक्सपर्ट्स
9.	आर एन यू विजयवाडा	कोरोना व्याख्यावली

xxii) महत्वपूर्ण दौरे और बैठकें:

माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लाइव कार्यक्रमों को प्रमुख कवरेज दिया गया। विदेशी संबंधों के लिए महत्वपूर्ण कई बड़ी बैठकों में माननीय प्रधानमंत्री ने वर्चुअली भागीदारी की। इसमें उपराष्ट्रपति का सरकारी मुखियाओं की एस सी ओ काउंसिल की बैठक में वर्चुअल संबोधन, प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र महासभा में वर्चुअल संबोधन, भारत और अमेरिका के बीच 2+2 मंत्री स्तरीय संवाद आदि शामिल हैं। इनके लिए, एन एस डी नियमित समाचार कवरेज, यू ट्यूब, वेबसाइट और फेसबुक पर लाइव कवरेज प्रसारित करता है।

xxiii). चक्रवात और बाढ़ की कवरेज:

वर्ष 2020 के दौरान कुछ राज्यों में आए चक्रवाती तूफान के दौरान केंद्र की सरकारी एजेंसियों, भारतीय नौसेना, सेना, वायु सेना, कोस्ट गार्ड, एन डी आर एफ और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे बचाव व राहत कार्यों को प्रमुख रूप से कवरेज दी। भारत मौसम विभाग द्वारा बाढ़ की स्थिति, मौसम की जानकारी/भविष्यवाणी पर नियमित अपडेट दी गई।

xxiv) 6वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की कवरेज:

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आई डी वाई –2020 से संबंधित घटनाओं और गतिविधियों का समाचार बुलेटिनों, समाचार मैगज़ीन शो और 92 भाषाओं/बोलियों में चर्चा आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से कवरेज दिया गया।

कोविड–19 महामारी के कारण आई डी वाई–2020 'योग फॉर हेल्थ–योग एट होम' विषय पर प्रचार की नई कहानियां प्रसारित की गईं।

फिजिकल दूरी बनाए रखते हुए घर पर योग का अभ्यास करने के लिए बताने वाले प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश को बुलेटिनों में शामिल किया गया।

मोराजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक, डॉ. ईश्वर बसवा रेड्डी के साथ साक्षात्कार, विभिन्न योग आसनों पर दैनिक प्रदर्शन (आज सवेरे/परिक्रमा में) और प्रसिद्ध योग व्याख्याताओं के साउंड बाइट्स का प्रसारण किया गया।

आई डी वाई–2020 पर प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन का आकाशवाणी के पूरे नेटवर्क पर रिले किया गया। मुख्य

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। भारत के राष्ट्रपति, भारत के उपराष्ट्रपति, केन्द्र/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मंत्रियों, प्रमुख राजनेताओं और प्रसिद्ध हस्तियों के संदेशों के बुलेटिनों में प्रसारित किए। आर एन यू के संवाददाताओं ने आई डी वाई–2020 पर आयोजित कार्यक्रमों पर दिनभर ग्राउंड रिपोर्ट दर्ज की। एन एस डी मुख्यालय की वार्ता और सम–सामयिक मामले एकांश (टी सी ए) ने विशेषकर कोविड–19 संकट के दौरान योग से स्वास्थ्य लाभों पर टॉक शो और चर्चा के आयोजन में आर एन यू का नेतृत्व किया। चर्चाओं में, विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इस महामारी के समय में योग को दुनिया में भारत की सांस्कृतिक विरासत को उपहार के रूप में भी उजागर किया।

xxv) भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (आई एफ एफ आई):

77 क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में भारत के 51वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की लाइव कवरेज आयोजित किया। एन एस डी ने समाचार बुलेटिनों/समाचार मैगज़ीन कार्यक्रम/सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में समारोह के दौरान और समारोह के शुरू होने से पहले आई एफ एफ आई का स्पॉट न्यूज़ कवरेज प्रदान किया। विश्व समाचार बुलेटिनों के हॉटस्पॉट खंड में विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए।

xxvi) पराक्रम दिवस की कवरेज – नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती:

नेता जी जीवन और समय पर स्पॉट लाइट, विश्व समाचार और परिक्रमा कार्यक्रम में 23.01.2021 को विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए। कार्यक्रम का सभी भाषाओं में अनुवाद किया और क्षेत्रीय स्तर पर प्रसारण किया गया। नेताजी और उनके समकालीनों/शिक्षाविदों/विशेषज्ञों की बाइट्स हिंदी, अंग्रेजी और बंगाली में प्रसारित किए।

xxvii) भारत खिलौना मेला– 2021:

समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रमों में भारत खिलौना मेला से संबंधित व्यापक कवरेज की गई। प्रतिभागियों और खिलौना निर्माताओं की बाइट्स और साक्षात्कार तथा प्रदर्शनी के सभी कार्यक्रमों की स्पॉट न्यूज़ कवरेज को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रमुखता से प्रसारित किया। गेमिंग ऐप्स विकसित करने वाले युवाओं के बाइट्स प्रसारित किए गए। विशेषज्ञ चर्चा और साक्षात्कार सहित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर विशेष कार्यक्रम और टॉक शो आयोजित किए गए। एन एस डी के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों ने प्रभावी लोगों के ट्वीटस सहित व्यापक डिजिटल अभियान चलाया।

xxviii) परीक्षा पर चर्चा (पी पी सी)– 2021:

समाचार और समाचार संबंधी कार्यक्रमों में 'परीक्षा पर चर्चा– 2021' से संबंधित घटनाओं का स्पॉट न्यूज़ कवरेज किया गया। भाग लेने वाले छात्रों के साउंड बाइट्स प्रसारित किए। विशेष कार्यक्रमों, टॉक शो, छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साक्षात्कार का प्रसारण किया गया। एन एस डी के सोशल मीडिया विंग ने आर्कषक क्रिएटिव, इंफोग्राफिक्स और इमेजिज के माध्यम से इस आयोजन का व्यापक प्रचार किया।

xxix) राष्ट्रीय विज्ञान दिवस:

'एस टी आई का भविष्यः शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव' विषय पर 28.02.2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के समारोह का समाचारों और समाचार आधारित कार्यक्रमों को प्रमुखता से कवर किया। एन एस डी और आर एन यू ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियों और विषय से संबंधित कहानियों को प्रसारित किया। चर्चा कार्यक्रम और टॉक शो आयोजित किए।

xxx) भारत की आजादी के 75 साल का कवरेज: 'आजादी का अमृत महोत्सव'

प्रगतिशील भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल 'आजादी का अमृत महोत्सव' का एन एस डी आकाशवाणी ने व्यापक प्रचार–प्रसार किया। आर एन यू अमहदाबाद ने दांडी मार्च पद यात्रा और संबंधित कार्यक्रमों को कवर किया।

xxxi) 'वूमेन ऑन दी मूव'–शीर्षक/विषय के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2021 विषय–आधारित विशेष रिपोर्ट का प्रसारण

अपने समाचार बुलेटिनों, टॉक शो और सोशल मीडिया प्लेटफार्मो के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी–2021) से संबंधित घटनाओं को व्यापक कवरेज दिया गया।एन एस डी ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को दर्शाने वाली श्रृंखला चलायी। उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं की पहचान के लिएटॉक शो आयोजित किए गए।

xxxii) कारगिल विजय दिवसः

एन एस डी, आकाशवाणी ने 26.07.2020 को कारगिल विजय दिवस समारोह को कवर किया। स्पॉट न्यूज़ कवरेज में द्रास वॉर मेमोरियल और देश के अन्य स्थानों पर आयोजित समारोह शामिल किए गए। क्षेत्रीय समाचार एकांश कारगिल से प्राप्त वीडियो और तस्वीरें भी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पोस्ट की गई।

xxxiii) स्वतंत्रता दिवस–2020

देश और विदेश में 74वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से संबंधित समाचारों का प्रसारण। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी वस्तुओं और सेवाओं के उपभोग/उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक अभियान 'आत्मनिर्भर भारत' पर माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा पर जोर दिया गया। एन एस डी ने स्वतंत्रता के 74 वर्ष पूरा होने पर आत्मनिर्भर भारत को प्रदर्शित करने के लिए 74 अनोखी कहानियों का प्रसारण किया। टॉक शो के अलावा ग्राउंड रिपोर्ट प्रसारित की गई।

xxxiv) स्वच्छ भारत मिशन की कवरेजः

विभिन्न मंत्रालयों के 'स्वच्छ भारत पखवाड़ा' सहित 'स्वच्छ भारत मिशन' से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का स्पॉट न्यूज़ कवरेज का आयोजन किया गया।

xxxv) ग्राउंड रिपोर्ट्सः

सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में जमीनी स्तर पर तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिदिन ग्राउंड रिपोर्ट प्रसारित की जा रही है। देशभर के लाभार्थियों की बाइट्स को भी ग्राउंड रिपोर्ट्स में शामिल किया गया। व्यापक पहुंच के लिए एन एस डी वेबसाइट सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर ग्राउंड रिपोर्ट साझा की गई।

ग) क्षेत्रीय समाचार एकांश (आर एन यू):

क्षेत्रीय समाचार एकांश समाचार को क्षेत्र विशिष्ट और श्रोतानुकूल बनाने के लिए 77 क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में समाचार बुलेटिन तथा कार्यक्रम प्रसारित करती हैं। प्रत्येक राज्य में कम से कम एक आर एन यू है और बड़े राज्यों में उस राज्य की घटनाओं की प्रभावशाली ढंग से कवरेज के लिए 04 आर एन यू तक हैं। आर एन यू अपनी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, विदेशी, डी टी एच सेवाओं और एफ एम सुर्खियों में प्रतिदिन 39 घंटे की अवधि के 483 बुलेटिनों का प्रसारण करती हैं।

ये एकांश एक माह में कुल लगभग 147 घंटे की अवधि के 1087 समाचार आधारित कार्यक्रम प्रसारित करती हैं। ये राज्य विधानसभाओं के सत्र के दौरान विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित करती हैं।

एफ एम सुर्खियों की इच्छा रखने वाले शहरों और नगरों के श्रोताओं की तत्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। वर्तमान में आर एन यू द्वारा 17 भाषाओं में 260 मुख्य समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं।

घ) विस्तार और नवाचार

समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने 'कोविड–19 जन आंदोलन','राष्ट्रीय कोविड–19 टीकाकरण अभियान''एक भारत श्रेष्ठ भारत','राष्ट्रीय एकता दिवस','स्वच्छ भारत मिशन', चुनाव, स्वतंत्रता दिवस आदि जैसे प्रमुख अभियान के लिए विषयगत संचार योजनाएं शुरू की हैं। समाचार सेवा प्रभाग ने 'रेडियो प्लस' रणनीति अपनायी है। सोशल मीडिया

प्लेटफार्मों पर अभियान चलाए जाते हैं। सभी प्रसारण सामग्री ऑनलाइन पोस्ट की जाती है, सिर्फ वेब के लिए विशेष सामग्री भी अपलोड की जाती है। प्रश्नोत्तरी की तरह ग्राफिक्स, वीडियो, ऑडियो, इंटरएक्टिव सामग्री दृश्यता बढाने के लिए समर्पित अभियान विशिष्ट हेश टेग के साथ साझा की जाती है।

ङ) आकाशवाणी वेबसाइट पर समाचार

आकाशवाणी समाचार विभिन्न क्षेत्रों से चौबीसों घंटे अद्यतन होने वाले समाचारों को उपलब्ध कराता है, जिसमें ए बी सी– प्रमाणिकता, संतुलन और विश्वसनीयता इसकी पहचान है। वर्ष 2020 में श्रोताओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक बहुभाषी वेबसाइट की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। न्यूज़ ऑन एयर वेबसाइट अब अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमी, डोगरी, गुजराती, मराठी और तमिल में उपलब्ध है। सभी क्षेत्रीय भाषाओं में इसे उपलब्ध कराए जानेके प्रयास किए जा रहे हैं। इसे निम्नलिखित वेबसाइट यू आर एल पर देखा जा सकता है।

भाषा	यू आर एल
अंग्रेजी	http://newsonair.com/
हिंदी	http://newsonair.com/hindi/Hindi-Default.aspx
उर्दू	http://newsonair.com/urdu/Urdu-Default.aspx
मराठी	http://newsonair.com/Marathi/Marathi-Default.aspx
गुजराती	http://newsonair.com/Gujarati/Language-Default.aspx
तमिल	http://www.newsonair.com/tamil/
असमिया	http://newsonair.com/Assamese/Assamese-Default.aspx
डोगरी	http://www.newsonair.com/dogri/dogri-default.aspx

सोशल मीडिया आंकडे : समाचार सेवा प्रभाग

प्लेटफार्म	यू आर एल	टिप्पणियां
फेसबुक	आकाशवाणी सामचार	3.4 मिलियन से अधिक लाइक्स
ट्विटर (अंग्रेजी)	@airnewsalerts	2.7 मिलियन फॉलोवर्स
ट्विटर (हिंदी)	@AirNewsHindi	134.4 हजार फॉलोवर्स
यू ट्यूब	न्यूज़ ऑन एयर ऑफिशियल	353 हजार सब्सक्राइबर्स
इंस्टाग्राम	airnewsalerts	369 हजार फॉलोवर्स

सोशल मीडिया आंकडे: क्षेत्रीय समाचार एकांश

प्लेटफार्म	क्षेत्रीय समाचार एकांशों की संख्या
फेसबुक	26
ट्विटर	46
यू ट्यूब	24

च) वार्ता और समसामयिकी घटना एकांश

वार्ता और समसामयिकी घटना एकांश– टी सी ए को विभिन्न विषयों पर विश्लेषणात्मक समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण करने का दायित्व सौंपा गया है। इसका उद्देश्य श्रोताओं की प्रमुख समाचार के घटनाक्रम को समझने, बातों

को परिप्रेक्ष्य में रखने और विषय को समझने में मदद करना है।

सामयिकी, स्पॉट लाइट/समाचार विश्लेषण, पब्लिक स्पीक, मनी टॉक, सुर्खियों में और समसामयिकी मामले कार्यक्रमों पर दैनिक एवं साप्ताहिक कार्यक्रमों में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में राज्य विधानसभा चुनाव–2020 प्रगतिशील कृषि कानून,'आत्मनिर्भर भारत अभियान', महात्मा गांधी की 151वीं जयंती और कोविड–19 की रोकथाम पर परिचर्चा कार्यक्रम शामिल हैं।

जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर, राष्ट्रीय पोषण मिशन, आयुष्मान भारत, किसान कल्याण, केन्द्रीय मंत्रियों के साक्षात्कार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और स्वच्छ भारत अभियान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की पहल और उपलब्धियों को कवर किया। एकांश का विशेष ध्यान 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और महिला सुरक्षा पर आधारित था। भारत को एकजुट करने में सरदार पटेल के योगदान पर लाइव परिचर्चा कार्यक्रम। प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं और कैबिनेट के निर्णयों को उचित कवरेज दिया गया। प्रधानमंत्री के 'मन की बात' पर चर्चाएं प्रसारित की गई। अंग्रेजी में 'इश्यूज़ बिफोर पार्लियामेंट' और हिंदी में 'संसद के समक्ष मुद्दे' पर विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए।

छ) संदर्भ एवं कार्यक्रम योजना और विकास:

संदर्भ एवं कार्यक्रम योजना और विकास एकांश समाचार सेवा प्रभाग की विभिन्न एकांशों को दैनिक आधार पर सरकार और राजनीतिक दलों की विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करती है। यह एकांश कार्य योजनाओं और कार्यवाही रिपोर्टों, विभिन्न रिपोर्टों का संकलन करती है, जिसमें मासिक कैबिनेट सारांश तथा सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं तथा संदेशों के प्रसार के लिए एन एस डी के कार्यक्रमों के प्रसारण पर प्रगति रिपोर्ट तथा स्वच्छता कैलेण्डर के अनुसार मासिक गतिविधियों पर की गई कार्रवाई संबंधी कार्य शामिल हैं। यह एकांश आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कारों के आवेदनों की जांच का कार्य भी देखती है।

ज) पुस्तकालय:

समाचार सेवा प्रभाग का एक पुस्तकालय भी है, जिसमें अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू तथा अन्य भाषाओं में 22,000 पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें हैं। कुल संग्रह में से, मास मीडिया और प्रसारण पर लगभग 885 पुस्तकें है। पुस्तकालय ने लगभग 27 अखबारों और 75 पत्रिकाओं की सदस्यता ले रखी है। यह एन आई सी द्वारा विकसित साफ्टवेयर ई–ग्रंथालय का उपयोग कर रहा है।

नई पहलें:

I. सरकार द्वारा कोविड–19 पर जागरूकता और विभिन्न उपायों की व्यापक कवरेज। कार्यक्रमों में कोरोना जागरूकता श्रृंखला, प्रवासी कामगारों और नागरिकों के लिए रेलवे व्यवस्था पर फोन–इन, कोविड–19 जन आंदोलन और राष्ट्रीय कोविड–19 टीकाकरण अभियान शामिल है।

II. 100.1 एफ एम गोल्ड चैनल पर प्रधानमंत्री के लाइव प्रसारण का नियोजन।

III. **भारत– 74@ 74:** स्वतंत्रता के 74वें वर्ष में प्रवेश को दर्शाने के लिए 74 कहानियों के साथ आत्मनिर्भर भारत को चिन्हित करने की विशेष श्रृंखला।

IV. **वर्षांत श्रृंखला:** भारत सरकार के मंत्रालयों के कार्यक्रमों/पहलों के विश्लेषण पर केन्द्रित नई श्रृंखला।

V. **विश्व समाचार:** वैश्विक मामलों पर केन्द्रित 30 मिनट की अवधि के अंग्रेजी में दैनिक अंतर्राष्ट्रीय समाचार।

VI. **भारत संयुक्त राष्ट्र पार्टनरशिप@75 पर श्रृंखला:** भारत–संयुक्त राष्ट्र की पार्टनरशिप के 75 वर्ष पूरे होने के उपलब्ध में संयुक्त राष्ट्र संगठन के प्रमुखों के साथ साक्षात्कारों की श्रृंखला का प्रसारण किया गया।

VII. **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के योगदान,** राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल की भूमिका, भारत–बांग्लादेश राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती और महात्मा गांधी की जयंती को चिन्हित करने संबंधी विशेष कार्यक्रम।

VIII. **पूर्वोत्तर डायरी:** 30 मिनट की अवधि का एक साप्ताहिक लाइव समाचार मैगज़ीन कार्यक्रम। आठ उत्तर–पूर्वी राज्यों की समृद्ध संस्कृति, विरासत और परम्परा को उजागर करने तथा वृद्धि एवं विकास विवरणों पर केन्द्रित था।

IX. **संस्कृत साप्ताहिकी:** 100.1 मेगाहर्ट्ज आवृत्ति पर 10 जुलाई से आकाशवाणी के 24x7 एफ एम न्यूज़ चैनल पर शनिवार को सुबह 7.10 पर साप्ताहिक समाचार मैगज़ीन साप्ताहिकी का प्रसारण और उसी समय रविवार को उसका पुनः प्रसारण।

X. एक भारत श्रेष्ठ भारत केन्द्रित अभियान

XI. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर को समर्पित समाचार भारती का विशेष संस्करण।

झ. विदेश प्रसारण सेवा

क. संक्षिप्त परिचय

रेडियो विदेश नीति और कूटनीति के यंत्र के तौर पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण को विदेश में अपनी छवि और अपने पक्ष के बचाव के तरीके के रूप में महत्व देते हैं।

इंग्लैण्ड के साथ उपनिवेशीय संबंध होने के कारण, आकाशवाणी ने 1 अक्तूबर,1939 को दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सहयोगियों हेतु प्रचार के तंत्र के रूप में विदेशी प्रसारण के क्षेत्र में प्रवेश किया। आकाशवाणी ने विदेशी श्रोताओं के लिए पहला प्रसारण पुश्तो भाषा में किया, ताकि विश्व के इस भाग में बी बी सी द्वारा की गई कोशिशों का पूरक बने सके और उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत (एन डब्ल्यू एफ सी) में जर्मनी रेडियो बल्टि्जक्रीग के तूफानी हमले का प्रत्युत्तर दे सके। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, विदेश प्रसारण सेवा ने एक उभरते हुए राष्ट्र की आवाज, कूटनीति के लिए एक उपकरण और एक प्रभावी संचार माध्यम के रूप में एक नई भूमिका निभानी पड़ी।

आकाशवाणी की बाहरी सेवाएं इस विशाल भारतीय प्रवासी को उनके मूल देश और उनकी संस्कृति और विरासत से जोड़ती हैं, जो उन्हें घर से दूर घर का एहसास कराती हैं। आकाशवाणी का उद्देश्य अपने बाहरी प्रसारणों के माध्यम से विदेशी श्रोताओं को भारत के लोकाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों पर भारत के दृष्टिकोण, भारत के लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष परिदृश्यों, भारत में उपलब्ध इसकी जीवंत कला, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, व्यापार के अवसरों के संपर्क में रखना है, भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यटन स्थल, मानव अधिकारों की सार्वभैमिक घोषणा आदि के लिए भारत की प्रतिबद्धता पेश करना है।

अपने विदेशी श्रोताओं तक आकाशवाणी की पहुंच अरबी, बलूची, बर्मी, चीनी, दरी, फ्रेंच, इंडोनेशियाई, फ़ारसी, पुश्तो, रूसी, सिंहली, स्वाहिली, थाई और तिब्बती भाषाओं में है। जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सरायकी बांग्ला और नेपाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उपमहाद्वीप के श्रोताओं तथा पड़ोसी देशों के लिए हैं। विदेश सेवा प्रभाग का प्रसारण मिले–जुले रूप में होता है, जिनमें आमतौर पर समाचार बुलेटिन, समसामयिकी पर कमेंट्री और भारतीय प्रेस की समीक्षा शामिल हैं। इसमें सूचनात्मक वार्ता, साक्षात्कार, वृत्तचित्र, रूपक, सभी शैलियों का भारतीय संगीत, रेडिया नाटक आदि शामिल हैं।

न्यूज़ रील के अलावा, खेलकूद और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम, सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विषयों पर वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल होती हैं, विकास गतिविधियों की विशेषताएं, महत्वपूर्ण घटनाएं और संस्थाओं, शास्त्रीय, लोक तथा भारत के विविध क्षेत्रों का आधुनिक संगीत संपूर्ण कार्यक्रम के एक बड़े भाग के रूप में प्रसारित होता है।

विदेश सेवा प्रभाग के सभी कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य भारत की शक्तिशाली धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, गणतंत्र, स्पंधशील, प्रगतिशील और तीव्र गतिशील अर्थव्यवस्था, औद्योगिक और प्रौद्योगिक प्रगति के कार्य में व्यस्त भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करना है। भारत की बड़ी तकनीकी मानव शक्ति की वास्तविकता और उनकी उपलब्धियां तथा पारस्थितिक संतुलन जैसे तथ्यों को श्रोताओं को आसान और साधारण तरीके से बताया जाता है।

इसके अलावा, भारत में अहिंसा में विश्वास, सार्वभौमिक मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा एक नए वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के निर्माण में इसके योगदान पर चर्चा की जाती है।

- कोरोना के कारण देशव्यापी लॉकडाउन को देखते हुए 25.03.2020 से आकाशवाणी विदेश सेवा की सभी सेवाएं बंद कर दी गई थीं। विदेश सेवा की कुछ सामरिक महत्व की सेवाएं 06.05.2020 से पुनः प्रारंभ कर दी गई थी। इनमें पुश्तो, उर्दू, सिंधी, दरी, बलुची, बांग्ला (मैत्री), नेपाली, तिब्बती, चीनी, पारसी, पंजाबी, सरायकी भाषाएं हैं।
- लॉकडाउन अवधि के दौरान कोविड–19 महामारी के बारे में जागरूकता प्रदान करने के लिए आकाशवाणी के यू ट्यूब चैनल पर प्रतिदिन आधे घंटे की अवधि के 6 प्रसारण उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी में दो–दो प्रसारण किए गए।
- प्रख्यात डॉक्टरों, चिकित्सा विशेषज्ञों, मशहूर हस्तियों, कलाकारों आर समाज के विभिन्न वर्गों के साथ साक्षात्कार के कार्यक्रम फोन पर रिकार्ड किए गए। एक समाचार आधारित समाचार और समायिक विषय पर एक कमेंट्री भी प्रसारित की गई।
- प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का भी विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया और विदेश सेवा प्रभाग की वेबसाइट पर डाला गया।

जनवरी, 2021 से विदेश प्रसारण सेवा की सेवाओं को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों को लक्षित करने के तहत इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है।

क्र.सं.	सेवा का नाम	लक्षित क्षेत्र	भाषा
1.	आकाशवाणी विश्व सेवा – I	पूर्वी एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका	अरबी, चीनी, इंडोनेशियाई, फारसी, स्वाहिली, थाई और तिब्बती
2.	आकाशवाणी विश्व सेवा – II	पूर्व और पश्चिम यूरोप	फ्रेंच और रूसी
3.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा – I	अफगानिस्तान–पाकिस्तान क्षेत्र	बलूची, दरी,पुश्तो, पंजाबी, सराय की, सिंधी और उर्दू
4.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा – II	दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया	बांग्ला, बर्मी, नेपाली और सिंहल

इन सेवाओं को दिनांक 15.01.2021 संशोधित समय/आवृत्तियों के साथ पुनः शुरू किया गया था। इनका शॉर्ट वेव पर प्रसारण किया जाता है और न्यूज़ऑनएयर ऐप और डीडी फ्रीडिश पर दुनिया भर में उपलब्ध हैं।

विदेश सेवा प्रभाग सेवाओं के विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	सेवा का नाम	भाषा	समय (आईएसटी)	अवधि	प्रारंभिक स्टेशन
1.	आकाशवाणी विश्व सेवा–II	फ्रेंच	0100–0200 बजे	1 घंटा	ईएसडीदिल्ली
2.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा–I	पंजाबी – I	0500–0600 बजे	1 घंटा	आकाशवाणी जालंधर
3.	आकाशवाणी विश्व सेवा–I	चीनी	0515–0645 बजे	1 घंटा 30 मिनट	ईएसडी दिल्ली
4.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– II	मैत्री –I	0600–0815 बजे	2 घंटे 15 मिनट	आकाशवाणी कोलकाता
5.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	सिंधी	0630–0700 बजे	30 मिनट	आकाशवाणी जयपुर
6.	आकाशवाणी विश्व सेवा–I	इन्डोनेशियाई	0700–0800 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली

क्र.सं.	सेवा का नाम	भाषा	समय (आईएसटी)	अवधि	प्रारंभिक स्टेशन
7.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– II	बर्मी	0815–0915 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
8.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	बलूची	0830–0930 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
9.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– II	नेपाली– I	0930–1030 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
10.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	उर्दू–I	0930–1315 बजे	3 घंटे 45 मिनट	ईएसडी दिल्ली
11.	आकाशवाणी विश्व सेवा–I	अरबी	1030–1130 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
12.	आकाशवाणी विश्व सेवा–I	फ़ारसी	1330–1400 बजे	30 मिनट	ईएसडी दिल्ली
13.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	पश्तो	1415–1500 बजे	45 मिनट	ईएसडी दिल्ली
14.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– II	नेपाली– II	1430–1530 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
15.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– II	मैत्री –II	1530–1830 बजे	3 घंटे	आकाशवाणी कोलकाता
16.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा–I	उर्दू– II	1500–1700 बजे	2 घंटे	ईएसडी दिल्ली
17.	आकाशवाणी विश्व सेवा–I	तिब्बती	1615–1730 बजे	1 घंटा 15 मिनट	ईएसडी दिल्ली
18.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	सरायकी	1700–1730 बजे	30 मिनट	आकाशवाणी जालंधर
19.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	पंजाबी– II	1730–1900 बजे	1 घंटा 30 मिलट	आकाशवाणी जालंधर
20.	आकाशवाणी विश्व सेवा–I	स्वाहिली	1745–1845 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
21.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I	दरी	1900–2000 बजे	1 घंटा	ईएसडी दिल्ली
22.	आकाशवाणी पड़ोसी सेवा– I (01.04.2021 से शुरू)	उर्दू–III	2115–0100 बजे	3 घंटे 45 मिनट	ईएसडी दिल्ली

ख. नई पहलें और आधुनिकीकरण के प्रयासः

- आकाशवाणी की वैश्विक पहुंच में सुधार की दिशा में पिछले वर्ष विदेश मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ फिर से जुड़ने के लिए पहल की गई है। विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया गया है कि वे हमारी विदेश नीति और विदेश संबंधों के दृष्टिकोण से उन देशों और क्षेत्रों को इंगित करें जिन्हें वे आकाशवाणी से कवर करवाना चाहते हैं।
- अगस्त, 2019 से, प्रधानमंत्री के मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' को विदेश सेवा प्रभाग के यू–ट्यूब चैनलों पर अपलोड किए जाने के अलावा 14 भाषाओं में इसका अनुवाद किया जा रहा है। 'मन की बात' का प्रसारण आकाशवाणी यू ट्यूब चैनल पर स्पेनिश, जर्मन और जापानी में भी किया जाता है।

प्रसारण के कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम अनुलग्नक–X में दिए गए हैं।

I. श्रोता अनुसंधान स्कंधः

जनसंचार परिदृश्य में बदलाव के कारण श्रोता अनुसंधान मुख्य केंद्र बिन्दु है। इस मार्किट संचालित प्रसारण के युग में किसी मीडिया संगठन के लिए अनुसंधान और फीडबैक के बिना और साथ में श्रोताओं की क्षमता को पहचाने बिना तथा मार्किट की अच्छी जानकारी के बगैर टिकना संभव नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त, वे विभिन्न मीडिया और मार्किट अनुसंधान संस्थाओं द्वारा सिंडिकेट अनुसंधान को स्वीकृति देते हैं। निजी टेलीविज़न और रेडियो चैनलों की सफलता का राज है कि वे अपने श्रोताओं की रूचि को पहचानते हैं तथा वे हमेशा अपने कार्यक्रमों के डिज़ाइनों में परिवर्तन के साथ–साथ प्रस्तुतिकरण को श्रोताओं के अनुरूप बनाते हैं।

आकाशवाणी इस क्षेत्र में अग्रणी है। आकाशवाणी में श्रोता अनुसंधान एकांश का विस्तृत नेटवर्क है जो पूरे देश में 1946 से कार्यरत है। ये कार्यक्रम निर्माताओं को कार्यक्रम संबंधी फीडबैक देता है ताकि वे लक्षित श्रोताओं की

आवश्यकता, रूचि और आकांक्षाओं के अनुसार कार्यक्रम की योजना, डिज़ाइन तैयार कर सकें व उसमें परिवर्तन कर सकें। आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को उनके व्यवसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम रेटिंग/श्रोता आंकडे भी प्रदान करता है। श्रोता अनुंधान एकांश डाटा बैंक और संदर्भ अनुभाग के रूप में भी अपने संगठन के लिए कार्य करता है।

वर्ष 2020–21 के दौरान 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च 2021 तक निम्नलिखित श्रोता अनुसंधान गतिविधियां/अध्ययन किए गए:–

क. प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट 2019–20 की सामग्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 का संकलन।

ख. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित की जाने वाली इंडिया ईयर बुक 2021 के लिए आकाशवाणी से संबंधित सामग्री का संकलन।

ग. आकाशवाणी, केंद्रों की प्रोफाइल तैयार करना।

घ. आकाशवाणी, तिरूचिरापल्ली से प्रसारित अभिलेखीय कार्यक्रमों पर मेल सर्वे।

ङ. आकाशवाणी, वायनाड के रेडियो की आवश्यकता, पहुंच और अपेक्षाएं– एक टेलीफोन सर्वे

च. कोविड–19 महामारी पर त्वरित टेलीफोनिक फीडबैक सर्वेक्षण का तिरूवनंतपुरम से प्रसारण।

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

दूरदर्शन

भारत

वर्तमान दूरदर्शन नेटवर्क

(मार्च ३१, २०२१ की स्थिति के अनुसार)

कैलाश किशोर

वर्तमान दूरदर्शन नेटवर्क

दूरदर्शन:तथ्य एक दृष्टि में (31.03.2021 की स्थिति के अनुसार)

मद	सं.
सैटेलाइट चैनल	
राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय	08
क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा चैनल (आरएलएसएस) और राज्य नेटवर्क चैनल	28
कुल	**36**
स्टूडियो केन्द्र	
मुख्य स्टूडियो केंद्र	20
अन्य स्टूडियो केन्द्र	46
कुल	**66**

	प्राथमिक चैनल	न्यूज़ चैनल (डीडी न्यूज़)	डीडी1 क्षेत्रीय प्रेषित्र	डीटीटी
एचपीटी	05	26	110	23
एलपीटी	04	01	395	00
वीएलपीटी	19	06	00	00
टीआरपी	00	00	00	00
कुल (589)	**28**	**33**	**505**	**23**

प्रेषित्रों की संख्या (31.03.2021 की स्थिति के अनुसार)

दूरदर्शन

क. परिचय

सितंबर 1959 में दिल्ली में एक प्रायोगिक सेवा से, दूरदर्शन पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अग्रणी टीवी संगठनों में से एक बन गया है। दूरदर्शन के पास देश में चारों और फैले 66 स्टूडियो केंद्रों और अलग–अलग शक्ति के 589 स्थलीय ट्रांसमीटरों का एक विशाल नेटवर्क है। इनमें राज्यों की राजधानियों में 20 प्रमुख स्टूडियो सेंटर और देश के विभिन्न स्थानों पर स्थित 46 अन्य स्टूडियो सेंटर शामिल हैं। इसके अलावा, दूरदर्शन डीडी फ्रीडिश नाम से फ्री–टू–एयर डीटीएच सेवा प्रदान कर रहा है। स्टूडियो केंद्रों की राज्य–वार सूची अनुलग्नक–XI में दी गई है। इसी प्रकार राज्यवार 589 ट्रांसमीटरों का विवरण अनुलग्नक–XII में दिया गया है।

ख. संगठनात्मक संरचना

दूरदर्शन का नेतृत्व एक महानिदेशक करता है, जिसे कार्यक्रम, प्रशासन और वित्त शाखाओं के अपर महानिदेशकों द्वारा और अभियांत्रिकी शाखा में प्रमुख अभियंता द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। समाचार शाखा का नेतृत्व महानिदेशक (समाचार) करता है।

महानिदेशक, दूरदर्शन, नीति निर्माण, योजना और विकास, बुनियादी ढांचों और प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजटीय योजना और नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन और रखरखाव संबंधी गतिविधियों की देखरेख आदि के लिए उत्तरदायी है।

ग. वर्तमान तकनीकी अवसंरचना

दूरदर्शन के स्थलीय ट्रांसमीटर नेटवर्क में मुख्य रूप से डीडी नेशनल/क्षेत्रीय/डीडी न्यूज़ चैनलों के रिले के लिए एनालॉग ट्रांसमीटर शामिल हैं, जिसमें प्रति ट्रांसमीटर एक चैनल है। केबल टीवी और डीटीएच सेवा, जहां दर्शकों के लिए कई टीवी चैनल उपलब्ध हैं, की शुरुआत के साथ प्रसारण परिदृश्य बदलने से पहले भारत में प्रसारण सेवाओं के लिए स्थलीय प्रसारण प्राथमिक माध्यम हुआ करता था। इन आसानी से किफायती नए डिलीवरी प्लेटफॉर्म की उपलब्धता के साथ, भारत में एनालॉग टेरेस्ट्रियल ट्रांसमिशन में काफी गिरावट आई है।

स्थलीय ट्रांसमिशन में नई प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ, डिजिटल टेरेस्ट्रियल ट्रांसमिशन (डीटीटी) का उपयोग करके एकल ट्रांसमीटर के साथ कई टीवी चैनल चलने संभव हैं। भारत सहित दुनिया भर में एनालॉग टेरेस्ट्रियल ट्रांसमिशन को डिजिटल में बदला जा रहा है क्योंकि डिजिटल टेरेस्ट्रियल ट्रांसमिशन (डीटीटी) के कई फायदे हैं जैसे चित्र और ध्वनि की बेहतर गुणवत्ता, दर्शकों के लिए अधिक संख्या में चैनल आदि। आधुनिक प्रसारण प्रवृत्तियों को देखते हुए, प्रसार भारती ने एक अंतर अनुशासनात्मक समिति (आई डी सी) की स्थापना की थी। स्थलीय संचरण के युक्तिकरण के संबंध में समिति की सिफारिश पर, एनालॉग टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीटर (एटीटी) को चरणबद्ध तरीके से बंद करने के लिए प्रसार भारती द्वारा अनुमोदित किया गया है।

मुख्य प्रौद्योगिकीय उन्नयन

66 स्टूडियो केंद्रों में से 62 को पहले ही पूरी तरह डिजिटल बना दिया गया है।

एनालॉग प्रेषित्तों की स्थिति

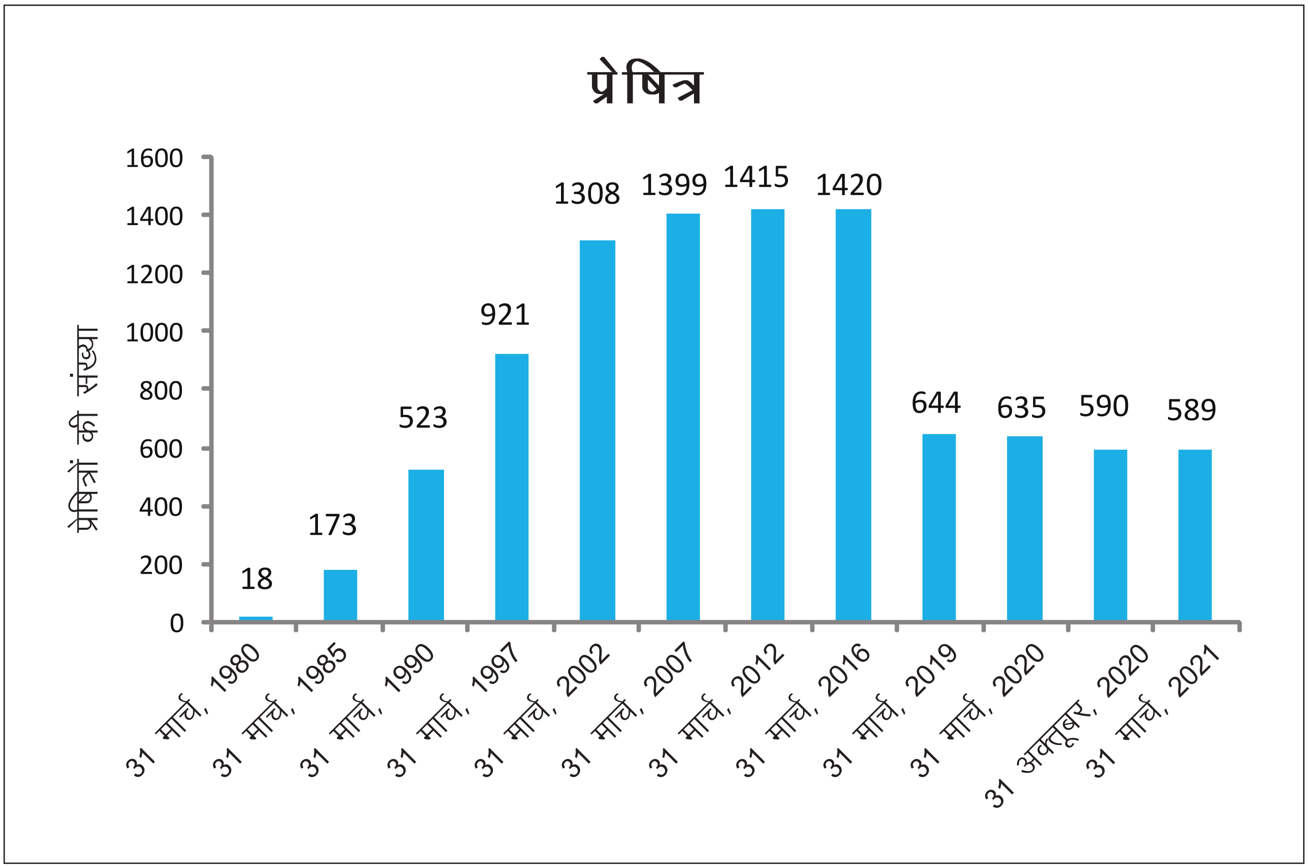

दूरदर्शन स्टूडियो केंद्रों की संख्या

उपग्रह संचार के लिए, दूरदर्शन ने एमपीईजी –2 और एमपीईजी –4 कम्प्रेशन प्रौद्योगिकियों के साथ डीवीबी–एस और डीवीबी–एस2 मानकों को अपनाया है। दूरदर्शन वर्तमान में 36 सैटेलाइट चैनल संचालित कर रहा है। विवरण अनुलग्नक XIII में दिया गया है।

घ. इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण विकासात्मक गतिविधियाँ:

क) दूरदर्शन केंद्रों (डीडीके) से – रायपुर, रांची और देहरादून से क्रमशः 3 सैटेलाइट चैनल (24X7) डीडी छत्तीसगढ़, डीडी झारखंड और डीडी उत्तराखंड 01.04.2020 से लॉन्च किए गए हैं।

ख) कोविड –19 महामारी के दौरान, डीडीके – शिमला, हिसार, पणजी, आइज़ोल, अगरतला, शिलांग, इंफाल और कोहिमा से 24X7 उपग्रह 8 क्षेत्रीय चैनल (गैर 24X7) अर्थात डीडी हिमाचल प्रदेश, डीडी हरियाणा, डीडी गोवा, डीडी मिज़ोरम, डीडी त्रिपुरा, डीडी मेघालय, डीडी मणिपुर और डीडी नागालैंड ने सेवा शुरू की।

ग) केंद्रीय निर्माण केंद्र (सीपीसी) दिल्ली से 4–चैनल ऑटोमेशन सिस्टम में अतिरिक्त क्षमता का उपयोग करते हुए 24X7 सेवा वाला नया चैनल "डीडी रेट्रो" शुरू किया है। यह चैनल सैटेलाइट मोड (सी–बैंड) के साथ–साथ केयू–बैंड में डीडी डीटीएच प्लेटफॉर्म डीडी फ्रीडिश पर; और स्थलीय मोड में (डीडी स्पोर्ट्स चैनल के स्थान पर) डिजिटल स्थलीय ट्रांसमीटरों के माध्यम से उपलब्ध है।

घ) माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने 04 अगस्त, 2020 को असम राज्य के लिए औपचारिक रूप से 24x7 चैनल डीडी–असम का शुभारंभ किया।

ङ) दूरदर्शन नेटवर्क के चैनलों ने भी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, ट्विटर आदि पर अपनी मीडिया उपस्थिति को बढ़ाने और मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दूरदर्शन नेटवर्क के चैनलों की उपस्थिति बनाने के प्रयास जारी हैं।

च) दूरदर्शन नेटवर्क के चैनल महामारी के वर्तमान खतरे के दौरान सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए छात्रों के लिए शैक्षिक सामग्री प्रसारित कर रहे हैं।

छ) कोविड–19 लॉकडाउन अवधि के दौरान रामायण, महाभारत, साईबाबा– तेरे हज़ारों हाथ, बुनियाद, शक्तिमान, श्रीमान श्रीमती, देख भाई देख, उड़ान आदि जैसी प्रतिष्ठित सामग्री की खरीद की गई थी।

ज) त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस ने 21 जनवरी 2021 को औपचारिक रूप से डीडीके अगरतला से चलने वाला डीडी त्रिपुरा चैनल का शुभारंभ किया।

झ) डीडी नेशनल पर रामायण और उत्तर रामायण के कुल 74 एपिसोड (रिपीट सहित) प्रसारित किए गए, जिनकी कुल पहुंच 287 मिलियन दर्शकों तक है। इसने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान सबसे अधिक व्यूवरशिप संख्या प्राप्त की जो इस प्रकार है :

कार्यक्रम	प्रसारण अवधि	व्यूवरशिप (संख्या लाख में)
रामायण @9.00 सुबह	28.03.2020 से 19.04.2020	448.94
रामायण @9.00 सांय	28.03.2020 से 19.04.2020	597.54
उत्तर रामायण @9.00 सुबह	20.04.2020 से 03.05.2020	185.44
उत्तर रामायण @9.00 सांय	19.04.2020 से 02.05.2020	185.44

ण) मौजूदा अर्थ स्टेशन मुंबई की सभी सेवाएं मार्च, 2020 के महीने में अपग्रेडेड अर्थ स्टेशन में माइग्रेट हो गईं और सिंगल कैरियर (3+1) मोड ऑपरेशन से टू कैरियर प्लान (एक कैरियर (2+1) मोड और अन्य (1+1) मोड में) में माइग्रेट किया गया और इन्हें 01.07.2020 से लागू किया गया है।

ट) डीडीके, दिल्ली में अर्थ स्टेशन की सेवाओं का दिनांक 02.10.2020 को एमपीईजी–2/डीवीबी–एस से स्पेक्ट्रम कुशल एमपीईजी–4/डीवीबी–एस2 में स्थानांतरण किया गया। डीडी इंडिया एचडी चैनल भी बुके में शामिल है। अब दूरदर्शन नेटवर्क के 3 एचडी चैनल (डीडी नेशनल, डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया) सैटेलाइट मोड के माध्यम से उपलब्ध हैं।

चालू वित्त वर्ष के दौरान पूरी हुई प्रमुख परियोजनाएं:

क. डीडीके रायपुर, रांची और देहरादून में एकीकृत समाचार निर्माण सुविधा स्थापित की गई है।

ख. डीडीके तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी को हाई डेफिनिशन मल्टी–कैमरा मोबाइल उत्पादन सुविधा (ईएफपी वैन) प्रदान की गई।

ग. आरएफ नेटवर्क योजना और अनुकूलन सॉफ्टवेयर सिस्टम ट्रांसमीटर के कवरेज भविष्यवाणी और रिसेप्शन सर्वेक्षण करने के लिए शुरू किया गया।

घ. चंडीगढ़ में गेस्ट हाउस का निर्माण।

निम्नलिखित परियोजना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं:

क) हाई डेफिनिशन में स्टूडियो उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए डीडी न्यूज़, डीडीके दिल्ली और सीपीसी दिल्ली के मौजूदा स्टूडियो का एचडी अपग्रेडेशन।

ख) स्टूडियो के बेहतर उपयोग के लिए डीडी न्यूज़ के लिए प्रेजेंटेशन स्टूडियो का अलग पीसीआर बनाना।

ग) डीडी भारती चैनल के लिए ऑटोमेटेड प्ले आउट सुविधा का प्रावधान। यह प्रणाली एचडी सक्षम ऑटोमेशन और निर्बाध 24X7 ट्रांसमिशन की सुविधा प्रदान करेगी।

घ) सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर स्थलीय कवरेज के लिए पटनीटॉप और ग्रीन रिज (जम्मू और कश्मीर) और हिम्बोटिंगला (लद्दाख) में एचपीटी की स्थापना।

ड) 11 स्थानों(कोलकाता, भुवनेश्वर, लखनऊ, अहमदाबाद, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, भोपाल, जयपुर, जालंधर, जम्मू और शिमला) को स्पेक्ट्रम कुशल बनाने के लिए अर्थ स्टेशन का आधुनिकीकरण।

च) मौजूदा 2 कम्प्रेशन श्रृंखला के उन्नयन द्वारा डीडी डीटीएच विस्तार।

छ) दूरस्थ, जनजातीय और वामपंथी उग्रवाद के क्षेत्रों में डीटीएच रिसीव सेट (1,20,000 नग) का वितरण।

ण. फ्री– टू–एयर डीटीएच "डीडी फ्री डिश"

दूरदर्शन ने दिसंबर, 2004 में 33 टीवी चैनलों के समूह के साथ अपनी फ्री–टू–एयर डीटीएच सेवाडीडी फ्री डिश लॉन्च की थी। डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता बाद में 59टीवी चैनलों के लिए बढ़ा दी गई। छोटे आकार के डिश रिसीव इकाइयों की मदद से देश में कहीं भी (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को छोड़कर) डीटीएच सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप के लिए, 10 चैनलों के समूह के साथ सी– बैंड में डीटीएच सेवासितंबर, 2009 से शुरू की गई थी। दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म डीडी फ्री डिशका 59 से 104 चैनलों में उन्नयन कार्य दिसंबर, 2014 में पूरा हुआ। डीटीएच प्लेटफॉर्म की क्षमता को अब बढ़ाकर 112 एसडीटीवी चैनल कर दिया गया है। डीडी फ्री डिश की सूची अनुलग्नक–XV पर है।

डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफॉर्म एमपीईजी –2 डीवीबी–एस एंड एमपीईजी –4 डीवीबी– एस2 प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विकसित आई सी ए एस की स्थापना, परीक्षण और कमीशन डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफॉर्म में पूरा हो गया है। 10 भारतीय सेट–टॉप–बॉक्स निर्माताओं को आईसीएएस सक्षम डीडी फ्री डिश सेट–टॉप–बॉक्स बेचने / वितरित करने के लिए पैनलित किया गया है। विवरण वेबसाइट www.doordarshan.gov.in और www.prasarbharati.gov.in पर उपलब्ध हैं।

च. स्थलीय ट्रांसमीटरों का डिजिटलीकरण

दूरदर्शन के स्थलीय ट्रांसमीटर नेटवर्क में मुख्य रूप से एनालॉग ट्रांसमीटर शामिल हैं। प्रत्येक एनालॉग ट्रांसमीटर वीएचएफ बैंड के लिए 7 मेगाहर्ट्ज या यूएचएफ बैंड के लिए 8 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ में एकल टीवी प्रोग्राम सेवा प्रसारित करता है।

नई प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ, डिजिटल टेरेस्ट्रियल ट्रांसमिशन (डीटीटी) का उपयोग करके एकल ट्रांसमीटर के साथ कई टीवी चैनल संभव हैं। यह स्पेक्ट्रम का कुशल उपयोग करता है जो एक दुर्लभ संसाधन है। डीटीटी कई उच्च गुणवत्ता वाले चैनलों के प्रसारण की सुविधा प्रदान करता है जो विभिन्न प्रकार के उपकरणों जैसे कि फिक्स्ड टीवी, मोबाइल्स, लैपटॉप और टैबलेट आदि पर प्राप्त किए जा सकते हैं।

दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, पटना, अहमदाबाद, रायपुर, लखनऊ, भोपाल, गुवाहाटी, इंदौर, बेंगलुरू, रांची, कटक, औरंगाबाद (महाराष्ट्र), हैदराबाद, तिरूवनंतपुरम और श्रीनगर में एक–एक 19 डीटीटी ट्रांसमीटर चालू किए गए हैं और डीडी नेशनल, डीडी न्यूज़, डीडी भारती, डीडी रेट्रो और डीडी किसान/क्षेत्रीय 5 डीडी चैनलों को प्रसारित कर रहे हैं। डिजिटल ट्रांसमीटरों का विस्तार निधियों की उपलब्धता और भावी योजनाओं में योजना की स्वीकृति पर निर्भर करता है। दूसरा डिजिटल टेरेस्ट्रियल टीवी ट्रांसमीटर (डीटीटी) दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में चालू किया गया है। 23 डीटीटी ट्रांसमीटरों के स्थान अनुलग्नक–XIV में दिए गए हैं।

वर्तमान में, हालांकि यह सेवा मुख्य रूप से फिक्स्ड/होम टेलीविज़न के लिए लक्षित है, इसे सीमित क्षेत्र में बिना किसी डेटा शुल्क के इस उद्देश्य के लिए डीवीबी–टी2 डोंगल और मोबाइल ऐप संलग्न करके एंड्रॉइड आधारित ओटीजी सक्षम पोर्टेबल/मोबाइल हैंडसेट पर भी प्राप्त किया जा सकता है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, दुनिया भर में वीडियो खपत की प्रवृत्ति तेजी से बदल रही है और अधिक से अधिक लोग मोबाइल उपकरणों के माध्यम से वीडियो देखना पसंद करते हैं। डेटा लागत में कमी ने इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुविधाजनक समय पर अपने पसंदीदा कार्यक्रम को देखने से नेटफ्लिक्स, हॉटस्टार, यूट्यूब आदि जैसी स्ट्रीमिंग सेवाएं बहुत लोकप्रिय हो गईं हैं। लेकिन मूल रूप से चूंकि यह एक से एक ट्रांसमिशन है, जब कई लोग एक ही कार्यक्रम को एक साथ देखते हैं, तो बड़ी बैंडविड्थ खपत होती है और इंटरनेट सेवा प्रदाता इतनी बड़ी बैंडविड्थ आवश्यकता प्रदान करने में विफल होते हैं। स्ट्रीमिंग सर्विस नेटवर्क के सर्वर पर भी बहुत भार हो जाता है। ब्रॉडकास्टिंग (जो एक से अनेक हैं) बैंडविड्थ की कमी को दूर करने का एक प्रभावी उपाय है।

दुनिया भर में, रुझान प्रसारण और ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकियों के मिलाने की ओर जा रहा है। देखने के इस बदलते व्यवहार के आलोक में, दूरदर्शन प्रासंगिक बना रहेगा, बशर्ते यह उपभोक्ताओं को कई प्लेटफार्मों और उपकरणों पर सामग्री तक आसान और निर्बाध पहुंच की सुविधा प्रदान करे। मोबाइल केंद्रित मीडिया खपत के इस युग में सार्वजनिक प्रसारणकर्ता की भूमिका को बनाए रखने के लिए, सार्वजनिक प्रसारणकर्ता के लिए सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और स्पेक्ट्रम का बेहतर उपयोग करके मोबाइल उपभोक्ताओं के लिए प्रसारण सेवाओं की एक नई श्रेणी को परिभाषित करना और लॉन्च करना महत्वपूर्ण है। फ्यूचर प्रूफ टेक्नोलॉजी की इस जरूरत को महसूस करते हुए, प्रसार भारती ने नेक्स्ट जेनरेशन ब्रॉडकास्ट (एनजीबी) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए डायरेक्ट टू मोबाइल कंटेंट डिलीवर करने में सक्षम ब्रॉडकास्टिंग तकनीकों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की परिकल्पना की है। इस प्रकार, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (टेलीकॉम डोमेन) द्वारा प्राप्त सफलता को दूरदर्शन द्वारा प्रसारण डोमेन में अनुकरण किया जा सकता है और सीधे स्मार्टफोन पर सामग्री वितरित करके प्रसारण दुनिया का नेतृत्व करने के अवसर का उपयोग किया जा सकता है, अर्थात डायरेक्ट टू मोबाइल (डीटीएम) सेवा। प्रसार भारती वर्तमान में निर्बाध मोबाइल रिसेप्शन के लिए नेक्स्ट जेन ब्रॉडकास्टिंग तकनीकों पर आधारित विकल्प तलाश रहा है। एनजीबी मोबाइल और फिक्स्ड टीवी रिसेप्शन दोनों को सपोर्ट करेगा। एनजीबी को एक नए सामग्री वितरण नेटवर्क (सीडीएन) के रूप में देखा जा सकता है जिसका उद्देश्य प्रसारण और ब्रॉडबैंड नेटवर्क के अभिसरण का लक्ष्य होगा। ऊपर वर्णित स्थिति को देखते हुए, दूरदर्शन की डीटीटी सेवा के आगे विस्तार से पहले डीटीएम के लिए एनजीबी प्रौद्योगिकी को अंतिम रूप दिया जाना है।

तदनुसार, प्रसार भारती डीटीएम के लिए प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) आयोजित करने की योजना बना रहा है। इस पीओसी के मूल्यांकन से दूरदर्शन की अगली पीढ़ी की उपयुक्त प्रसारण प्रौद्योगिकी और डीटीटी रोडमैप के चयन का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रसार भारती ने डायरेक्ट टू मोबाइल ब्रॉडकास्टिंग, एनजीबी मानकों, 5जी के साथ अभिसरण से संबंधित अनुसंधान और अभिसरण प्रसारण और ब्रॉडबैंड के लिए एक केंद्र की स्थापना से संबंधित अनुसंधान में सहयोग के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

छ. हाई डेफिनिशन टीवी (एचडीटीवी)

दूरदर्शन का एचडीटीवी में अंतरण 2007 में एक पायलट प्रोजेक्ट के साथ शुरू हुआ और दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक फील्ड प्रोडक्शन (ईएफपी) वैन और एचडीटीवी इंग्लैंड कैमकोर्डर और एडिट सूट प्रदान किया। राष्ट्रमंडल खेलों, 2010 के दौरान एचडी ईएफपी वैन का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया था।

11वीं योजना के दौरान दिल्ली और मुंबई में प्रदान किए गए 10 एचडी कैमरों से सुसज्जित आउटडोर उत्पादन के लिए मल्टी–कैमरा एचडी स्टूडियो उत्पादन सुविधाओं की स्थापना की गई है। दिल्ली में प्लेऑउट सुविधास्थापित करने के अलावा चार मेट्रो शहरों में इएनजी आधारितकार्यक्रम निर्माण, पोस्ट–प्रोडक्शन और पूर्वावलोकन सुविधाएं प्रदान की गई

हैं। बाहरी कार्यक्रम निर्माण के लिए आठ एचडी कैमरों से लैस मल्टी–कैमरा मोबाइल सुविधाएं चेन्नै और कोलकाता में भी प्रदान की गई हैं। एक हाई डेफिनिशन चैनल अर्थात डीडी नेशनल एचडी डिजिटल टेरेस्ट्रियल टीवी ट्रांसमीटर द्वारा दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में टेरेस्ट्रियल मोड में उपलब्ध है।

12वीं योजना योजनाओं के एक भाग के रूप में, एचडीटीवी प्रारूप में एक मल्टी कैमरा स्टूडियो उत्पादन सुविधा को सीपीसी, नई दिल्ली में सेटअप किया गया है। एचडीटीवी प्रारूप में मल्टी कैमरा मोबाइल उत्पादन सुविधा दिल्ली में प्रदान की गई है और एचडीटीवी अपलिंकिंग सुविधा डीडीके, दिल्ली में उपलब्ध है।

सैटेलाइट मोड में उपलब्ध तीन एचडी चैनलों यानी डीडी नेशनल एचडी, डीडी न्यूज़ एचडी और डीडी इंडिया एचडी के साथ, डीडी नेशनल एचडी और डीडी न्यूज़ एचडी भी डीडी डीटीएच प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

दूरदर्शन की 3 वर्ष की विस्तार योजना (2017–20) के भाग के रूप में दिल्ली से चलने वाले सभी 7 चैनलों को एसडी से एचडी में स्थानांतरित करने के लिए दूरदर्शन केंद्र दिल्ली, डीडी न्यूज़ और सी पी सी दिल्ली के स्टूडियो केंद्र का उन्नयन कार्य चल रहा है।

महत्वपूर्ण घटनाओं की कवरेज

कोविड–19 महामारी के बावजूद, ओबी/ईएफपी वैन का उपयोग करके अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 के दौरान दूरदर्शन द्वारा लगभग 127 महत्वपूर्ण घटनाओं को लाइव कवर किया गया है। दूरदर्शन द्वारा लाइव कवर किए गए कुछ प्रमुख कार्यक्रम **अनुलग्नक–XVI** में दिए गए हैं।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय चैनल

दूरदर्शन ने रचा इतिहास

1. डीडी नेशनल पर रामायण एक ही दिन में अर्थात 16 अप्रैल, रात 9 बजे को 77 मिलियन इंप्रेशन के साथ दुनिया में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मनोरंजन कार्यक्रम है।

2. डीडी नेशनल, सप्ताह 15 में 2733 मिलियन इंप्रेशन के साथ, रामायण और अन्य क्लासिक्स शो के पुनः प्रसारण के पहले सप्ताह के दौरान नंबर 1 है।

3 रामायण और अन्य क्लासिक्स शो के पुनः प्रसारण के पहले चार हफ्तों में, डीडी नेशनल ने हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल की कुल दर्शकों की संख्या का 63 प्रतिशत हिस्सा कवर किया।

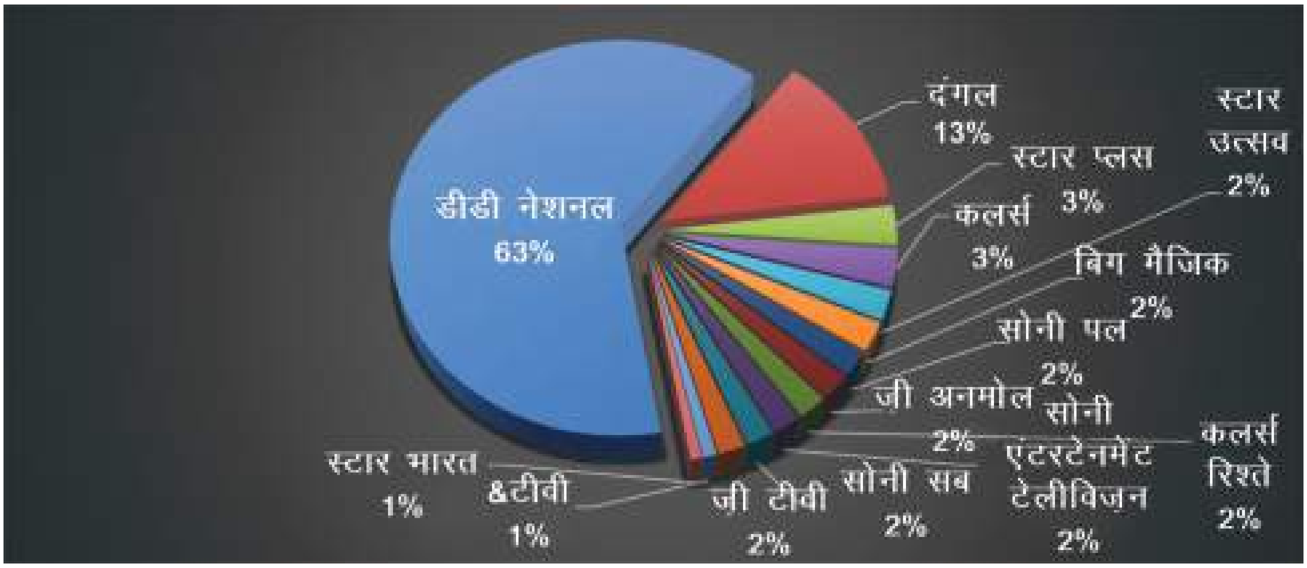

4. डीडी भारती पर महाभारत टेलीकास्ट ने सप्ताह 13 (2020) में चैनल में व्यूअरशिप को बढ़ाकर 146 मिलियन किया

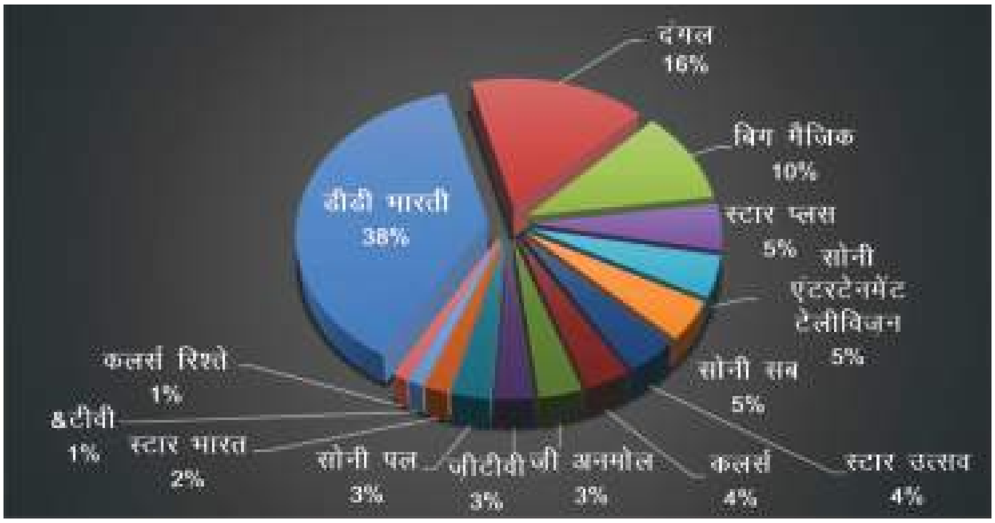

दूरदर्शन केंद्र दिल्ली देश का मुख्य केंद्र है और सितंबर 1959 में न केवल भारत में टेलीविज़न की शुरुआत और लॉन्च करने का श्रेय प्राप्त है, बल्कि अपनी स्थापना के बाद से देश के बाकी हिस्सों में राष्ट्रीय प्रसारण पेश करने का भी इसे ही श्रेय जाता है। लगभग आधी सदी पहले केंद्र द्वारा शुरू किए गए चित्रहार जैसे कार्यक्रम आज भी प्रासंगिक हैं और भारत में अभी भी जाने जाते हैं।

मुख्य केंद्र के रूप में, दूरदर्शन केंद्र दिल्ली कई गुना भूमिकाएँ निभाता है जो देश के अन्य सभी केंद्रों से काफी अलग हैं। यह राष्ट्रीय चैनल डीडी–I के 24 x 7 घंटे के प्रसारण के लिए जिम्मेदार है।

NATIONAL

डीडी नेशनल – फ्लैगशिप चैनल

डीडी नेशनल ऐसी सामग्री प्रदान करता है जो मनोरंजन, सूचना और शिक्षा का एक स्वस्थ मिश्रण है। सैटेलाइट मोड में यह चौबीस घंटे उपलब्ध है।

इस चैनल की यूएसपी एक लोक सेवा प्रसारक के रूप में अपनी भूमिका को ध्यान में रखते हुए स्वस्थ मनोरंजन और सामाजिक संदेशों का संतुलन प्रदान करना है। इस प्रकार चैनल ऐसे शो को तरजीह देता है जो फिक्शन और नॉन–फिक्शन की व्यापक श्रेणी के अंतर्गत आते हैं और जो विषय के माध्यम से अच्छा 'संदेश देने ' में सक्षम हो रहे हैं।

- डीडी नेशनल ने देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न कार्यक्रमों को कवर किया है, विशेष रूप से वे जो सीधे प्रसारण के साथ सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों को उजागर करते हैं। यह राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं जैसे गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस और स्वामी विवेकानंद, बाबा साहब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, सरदार पटेल, पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों की वर्षगांठ पर कार्यक्रम और सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम आदि।
- डीडी नेशनल ने राष्ट्र के नाम माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया। यह आरोग्य भारत और योग विज्ञान जैसे इन–हाउस निर्मित स्वास्थ्य मुद्दों पर कार्यक्रमों का भी प्रसारण करता है।

डीडीके दिल्ली/डीडी नेशनल द्वारा कवर किए गए प्रमुख कार्यक्रम

- 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजघाट/लाल किले से भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन एवं ध्वजारोहण का सजीव प्रसारण
- कृष्ण जन्माष्टमी समारोह मथुरा और द्वारका से सीधा प्रसारण
- शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 का शास्त्री भवन से सीधा प्रसारण
- सरदार वल्लभ भाई पटेल को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' (राष्ट्रीय एकता दिवस) पर पुष्पांजलि पटेल चौक, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ढुंडी और लाहुआल जिले से अटल सुरंग का उद्‌घाटन समारोह और सालोंग घाटी और सिसु गांव में सार्वजनिक समारोह। ढुंडी, लाहुआल जिला / सालोंग घाटी और सिसु गांव से सीधा प्रसारण
- सरदार पटेल की जयंती के संबंध में माननीय प्रधानमंत्री की गुजरात यात्रा – केवड़िया कॉलोनी, गुजरात से सीधा प्रसारण (डीडी न्यूज़ से रिले)
- महात्मा गांधी की 151वीं जयंती (गांधी जयंती) गांधी स्मृति, 5 तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण
- अयोध्या की रामलीला लक्ष्मण किला, अयोध्या से सीधा प्रसारण
- केवड़िया, गुजरात में 80वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का भारत के राष्ट्रपति द्वारा उद्‌घाटन – केवड़िया, गुजरात से सीधा प्रसारण
- प्रधानमंत्री ने गुजरात के केवड़िया से वीडियो कांफ्रेंसिंग लाइव के माध्यम से पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित किया
- प्रकाश पर्व उत्सव – स्वर्ण मंदिर, अमृतसर से सीधा प्रसारण
- संसद भवन के शहीदों को श्रद्धांजलि– संसद भवन से सीधा प्रसारण
- सर्व धर्म प्रार्थना सभा – श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मारक – ''सदैव अटल'' अटल समाधि से लाइव
- राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2021– संसद के सेंट्रल हॉल से सीधा प्रसारण
- भारत के 51वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (आईएफएफआई) 2021 का उद्‌घाटन समारोह– डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम, बम्बोली, गोवा से सीधा प्रसारण।
- प्रधानमंत्री का विक्टोरिया मेमोरियल हॉल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती समारोह के दौरे का कोलकाता से सीधा प्रसारण।
- समर्पण– पं. दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समारोह में भारत के प्रधानमंत्री – अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
- श्रीमती निर्मला सीता रमन द्वारा केंद्रीय बजट, 2021। – सेंट्रल हॉल, संसद भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
- आजादी का अमृत महोत्सव में माननीय प्रधानमंत्री जी का दौरा और भागीदारी– साबरमती आश्रम, गुजरात से सीधा प्रसारण।

सामग्री सोर्सिंग अनुभाग।

फिल्मों सहित दूरदर्शन की सभी राष्ट्रीय सेवाओं के लिए सामग्री की केंद्रीकृत खरीद के लिए पूर्ववर्ती फिल्म अनुभाग को सामग्री सोर्सिंग अनुभाग के रूप में फिर से नामित किया गया है।

अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 तक की सामग्री सोर्सिंग उपलब्धियां इस प्रकार हैं: –

लॉकडाउन 1 के दौरान आपातकालीन सामग्री खरीद दिशानिर्देशों के तहत रामायण, महाभारत, श्री कृष्ण, विष्णुपुराण, चाणक्य, साईं बाबा– तेरे हज़ारों हाथ, बुनियाद, श्रीमान श्रीमती, शक्तिमान, उड़ान आदि लोकप्रिय धारावाहिकों की खरीदारी हुई। विवरण इस प्रकार है:–

अल्पावधि के लिए अधिग्रहित	लगातार चलने वाले	निशुल्क (एक बार के प्रसारण के लिए)
1. विष्णु पुराण	1. साईं बाबा तेरे हज़ारों हाथ	1. उपनिषद गंगा
2. माँ शक्ति	2. अलिफ लैला	2. चाणक्य:
3. आप बीती	3. इतिहास की प्रेम कहानियां	3. साईबाबा तेरे हज़ारों हाथ
4. बहादुर शाह जफ़र	4. अमरावती की कथाएं	
5. कानून	5. जंगल बुक	
6. दुश्मन	6. देख भाई देख	
7. जय माता की	7. इन्द्रधनुष	
8. कथा सागर	8. रजनी	
9. गुल गुशन गुलफाम	9. इधर उधार	
10. खट्टा मीठा	10. श्रीमान श्रीमती	
11. महाभारत		
12. रामायण		
13. श्री कृष्णा		
14. शक्तिमान		
15. बुनियाद		
16. सुरभि		
17. उड़ान		

उपरोक्त सामग्री के प्रसारण ने दूरदर्शन के दर्शकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि की, जैसा कि निम्नलिखित रिपोर्टों/लेखों से देखा जा सकता है और अच्छा राजस्व भी अर्जित किया है।

डीडी चैनलों पर रामायण महाभारत की वापसी का अभियान कुल दर्शकों की संख्या

डीडी पर शक्तिमान की वापसी नए उन्नत रूप में एक सप्ताह में 52 गुणा दर्शको की संख्या पिछले सप्ताह में 13 गुणा से अधिक संख्या

1993 में मूल प्रसारण | 1997 में मूल प्रसारण | 1994 में मूल प्रसारण

- "अज्ञात हीरोज / बैटल / देश के सभी क्षेत्रों में भारत की स्वतंत्रता के आंदोलन मुहीम " पर 75 एपिसोड की सामग्री योजना प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। साथ ही "भारत की स्वतंत्रता के बाद की उपलब्धियां" पर 75 एपिसोड की एक अन्य सामग्री परियोजना के निर्माण की प्रक्रिया प्रगति पर है। इन दो परियोजनाओं को भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए आरम्भ किया जा रहा है।
- कार्यक्रम निर्माताओं/प्रोडक्शन हाउसों द्वारा कार्यक्रमों के निर्माण के लिए स्वतः प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए डीएपी पोर्टल लॉन्च किया गया।
- स्वयं सामग्री के अधिग्रहण के लिए नई नीति दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया।

अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 के दौरान प्रसारित की गई विभिन्न फीचर फिल्में इस प्रकार हैं:

- डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की 129वीं जयंती के अवसर पर, एक हिंदी फीचर फिल्म शीर्षक 'डॉ. बाबासाहेब

अम्बेडकर' का प्रसारण 14 अप्रैल, 2020 को डीडी नेशनल नेटवर्क पर किया गया था।

- स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में 07.08.2020, 09.08.2020,14.08.2020 और 15.08.2020 को डीडी नेशनल नेटवर्क पर 'हॉलिडे – ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी', 'मंगल पांडे – द राइजिंग', 'सरदार', 'शहीद' नामक चार देशभक्ति हिंदी फीचर फिल्मों का प्रसारण किया गया।
- महात्मा मोहन दास करम चंद गांधी (राष्ट्रपिता) की 151वीं जयंती मनाने के लिए, दो फिल्में 'सरदार' और 'गांधी टू हिटलर' डीडी नेशनल नेटवर्क पर क्रमशः 26.09.2020 और 02.10.2020 को प्रसारित की गईं।
- गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर 26.01.2021 को डीडी नेशनल नेटवर्क पर दो देशभक्ति हिंदी फीचर फिल्म 'एयरलिफ्ट' और 'बेबी' का प्रसारण किया गया।

डीडी न्यूज़

दूरदर्शन समाचार (डीडी न्यूज़) देश का एकमात्र स्थलीय–सह–उपग्रह, बहुभाषी समाचार चैनल है। यह स्थलीय ट्रांसमिशन मोड के माध्यम से गैर–केबल, गैर–उपग्रह घरों के लिए भी उपलब्ध है। डीडी न्यूज़ की स्थलीय पहुंच जनसंख्या के हिसाब से 49 प्रतिशत और देश के क्षेत्रफल के हिसाब से 25 प्रतिशत है। डीडी न्यूज़ चैनल 3 नवंबर 2003 को डीडी मेट्रो को 24 घंटे के न्यूज़ चैनल में परिवर्तित करके लॉन्च किया गया था।

डीडी न्यूज़ वर्तमान में श्रवण बाधितों के लिए एक विशेष बुलेटिन के अलावा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत भाषाओं में समाचार सामग्री तैयार कर रहा है। प्रतिदिन कुल 18 घंटे के सीधे प्रसारण में इन भाषाओं में 30 से अधिक समाचार बुलेटिनों का प्रसारण शामिल है। इसके अलावा, डीडी न्यूज़ की 31 क्षेत्रीय समाचार इकाइयां (आरएनयू) भी हैं जो राज्यों में फैली हुई हैं और जो क्षेत्रीय भाषाओं में समाचार भी प्रसारित करती हैं। डीडी न्यूज़, डीडी उर्दू और डीडी किसान के लिए भी बुलेटिन बनाता है।

चैनल पर विशेष कार्यक्रमों में स्वास्थ्य, युवा मुद्दे, सिनेमा, कला और संस्कृति, प्रमुख योजनाएं, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, बाजार विकास और सामाजिक मुद्दों पर कार्यक्रम शामिल हैं।

समाचार एकत्रण

डीएसएनजी वैन/ओबी वैन और फाइल इंटरनेट/सेलुलर मोबाइल आधारित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से, नवीनतम उपग्रह–आधारित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से, दूरदराज के क्षेत्रों सहित, देश भर से समाचार इनपुट प्राप्त होते हैं। डीडी न्यूज़ अपने अधिकांश समाचार निम्नलिखित स्रोतों से एकत्र करता है:

I. मुख्यालयों और आरएनयू में स्वयं के संवाददाता

ii. आकाशवाणी के स्ट्रिंगर और अंशकालिक संवाददाता

iii. एजेंसियां (रायटर, एएनआई)

iv. अंतर्राष्ट्रीय साझेदार (जैसे अन्य राष्ट्रीय प्रसारक, एशिया विज़न/एबीयू, एफएसएन)

दिल्ली और आरएनयू से देश के विभिन्न हिस्सों में समाचार घटनाओं और विकासात्मक और मानव–हित की कहानियों को कवर करने के लिए नियमित रूप से संवाददाता भी भेजे जाते हैं।

उपलब्धियां

कोविड–19 समेत विभिन्न मुद्दों पर कई नए कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। कुछ इस प्रकार हैंः–

- डीडी न्यूज़ पर हिंदी प्राइम टाइम जिसमें न्यूज़ नाइट और अन्य विशेष कार्यक्रम शामिल हैं।
- नया सवेराः यह इतिहास, व्यवसाय, स्वास्थ्य, वेब समीक्षा आदि जैसे विभिन्न खंडों वाला समाचार कार्यक्रम है। कोविड–19 के कारण निलंबन की एक छोटी अवधि के बाद इसे डीडी न्यूज़ पर फिर से लॉन्च किया गया था।
- आज का एजेंडाः यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो दिन के दौरान अपेक्षित शीर्ष समाचारों पर केंद्रित इनपुट के साथ पूरे नेटवर्क में दिन की समाचार घटनाओं की कथा सेट करता है।
- आत्मानिर्भर भारतः यह दैनिक कार्यक्रम केंद्र सरकार की उन योजनाओं और कार्यक्रमों/उपलब्धियों पर केंद्रित है, जिनका उद्देश्य देश को आत्मनिर्भरता के रास्ते पर लाना है।
- डॉक्टर स्पीकः यह कोविड –19 और इससे संबंधित जटिलताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम है।
- एक भारत, श्रेष्ठ भारतः– यह कार्यक्रम विभिन्न माध्यमों से एक क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को दूसरे क्षेत्र से जोड़कर अनेकता में एकता के मूल आधार पर आधारित है। अब तक 50 से ज्यादा एपिसोड प्रसारित किए जा चुके हैं।
- खबर पर नज़रः एक रिपोर्टर आधारित कार्यक्रम जिसमें दिन की महत्वपूर्ण खबरें शामिल होती हैं।
- करेंट अफेयर्स कार्यक्रमः इस स्लॉट का उपयोग कैबिनेट निर्णयों के विभिन्न महत्वपूर्ण को और सरकार के अन्य महत्वपूर्ण अभियानों को प्रदर्शित करने के लिए 'कैबिनेट के बड़े फैसले' विषय के तहत भी किया जाता है।
- आपदा का सामनाः यह कार्यक्रम आपदा प्रबंधन पर विभिन्न विषयों से संबंधित है।
- कोरोना पर नज़रः– इस विशेष कार्यक्रम का प्रसारण कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान किया गया।
- कोविड योद्धाः– डीडी न्यूज़ ने महामारी की अवधि के दौरान विभिन्न पेशेवरों/संगठनों/सरकारी विभागों द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ कार्यों पर प्रकाश डालने वाले कार्यक्रम की एक श्रृंखला भी प्रसारित की।
- जनादेशः– इस कार्यक्रम का प्रसारण बिहार और दिल्ली में विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया था।
- डीडी न्यूज़ पर मिड–डे प्राइमः– डीडी न्यूज़ प्राइम टाइम शो एक नए रूप और अनुभव में अंग्रेजी और हिंदी दोनों में सप्ताह के दिनों में प्रसारण कर रहा है।
- ग्राउंड रिपोर्ट/ज़मीनी हकीकत– डीडी न्यूज़ नेटवर्क ने अप्रैल, 2020 से नवंबर 2020 की अवधि के दौरान विभिन्न प्रमुख योजनाओं के प्रभाव पर 15 भाषाओं में कई कहानियों का प्रसारण किया। 15,000 से अधिक लाभार्थियों और उनकी सफलता की कहानियों को टेलीविज़न पर दिखाया गया है और अन्य मीडिया इकाइयों के प्लेटफार्मों के माध्यम से डीडी न्यूज़, क्षेत्रीय समाचार इकाइयों के प्लेटफार्मों और साथ ही सोशल मीडिया पर साझा किया गया है।
- जल शक्ति समाचारः– डीडी न्यूज़ ने जल संरक्षण पर जागरूकता फैलाने और जल संरक्षण में लोगों के अभिनव कार्यों को उजागर करने के लिए प्रत्येक शनिवार को जल शक्ति समाचार नामक 30 मिनट का विशेष बुलेटिन शुरू किया है।
- बधिरों के लिए अतिरिक्त बुलेटिन।
- एक्सप्रेस समाचारः देश भर से 100 कहानियों वाली आधे घंटे की तेज खबर।
- वार्ता–संस्कृत समाचार।
- उर्दू समाचारः उर्दू भाषा के दैनिक दो बुलेटिन।
- दो टूक : ज्वलंत राजनीतिक मुद्दों पर आधे घंटे का विशेष कार्यक्रम।
- टोटल हैल्थ – यह रविवार को हिंदी में प्रसारित होने वाला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम है।

- तेजस्विनी– कार्यक्रम तेजस्विनी विभिन्न क्षेत्रों में महिला उपलब्धियों पर केंद्रित है और रविवार को प्रसारित किया जा रहा है।
- वार्तावली: यह संस्कृत में साप्ताहिक कार्यक्रम है।
- गुड न्यूज़ जज़्बा इंडिया का: लोगों के अच्छे काम को दिखाने का यह कार्यक्रम अप्रैल 2020 के महीने में गुड न्यूज़ जज़्बा इंडिया का के रूप में फिर से शुरू किया गया था और देश के विभिन्न हिस्सों से सभी गुड न्यूज़ को प्रसारित करता है।
- मन की बात:– इस कार्यक्रम का प्रसारण डीडी न्यूज़ द्वारा संस्कृत भाषा और सांकेतिक भाषा में भी किया जा रहा है।

प्रमुख कवरेज / गतिविधियाँ:

- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान सभी समाचार बुलेटिनों और विभिन्न कार्यक्रमों में कोविड –19 मुख्य केंद्र था।
- डीडी न्यूज़ ने अप्रैल, 2020 से नवंबर, 2020 तक की अवधि के दौरान माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन/की उपस्थित वाले सभी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को व्यापक रूप से कवर किया। इसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति का स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन शामिल है। जन आंदोलन अभियान 'यूनाईट 2 फाइट कोरोना', स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि और विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन, केवड़िया, गुजरात, हिमाचल प्रदेश में अटल सुरंग का उद्घाटन, संयुक्त राष्ट्र महासभा की 75 वीं वर्षगांठ पर संबोधन जैसे महत्वपूर्ण पीएम के कार्यक्रमों का कवरेज, माननीय प्रधानमंत्री की लेह–लद्दाख यात्रा और सैनिकों को उनके संबोधन के लिए व्यापक और लाइव कवरेज, अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन, काशी (बनारस) में देव दिवाली कार्यक्रम आदि। डीडी न्यूज़ भी प्रधानमंत्री के विभिन्न वर्चुअल वीडियो सम्मेलनों को कवर किया।
- एनईपी 2020 के कैबिनेट अनुमोदन और नीतिगत निर्णयों पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन के लिए व्यापक और लाइव कवरेज, निवार चक्रवात और आपदा बहाली कार्य सहित की व्यापक कवरेज की गई।
- डीडी न्यूज़ ने संविधान दिवस और उससे संबंधित घटनाओं के विषय का गहन कवरेज किया। डीडी न्यूज़ ने हमारा संविधान नामक विशेष कार्यक्रम का भी प्रसारण किया।

सोशल मीडिया पर दूरदर्शन समाचार

डीडी न्यूज़ की वेबसाइट www.ddnews.gov.in है।

डीडी न्यूज़ /डीडी न्यूज़ लाइव का अंग्रेजी ट्विटर हैंडल जनवरी, 2013 में लॉन्च किया गया था और इसे 30 लाख से ज्यादा लोग फॉलो कर रहे हैं। हिंदी भाषा में एक नया ट्विटर हैंडल /DDNewsHindi जनवरी, 2014 में शुरू किया गया था और इसके फॉलोअर्स की संख्या दस लाख के करीब है। इसी तरह डीडी न्यूज़ के फेसबुक पेज को करीब 20 लाख लोग लाइक कर रहे हैं जबकि करीब 22 लाख लोग फेसबुक पेज को फॉलो कर रहे हैं।

फरवरी, 2013 में एक समर्पित यूट्यूब चैनल http://www.youtube.com/ddnews शुरू किया गया था। वर्तमान में डीडी न्यूज़ के यूट्यूब चैनल के 34 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं।

टेलीविज़न चैनल के अलावा, डीडी न्यूज़ को निम्नलिखित माध्यमों से एक्सेस किया जा सकता है: –

क. वेबसाइट

ख. मोबाइल एप्लिकेशन

ग. यूट्यूब चैनल

क्षेत्रीय समाचार इकाइयाँ:

डीडी न्यूज़ ने देश भर में फैले 31 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आरएनयू) की स्थापना की है। ये समाचार इकाइयाँ राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों में स्थित हैं और केंद्र के हिस्से के रूप में कार्य करती हैं और अपनी–अपनी क्षेत्रीय भाषाओं / बोलियों में समाचार और करंट अफेयर्स कार्यक्रमों का प्रसारण करती हैं। हाल ही में गठित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में, जम्मू और श्रीनगर में दो आरएनयू कार्य कर रहे हैं, जबकि आरएनयू लेह लद्दाख से कार्य करता है।

महामारी वर्ष के दौरान कई आरएनयू ने कोविड 19 पर गलत सूचना / भ्रमित करने वाली सूचना से लड़ने के लिए अपने कार्य में वृद्धि की और बीमारी को दूर रखने के लिए उचित निवारक उपायों पर जनता को शिक्षित किया। आरएनयू अब प्रतिदिन 54 घंटे से अधिक के संयुक्त प्रसारण समय (समाचार और समसामयिक मामलों) के साथ 22 भाषाओं/बोलियों में ग्राफिक हेडलाइंस और करंट अफेयर्स कार्यक्रमों के अलावा 147 समाचार बुलेटिनों का प्रसारण करता है।

देश भर में समाचार एकत्र करने के लिए आरएनयू के पास 600 से अधिक स्ट्रिंगर्स का विशाल नेटवर्क है। आरंभ में और पाक्षिक और मासिक आधार पर साप्ताहिक और मासिक आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्ट्रिंगर्स को पुरस्कार प्रदान करने के लिए जुलाई, 2020 से स्टिंगर्स को क्षेत्र से अधिक गहराई से कहानियां दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करने और उत्साह बढ़ाने के लिए, स्ट्रिंगर्स की सर्वश्रेष्ठ कहानी पुरस्कार योजना की घोषणा की गई है।

दिव्यांग्जनों (विकलांग व्यक्ति) के लाभ के लिए किए गए नीतिगत निर्णय और गतिविधियाँ –

- डीडी न्यूज़ प्रतिदिन 15 मिनट, एक न्यूज़ बुलेटिन के प्रसारण के माध्यम से सांकेतिक भाषा की व्याख्या के साथ श्रवण बाधित व्यक्तियों तक पहुंच प्रदान कर रहा है। सभी समाचार बुलेटिनों में स्टोरी बैंड भी फ्लैश किए जाते हैं। डीडी न्यूज़ द्वारा पीडब्ल्यूडी के लिए ऑडियो विवरण, सामग्री को कैप्शन, ग्राफिक तत्वों और 24x7 स्क्रॉल प्रदान करके समाचार सामग्री को सुलभ बनाया गया है।
- डीडी न्यूज़ भी सांकेतिक भाषा में प्रधानमंत्री के "मन की बात" का निर्माण कर रहा है जो डीडी भारती में सिमुलकास्ट है।
- डीडी न्यूज़ की मौजूदा इमारत के प्रवेश द्वार में रैंप और लिफ्ट हैं। विकलांगों की आसान पहुंच के लिए लिफ्टों में श्रवण संकेत उपलब्ध हैं।
- डीडी न्यूज़ की समाचार वेबसाइट जीआईजीडब्ल्यू (भारत सरकार की वेबसाइट के लिए दिशानिर्देश) के अनुरूप है और वेबसाइट में सुगम्यता सुविधाओं को शामिल किया गया है।
- डीडी न्यूज़ देश के सभी निजी समाचार चैनलों को श्रवण बाधित समाचारों की निःशुल्क पहुंच भी प्रदान कर रहा है।

INDIA

डीडी इंडिया

डीडी इंडिया एक फ्री टू एयर सैटेलाइट चैनल है जो 24x7 मोड पर काम करता है। चैनल को 14 मार्च 1995 को डीडी इंटरनेशनल के रूप में लॉन्च किया गया था। इसे पूर्व में दो बार रीब्रांड किया गया है, पहली बार 2000 में डीडी वर्ल्ड के रूप में और फिर 2002 में डीडी इंडिया के रूप में। तब से चैनल ने अपना ब्रांड नाम डीडी इंडिया बरकरार रखा है।

मार्च, 2019 के बाद डीडी इंडिया को बीएआरसी द्वारा अंग्रेजी समाचार चैनल के रूप में मान्यता दी गई। डीडी इंडिया अंग्रेजी समाचार शैली में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए समय की आवश्यकता के अनुसार अपने एफपीसी में बदलाव करता है और सर्वश्रेष्ठ के बीच अपनी स्थिति बनाए रखता है। यह चैनल अक्तूबर, 2020 के महीने में हाई डेफिनिशन प्लेटफॉर्म पर चला गया है।

डीडी इंडिया, दूरदर्शन के एक अंतरराष्ट्रीय चैनल के रूप में, एक समर्पित अंग्रेजी समाचार चैनल है, जो बीटीवी और केटीवी जैसे विभिन्न देशों के प्रसारकों के सहयोग से दुनिया भर में मौजूदगी रखता है।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क को ध्यान में रखने के लिए, सामग्री में राष्ट्रीय और विश्व परिदृश्यों पर उनके प्रभाव पर समान ध्यान देने के साथ–साथ मुख्य रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं और समाचार और समसामयिक मामले शामिल होते हैं।

डीडी इंडिया चैनल की सोशल मीडिया पर मौजूदगी है, जिसमें एक फेसबुक पेज, ट्विटर हैंडल और इंस्टाग्राम पेज के साथ एक यूट्यूब चैनल शामिल है। डीडी इंडिया के फेसबुक पेज पर 12,000 फॉलोअर्स हैं। डीडी इंडिया @DDIndiaLive का अंग्रेजी ट्विटर हैंडल जनवरी, 2016 में लॉन्च किया गया था, जो 2019 में पूरी तरह कार्यात्मक हो गया है, जिसे 36,500 से अधिक लोग फॉलो कर रहे हैं और यह संख्या हर गुजरते दिन बढ़ रही है।

एक समर्पित यूट्यूब चैनल http://www.youtube.com/ddindia हाल ही में लॉन्च किया गया था। वर्तमान में डीडी इंडिया के यूट्यूब चैनल के 53,700 से अधिक उपभोक्ता हैं। डीडी इंडिया का इंस्टाग्राम अकाउंट https://www.instagram.com/ ddindialive/ सितंबर 2019 को लॉन्च किया गया था और इसके 4000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि सभी संख्या दैनिक आधार पर लगातार बढ़ रही है।

डीडी इंडिया को निम्नलिखित माध्यमों से भी एक्सेस किया जा सकता हैः – ट्विटर (पेरिस्कोप) और यूट्यूब चैनल।

अवधि के दौरान डीडी इंडिया की उपलब्धियां

- यूएस के 2020 का परिणाम कवरेज – "रेस फॉर द व्हाइट हाउस": चैनल ने लगभग 35 घंटे लाइव और विशेष कवरेज के साथ अमेरिकी चुनाव परिणाम 2020 को ऐतिहासिक तरीके से कवर किया।
- कोविड–19 पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए। यह कार्यक्रम ''बायो क्वेस्ट'' भारत और विदेशों के महामारी और टीका विकास क्षेत्र में प्रतिष्ठित हस्तियों पर केंद्रित है। कार्यक्रम 'डॉक्टर्स स्पीक' में देश के जाने–माने डॉक्टर शामिल हुए।
- आत्मनिर्भर भारत, एक घंटे का यह कार्यक्रम स्वदेशी प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर विकास और समृद्धि पर माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर आधारित है।
- अफगानिस्तान की स्थिति, भारत रूस सामरिक भागीदारी, भारत अमेरिका संबंध आदि जैसे मुद्दों पर विदेशी मामलों पर विशेष कार्यक्रम और साक्षात्कार।
- अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में कार्यक्रम के चलते बिल गेट्स के साथ साक्षात्कार शामिल हैं– भारतीय सेना पर (इन कोनवेरसेशन विद) कार्यक्रम
- फायर एंड फ्यूरी, डिजिटल फ्रंट पर कार्यक्रम – नमस्ते डिजिटल, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर कार्यक्रम – डीडी डायलॉग, नवाचार और उद्यमिता पर कार्यक्रम
- अनलॉकिंग एंटरप्रेन्योरियल स्पिरिट, यूथ–वाई फैक्टर की आवश्यकताओं को पूरा करने और स्पोर्ट्स 360, चैंपियन स्पीक और वर्चुअल एनकाउंटर कार्यक्रमों में स्पोर्ट्स अपडेट और स्पोर्ट्स लेजेंड्स के साथ साक्षात्कार।
- माननीय प्रधानमंत्री की यात्राओं के साथ–साथ महत्वपूर्ण घटनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण लाइव कार्यक्रम और महत्वपूर्ण कार्यक्रम जो समाचार मूल्य के हैं को एक साथ डीडी इंडिया पर नियमित रूप से प्रसारित किए गए।

डीडी भारती

डीडी भारती चैनल 26 जनवरी 2002 को लॉन्च किया गया था और नवंबर 2010 में अपने दर्शकों को प्रामाणिकता के साथ संगीत, नृत्य, कला और संस्कृति, स्वास्थ्य और जीवन शैली को बढ़ावा देने और इसकी प्राचीन से लेकर आधुनिक भारतीय कला और संस्कृति तक की समृद्ध विरासत संग्रह से अभिलेखीय और समकालीन कला रूपों के दुर्लभ मिश्रण को प्रदर्शित करने के लिए एक विशिष्ट चैनल के रूप में फिर से लॉन्च किया गया था।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः–

- मौसिकी एक खोजः उस्ताद सुजात खान द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय संगीत आधारित कार्यक्रम
- उत्तर कथाः प्रख्यात लेखक श्री नरेश मेहता के उपन्यास पर आधारित एक धारावाहिक।
- गोराः गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पथ–प्रदर्शक उपन्यास पर आधारित एक धारावाहिक
- बूंद और समुद्रः पद्मभूषण श्री अमृत लाल नागर पर आधारित एक धारावाहिक।
- संन्यासीः पं. इला चंद्र जोशी के उपन्यास पर आधारित एक धारावाहिक।
- बुद्धदेव दास गुप्ता द्वारा निर्देशित गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की कविताओं पर एक विशेष कथा कार्यक्रम
- योग विज्ञान कार्यक्रम – बाबा रामदेव के साथ योग
- कृष्ण काली सीरियल शिवानी द्वारा लिखित और अमोल पालेकर द्वारा निर्देशित
- उत्तररामचरितमः– जी.वी. अय्यर द्वारा निर्देशित महाकवि भवभूति का एक संस्कृत धारावाहिक
- तहरीर मुंशी प्रेमचंद की– मुंशी प्रेमचंद के लेखन पर आधारित धारावाहिक
- प्रख्यात कलाकारों, विभिन्न आदिवासी नृत्यों और कला रूपों पर आधारित कार्यक्रम माटी के रंग

सभी त्योहारों जैसे दीपावली, होली, रक्षा बंधन ईद, बकरीद, विजयदशमी आदि पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम का सांकेतिक भाषा के साथ और संस्कृत प्रतिलेखन के साथ भी प्रसारण किया जाता है।

जनवरी से मार्च, 2021 के दौरान प्रसारित विशेष कार्यक्रमः मंगोलियन फिल्म – नोभेदिक कल्चर डंग (भाग– I, II, III), वॉइस फ़्रोम थे मार्जिन्स (लेखकों पर वृत्तचित्र) – महादेव और शिव शंभू (भगवान शिव पर – महाशिवरात्रि विशेष)

डीडी भारती और डीडी नेशनल को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया–टीवी (हिंदी) की श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मीडिया सम्मान (एवाईडीएमएस) 2019 के लिए चुना गया है।

भविष्य के लिए कार्यक्रम की नीतिः–

- सांस्कृतिक संस्थानों के पास उपलब्ध सॉफ्टवेयर की क्षमता को अनलॉक करना।
- क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों पर उपलब्ध प्रसार भारती अभिलेखागार और कार्यक्रम सॉफ्टवेयर के अभिलेखीय संसाधनों से लाभ लेना और संग्रह करना।
- कला, संस्कृति, साहित्य और जीवन शैली में विभिन्न शैलियों के चैनल संचालक कार्यक्रमों का निर्माण और खरीद।
- पूरे भारत में ईएनजी /लाइव कवरेज बढ़ाना।

- प्रीमियम कार्यक्रमों को निःशुल्क प्राप्त करने के लिए सांस्कृतिक संस्थानों के साथ साझेदारी करना।
- देश के नए कलाकारों और नई प्रतिभाओं को तैयार करना और सशक्त बनाना।

डीडी उर्दू

15 अगस्त, 2006 को डीडी उर्दू को दूरदर्शन के उर्दू चैनल के रूप में आठ घंटे दैनिक प्रसारण के साथ लॉन्च किया गया था। बाद में, 14 नवंबर 2007 से चैनल 24x7 चलने वाला चैनल बन गया।

इस अवधि के दौरान इन–हाउस तैयार और टेलीकास्ट किए गए विशेष कार्यक्रमः

- रामनवमी, रमजान और ईद–उल–अज़हा पर विशेष कार्यक्रम
- स्वास्थ्य / कोविड 19 / योग पर कार्यक्रम– कोविड–19 पर विशेष कार्यक्रम (एहतियात और हिफ़ाज़त), रमज़ान और हमारी समाजी ज़िम्मेदारी, कोविड–19 और ईद का पैगाम, बचाव और सुझाव पर कार्यक्रम, योग और इस्लाम, कोविड 19 और योग, योग की अहमियत और फायदे, नफ़सियति अमराज़ पर कार्यक्रम, जज्बे–ए–इंसानियत (लॉकडाउन पर), कोविड –19 तहकीक और उम्मीद।
- वर्तमान सरकार की उपलब्धियों, जैसे "जो कहा सो किया", "कठोर निर्णय", "निर्मल हृदय", पर कई कार्यक्रम तैयार किए गए।
- मोहर्रम, योग और सेहत, एक मुलाकात (स्वतंत्रता दिवस 2020 पर), तुमने फिराक को देखा है (फिराक गोरखपुरी पर), ऐ वतन मेरे वतन (स्वतंत्रता दिवस 2020 पर), मेमर–ए–मौसीकी (उस्ताद बिस्मिल्ला खान पर वृत्तचित्र) पर विशेष कार्यक्रम।
- दूरदर्शन स्थापना दिवस, हिंदुस्तान की आवाज, हिंदुस्तान की खुशबू, योग और सेहत, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, परवाज–ए–तरक्की और खिदमत की मिसाल नरेंद्र मोदी पर विशेष कार्यक्रम (सेवा दिवस, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विशेष कार्यक्रम)।
- सतर्कता दिवस पर विशेष कार्यक्रम – प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम।
- जश्न–ए–अहिंसा ग़ज़ल कार्यक्रम, 'हमारे गांधी जी', गांधी जी का ख्वाब– साफ़ सुथरा भारत और साबरमती के संत– महान हस्तियों पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए। लाल बहादुर शास्त्री– हिंद का लाल पर वृत्तचित्र, सर सैयद अहमद खान पर वृत्तचित्र "एक शख्सियत एक तहरीक"।
- दीवाली पर विशेष कार्यक्रम शीर्षक "दीपमाला (संगीत कार्यक्रम)"।
- पैगाम–ए–हिंद कार्यक्रम में "गौतम बुद्ध और हिंदुस्तान" शीर्षक से गौतम बुद्ध पर कार्यक्रम।
- "ये है इंडिया" में "बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना विशेष" (2 एपिसोड) पर कार्यक्रम।
- ''ऐ वतन मेरे वतन'' (गणतंत्र दिवस–2021) पर विशेष कार्यक्रम।
- दुनिया मेरे आगे –भारत–अमेरिका संबंधः एक नए अध्याय की शुरुआत।

अपना मुल्क अपना आईन – कानूनी मुद्दों पर शिक्षा कार्यक्रम।

पैसा बोलता है– बजट पूर्व विशेष 11 भाग–1

डीडी स्पोर्ट्स

डीडी स्पोर्ट्स सीधा प्रसारण सामग्री पर चलता है, जो मुख्य रूप से खेलकूद अधिनियम 2007 के तहत साझा संपत्तियों से आता है। लेकिन विश्व पिछले 100 वर्षों में सबसे घातक महामारी से प्रभावित है, अधिकांश लाइव खेल आयोजन या तो रद्द कर दिए गए या बाद की तारीख के लिए स्थगित कर दिए गए। महत्वपूर्ण खेल आयोजन जिन्हें स्थगित कर दिया गया, उनमें सबसे बड़ा वैश्विक टूर्नामेंट टोक्यो ओलंपिक 2020 शामिल है। इस पृष्ठभूमि के बीच, चुनौतीपूर्ण लॉकडाउन अवधि के दौरान दर्शकों को खेल सामग्री प्रदान करना प्रमुख चुनौती थी। चैनल ने लॉकडाउन अवधि के दौरान कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिनमें से कुछ में निम्नलिखित शामिल हैं: –

क. भारतीय टीम के पुराने वर्षों के यादगार मैचों वाली अभिलेखीय क्रिकेट संपत्तियों को डीडी स्पोर्ट्स पर अधिकार धारक बीसीसीआई के साथ समझौते में दिखाया गया। लॉकडाउन के दौरान इन मैचों को खेल प्रेमियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। फ्रेंच ओपन 2020 और यूएस ओपन 2020 का प्रसारण कोविड–19 महामारी के दौरान किया गया।

ख. डीडी स्पोर्ट्स की सोशल मीडिया टीम ने लॉकडाउन के दौरान अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर अपनी छाप बनाए रखने और बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए। इसमें स्पोर्ट्स क्विज भी शामिल है, जो एक महीने से अधिक समय तक चला।

ग. डीडी स्पोर्ट्स की सोशल मीडिया टीम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रमुख एथलीटों के लाइव साक्षात्कार और सामयिक खेल मुद्दों से संबंधित टॉक शो को स्लॉट किया। इन संपत्तियों को खेल और युवा मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय खेल प्राधिकरण और फिट इंडिया मूवमेंट के साथ व्यापक समझौते के चलते दिखाया गया था।

घ. डीडी स्पोर्ट्स ने अपने एफपीसी को समृद्ध करने के लिए बाहरी एजेंसियों से नई संपत्तियों प्राप्त करने का पता लगाया। इनमें से कुछ संपत्तियों में एबीयू से खेल सामग्री, अन्य के साथ सौरव गांगुली, युवराज सिंह और कपिल देव जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के साक्षात्कार शामिल थे, जिन्हें डीडी न्यूज़ और रेसिंग इवेंट्स पर भी दिखाया गया था। क्लासिक खेलों और अभिलेखीय सामग्री के लिए एनबीए के साथ और टेनिस स्पर्धाओं के लिए एआईटीए के साथ समझौता प्रक्रियाधीन है और जल्द ही इस पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है।

ड. डीडी स्पोर्ट्स ने संगठन के अंदर ही सामग्री तालमेल के लिए कई कदम उठाए। इसमें डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया एक दूसरे के साथ सामग्री का आदान–प्रदान, प्रसार भारती स्पोर्ट्स यू ट्यूब प्लेटफॉर्म पर अपनी अभिलेखीय सामग्री डालना और प्रसार भारती स्पोर्ट्स यू ट्यूब प्लेटफॉर्म पर आकाशवाणी द्वारा प्रदान की गई 'स्टंप्ड' जैसी कुछ लाइव सामग्री डालना शामिल है।

च. ऑस्ट्रेलियन ओपन।

छ. इंग्लैंड और भारत के बीच क्रिकेट मैच।

इसके अलावा, प्रसार भारती स्पोर्ट्स ने आकाशवाणी स्पोर्ट्स के बीच सामग्री तालमेल के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान, चल रहे लाइव इवेंट के आसपास के कार्यक्रम दोनों टीमों द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित किए जाते हैं और कई प्लेटफार्मों से एक साथ प्रसारित होते हैं। इसी तरह, आकाशवाणी मैचों के आँखों देखा हाल की वीडियोग्राफी की जा रही है और प्रसार भारती स्पोर्ट्स यू ट्यूब प्लेटफॉर्म पर स्लॉट प्रदान किया जा रहा है।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा, 2020

डीडी किसान

डीडी किसान 26 मई 2015 को शुरू किया गया था और यह 24 घंटे चलने वाला चैनल है जो विशेष रूप से किसानों और कृषि क्षेत्र को समर्पित है। यह अन्य जानकारी के अलावा नई कृषि तकनीकों, फसल संरक्षण, उर्वरक, बीज, सिंचाई और जल संरक्षण फसल चयन, कृषि मशीनीकरण, कृषि–व्यवसाय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, डेयरी और पशुपालन, बागवानी और जैविक खेती पर किसानों को विभिन्न कृषि और कृषि मुद्दों पर वास्तविक समय की जानकारी प्रसारित करता है। इसे कृषि के लिए महत्वपूर्ण सब कुछ – जल संरक्षण और जैविक खेती से लेकर सरकारी कृषि कार्यक्रमों के माध्यम से ऋण प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया है।

2020–21 के दौरान निम्नलिखित विशेष कार्यक्रमों और घटनाओं का प्रसारण किया गया:

- केंद्रीय बजट 2020 : किसानों और ग्रामीण भारत के दृष्टिकोण से केंद्रीय बजट 2020 की व्यापक लाइव कवरेज प्रतिष्ठित अतिथियों/विशेषज्ञों और आमंत्रित किसानों के साथ की गई।
- विशेष कार्यक्रम "महिला स्वावलंबन की नई पहल" जिसमें माननीय ग्रामीण विकास मंत्री ने छह दूरदर्शन केंद्रों से स्वयं सहायता समूह की 120 महिलाओं के साथ जिन्होंने प्रमुख उपलब्धियां हासिल की थी, उपग्रह सम्मेलन के माध्यम से लाइव बातचीत की।
- आत्मनिर्भर भारत पर विशेष कार्यक्रम श्रृंखला। कई कार्यक्रमों में व्यक्तियों और संस्थानों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

- किसानों के लिए कोविड–19 पर कई कार्यक्रम और स्पॉट तैयार किए गए।
- किसानों और ग्रामीण जनता के लिए प्रमुख सरकारी योजनाओं की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए "सेवा के 06 वर्ष" पर एक विशेष साप्ताहिक श्रृंखला का निर्माण किया गया।
- नए कृषि कानून के बारे में किसानों को सूचित करने और शिक्षित करने और किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए एक विशेष श्रृंखला तैयार की जा रही है।

2020–21 के दौरान पहलः

- गैर–फिक्शन, फिक्शन और रियलिटी शो जैसी शैलियों में स्व वित्त योजना (एसएफसी) के तहत नए कार्यक्रमों के प्रसारण निर्धारित किए गए हैं।
- प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और इफको के सहयोग से कृषि प्रौद्योगिकी और नवाचार पर विशेष कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।
- आईआईटी कानपुर द्वारा सतत जैविक खेती पर विशेष शोध आधारित कार्यक्रम श्रृंखला तैयार की जा रही है।
- औषधीय पौधों के लाभ और व्यावसायिक व्यवहार्यता पर अपनी तरह की पहली श्रृंखला तैयार की जा रही है।

डीडी रेट्रो

प्रसार भारती ने दूरदर्शन के पुराने क्लासिक धारावाहिकों के प्रसारण के लिए समर्पित एक नया हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल डीडी रेट्रो 13 अप्रैल, 2020 को शुरू किया। चैनल फ्री टू एयर है और डीडी फ्री डिश पर उपलब्ध है। इसे दूरदर्शन के केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र खेलगांव, नई दिल्ली से चलाया जा रहा है। चैनल को दूरदर्शन डीटीटी सेवा में जोड़ा गया है जो भारत के 19 शहरों में उपलब्ध है।

डीडी रेट्रो अभी पौराणिक महाकाव्य रामायण और महाभारत, ऐतिहासिक नाटक चाणक्य और सुपरहीरो श्रृंखला शक्तिमान, कॉमेडी–ड्रामा श्रीमान श्रीमती, जासूसी शो ब्योमकेश बख्शी, ड्रामा कार्यक्रम 'हम हैं ना' और शाहरुख खान के 'सर्कस' जैसे धारावाहिकों का प्रसारण करेगा।

यह निर्णय डीडी नेशनल के भारत के सबसे अधिक देखे जाने वाले चैनल के रूप में उभरने के बाद आया है, जब महाकाव्य रामायण प्रसारित होने पर हिंदी भाषी क्षेत्रों में इसकी दर्शकों की संख्या चार्ट में सबसे ऊपर रहा और अन्य शैलियों के अन्य सभी हिंदी–केंद्रित चैनलों को पीछे छोड़ दिया है।

रामायण के प्रसारण के समय सुबह 9 बजे और रात 9 बजे के स्लॉट में दूरदर्शन के दर्शकों की संख्या पिछले दो हफ्तों में 60 गुना बढ़ गई थी। इसी तरह, महाभारत के दोपहर 12 बजे और शाम 7 बजे के पुनः प्रसारण से दर्शकों की संख्या में 208 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है।

वर्तमान में डीडी रेट्रो पर फिर से चलाए जा रहे कार्यक्रम ये हैं।

उपनिषद गंगा, महाभारत, चाणक्य, संकट मोचन हनुमान, ब्योमकेश बख्शी, देख भाई देख, बुनियाद, बाबा तेरे हज़ारों हाथ, रजनी, सर्कस, द जंगल बुक, बाजे पायल, श्रीमान श्रीमती, सावित्री एक क्रांति, चरित्रहीन, दिल है फिर भी हिंदुस्तानी , मशाल, विष्णु पुराण, दूसरा केवल, कल हमारा है, मां शक्ति, चंद्रकांता।

क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (24x7)

डीडी सह्याद्रि

डीडी सह्याद्री एक 24x7 दिन चलने वाला एक क्षेत्रीय मराठी चैनल है जो सुबह 6 बजे से 9 बजे (रविवार को छोड़कर) और दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे (सभी दिन) तक टेरेस्ट्रियल सहयोग से चलता है। मराठी में क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा 15 अगस्त, 1994 से शुरू हुई। 5 अप्रैल, 2000 से इसने चौबीसों घंटे सेवा शुरू की। आज डीडी सह्याद्री के पास पांच स्टूडियो और एचडी ट्रांसमिशन हैं। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः कोविड –19 – रमजान त्योहार पर संदेश, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे का कोरोना महामारी पर संबोधन, सुख दुखाचा कलश, वीरता पुरस्कार विजेताओं की यात्रा पर आधारित सलाम वर्दी, विशेष कार्यक्रम ढोलकी झाली बोल्की और गणपति उत्सव पर आले गणराई–गणपति, गणपति बप्पा मोरया का सीधा प्रसारण– भगवान गणेश को विदाई, कोरोना महामारी के दौरान दूरबीन का उपयोग कर आरोग्य संपदा–सर्जिकल प्रक्रिया का सीधा प्रसारण, कार्यक्रमः महात्मा गांधी की जयंती पर महात्मा अनी मातृभूमि, नवरात्रि विशेष कार्यक्रम–उड़े गा अम्बे उड़े, विशेष कार्यक्रम आमची मांटि आमची मनसा, नववर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम। 2020– 2021 के दौरान कुछ नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे –

रंगा येईवो विचारांच्या पलीकडले

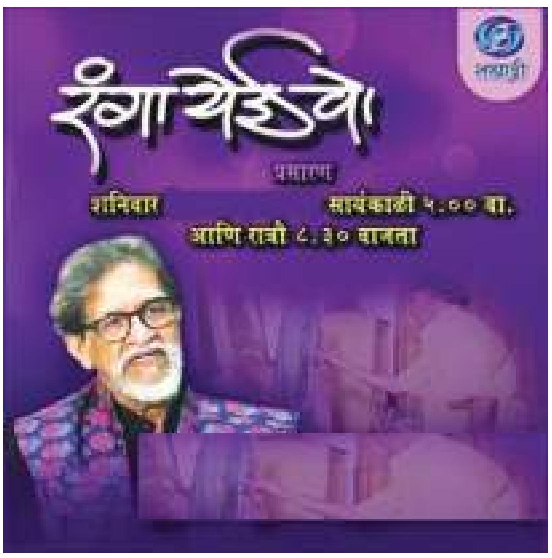

स्टार्टअप चैम्पियंस

डीडी गिरनार

डीडी गिरनार गुजराती में दिनांक 01.10.1993 को दिल्ली से जोड़कर शुरू किया गया था। तथापि, इसे 01.05.2000 से 24x7 घंटे का चैनल बना दिया गया। केंद्र द्वारा कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया है, जैसे – कीर्ति मंदिर,पोरबंदर में भारतीय नौसेना द्वारा संगीत बैंड का प्रदर्शन, अहमदाबाद में भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और पुलिस द्वारा संगीत बैंड का लाइव प्रदर्शन, द्वारकाधीश मंदिर, द्वारका से श्रीजी नी मंगल आरती दर्शन का प्रसारण।

द्वारकाधीश मंदिर, द्वारका से श्रीजी नी मंगल आरती दर्शन का प्रसारण

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 80वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह का केवड़िया, गुजरात से सीधा प्रसारण किया गया, धार्मिक पर्यटन के तहत "तीर्थ" कार्यक्रम जिसमें गुजरात के विभिन्न धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है, स्टैंडअप कॉमेडी – गम्मत गुलाल, गेम शो–एक मिनट और विधानसभा सत्र पर गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम – लोकशाही ना ढाबकारा का प्रसारण किया गया।

डीडी पोढ़ीगई

क्षेत्रीय भाषा तमिल उपग्रह चैनल – डीडी पोढ़ीगई ने दिनांक 15.1.2001 से चौबीस घंटे प्रसारण के साथ काम करना शुरू किया। केंद्र द्वारा कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम किए गए हैं, जैसे दूरदर्शन के 61वें स्थापना दिवस पर 'सिने लाइट म्यूजिक' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, धार्मिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण जैसे तिरुचेंदूर में सूर्यसंहारम महोत्सव, तिरुवन्नामलाई में कार्तिगई महादीपम महोत्सव, सबरीमाला में महाराजोथी महोत्सव, अरुल्मिगुआधिपरसकथी सिद्दरपीदम में थिप्पोसम महोत्सव और मेलमरुवथु आदि।

डीडी यादगिरी

संयुक्त आंध्र प्रदेश का दो राज्यों में विभाजन होने के बाद, दूरदर्शन सप्तगिरि चैनल का नाम बदलकर हैदराबाद (तेलंगाना) में डीडी – यादगिरी कर दिया गया और इसने 27.09.2014 से कार्य करना शुरू कर दिया। इस अवधि के

दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं: भद्राचलम से श्री सीता राम चंद्र स्वामी कल्याणोत्सवम का सीधा प्रसारण, कोविड–19 पर माननीय प्रधानमंत्री का संदेश, तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, तेलंगाना डीजी कार्यालय से साइबर अभियान के शुभारंभ का सीधा प्रसारण और एस.पी. बालासुब्रह्मण्यम के निधन पर कार्यक्रम ''मनानियुलु'' का प्रसारण।

वायु सेना अकादमी, डुंडीगल, हैदराबाद में संयुक्त स्नातक परेड 2020

डीडी सप्तगिरी

डीडी सप्तगिरि चैनल 27–09–2014 को आंध्र प्रदेश के लोगों को समर्पित किया गया और इसने विजयवाड़ा से प्रसारण शुरू किया। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं:– विशाखापत्तनम में भारतीय सेना/भारतीय नौसेना/भारतीय वायु सेना और पुलिस के म्यूजिकल बैंड का सीधा प्रसारण, श्री राम नवमी पर विशेष कार्यक्रम, तिरुपति, विजयवाड़ा साकम्बरी उत्सव, 2020 और मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयंती आदि पर विशेष कार्यक्रम।

डीडी बंगला

20 अगस्त,1992 को शुरू किया गया, डीडी बंगला चैनल 1 जनवरी, 2000 से 24 घंटे का चैनल बन गया। डीडी बंगला बंगाल की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसके संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

डीडीके, जलपाईगुड़ी और डीडीके, शांतिनिकेतन से रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर कार्यक्रम का प्रसारण और इसे डीडी बंगला द्वारा कवर किया गया। विभिन्न काली मंदिरों के इतिहास सहित सतीपीठ की झलकियों के साथ "शक्ति रुपेनो" – एक संगीत नाट्यरूपक दुर्गा पूजा कार्यक्रम, विश्वभारती, शांतिनिकेतन से 'पोस उत्सव' 2020 कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, रामकृष्ण मिशनः गोलपार्क में 158वें स्वामी विवेकानंद संगीत समारोह का सीधा प्रसारण, नेशनल लाइब्रेरी, कोलकाता से नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती और विश्वभारती शांतिनिकेतन दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।

विश्वभारती, शांतिनिकेतन से 'पोस उत्सव' 2020 कार्यक्रम का चित्र

डीडी पंजाबी

डीडी पंजाबी 24 घंटे चलने वाला पंजाबी चैनल है जो सेटेलाइट जीसेट–17 के माध्यम से भारत के साथ अन्य देशों में भी देखा जाता है। मीडिया समर्थन के अंतर्गत, केंद्र समाचार पत्रों में प्रकाशन के लिए कार्यक्रम विवरण भेज रहा है और प्रचार और क्रॉस चैनल प्रचार के लिए सोशल मीडिया जैसे यू ट्यूब, ट्विटर और फेसबुक का उपयोग कर रहा है। चैनल ने 3 पीटीसी पंजाबी फिल्म अवार्ड और 2 फिल्म फेयर अवार्ड प्राप्त किए हैं। श्रीमती सरगुन मेहता भारतीय अभिनेत्री मॉडल और "चमकते सितारे" की टेलीविज़न एंकर को भी अवार्ड प्राप्त हुआ है।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः धार्मिक धारावाहिक "गुरु मनियोग्रंथ" के सात एपिसोड,महाराजा रणजीत सिंह जी पर वृत्तचित्र, श्री गुरु तेगबहादुर जी पर फीचर और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती पर फीचर।

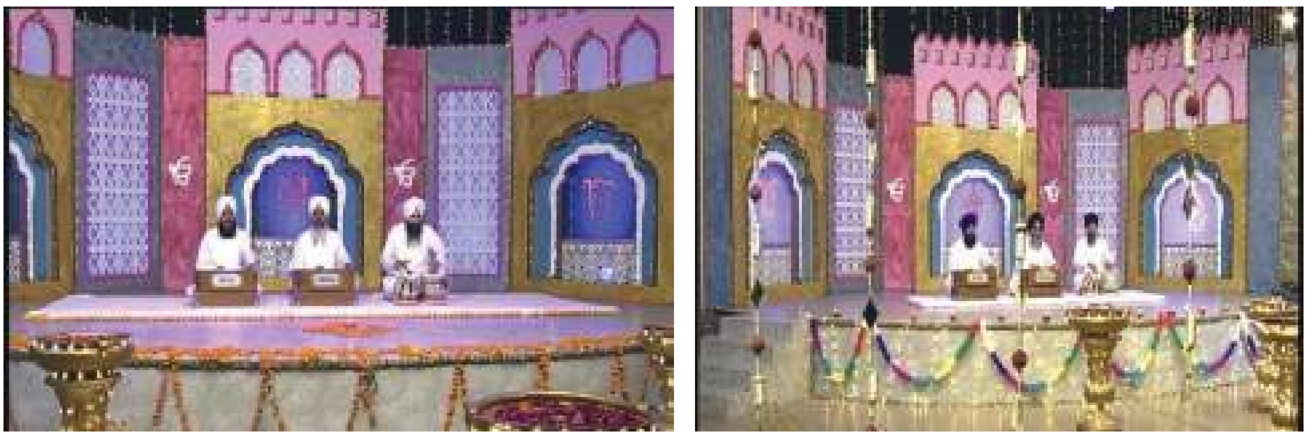

गुरु मनियो ग्रंथ

डीडी कशीर

एक अलग क्षेत्रीय भाषाई उपग्रह चैनल के रूप में डीडी कशीर का 06–06–2000 को उद्घाटन किया गया था। इसे केन्द्र शासित प्रदेश में स्थित हाई पावर ट्रांसमीटर और दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म के माध्यम से स्थलीय सहायता प्राप्त है। डीडी कशीर का प्रसारण प्रतिदिन 1500 बजे से 2000 बजे के बीच 5 घंटे के लिए और इसे डीडी नेशनल से डी–लिंकिंग के बाद अतिरिक्त स्थलीय सेवा के माध्यम से भी प्रसारित किया जाता है। यह चैनल केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा बोली जाने वाली 12 अलग–अलग भाषाओं/बोलियों में कार्यक्रम तैयार कर रहा है। डोगरी और लद्दाखी में एक–एक अर्थात दो समाचार बुलेटिन शुरू किए गए हैं। कार्यक्रम की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म यानी फेसबुक, ट्विटर,इंस्टाग्राम और यूट्यूब का भी उपयोग करता है।

2020–21 के दौरान प्रमुख पहल और उपलब्धियां: श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा से आरती का सीधा प्रसारण, लेह में जवानों को माननीय प्रधानमंत्री जी का संबोधन, लेह में सेना के जवानों को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह का संबोधन, ईद–ए–मिलाद–उन–नबी (एसएडब्ल्यू) पर महफिल–ए–मिलाद नामक विशेष कार्यक्रम और महाशिवरात्रि के संबंध में विशेष कार्यक्रम।

लेह में सेना के जवानों को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह का संबोधन

डीडी उड़िया

डीडी उड़िया ने डीडी–5 के रूप में 2 अक्तूबर 1993 से कार्य प्रारंभ किया था। 01अप्रैल, 2001 को इसे 24 घंटे का चैनल बनाया गया।

इस अवधि के दौरान चैनल द्वारा प्रसारित और कवर किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम: उत्कल दिवस पर विशेष कार्यक्रम, पुरी की रथयात्रा,किसान सर्वोपरि के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री का किसानों को दिए गए संबोधन का प्रसारण, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आईआईएम संबलपुर, ओडिशा की आधारशिला रखे जाने का प्रसारण, पुरी से मोहोदाधिएलाती और सक्षम साइक्लोट्रॉन 2021 का सीधा प्रसारण।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 जनवरी 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा आईआईएम संबलपुर के स्थायी परिसर की आधारशिला रखी।

डीडी मलयालम

1985 में स्थापना के समय से ही डीडी मलयालम ने पूरे भारत में अपनी अनूठी पहचान बनाए रखी है। इस केंद्र की कार्यक्रम निर्माण सुविधा तिरुवनंतपुरम, त्रिशुर एवं कालीकट में उपलब्ध है। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः वृत्तचित्र – वरयादुकालुदे लोकम, युद्ध पर कार्यक्रम ''वी द सोल्जर्स'', केरल पुलिस द्वारा म्यूजिक बैंड शो, त्रिवेंद्रम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा – बेहतर सुविधाएं विषय पर चर्चा, महाकवि अक्किथम अच्युतन नंबूथिरी पर 'निथ्य निर्मल पूर्णिमा' नामक विशेष कार्यक्रम, सबरीमाला मकरविलक्कू कर्टेन राइजर, सबरीमाला मकरविलक्कु महोत्सव, चेट्टीकुलंगरा कुंभाभरनी महोत्सव और अतुकल पोंगल महोत्सव पर विशेष कार्यक्रम।

अतुकल पोंगल 2021– 27 फरवरी,2021

डीडी चंदना

कर्नाटक का क्षेत्रीय भाषा का उपग्रह चैनल 15 अगस्त,1991 को शुरू किया गया था। यह चैनल 1 जनवरी 2000 को 24 घंटे का चैनल बन गया। बाद में इस चैनल का नाम बदलकर चंदना कर दिया गया। 28.12.2018 को नए डिजिटल अर्थ स्टेशन की संस्थापना और शुरूआत के साथ इस केंद्र के प्रसारण की सुविधा को और सुदृढ़ किया गया। यह

केन्द्र उर्दू, तुलु, कोंकणी, कोडवा, अंग्रेजी और हिंदी में कार्यक्रम प्रसारित करता है।

डीडी चंदना की सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर गतिविधियां बढ़ गई हैं, यूट्यूब पर इसके +435 हजार अभिदाता हैं और यूट्यूब के माध्यम से 13.8 लाख रुपये (लगभग) का राजस्व प्राप्त हुआ है और रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान फेसबुक पर इसके 8 हजार फॉलोअर्स की वृद्धि हुई है।

2020–21 के दौरान, दूरदर्शन चंदना ने कैंपस कनेक्ट (छात्रों की गतिविधियों पर कार्यक्रम– संवेदाः प्रायोजित डीएसईआरटी कार्यक्रम – कक्षा 5वीं से 10वीं तक के लिए), चित्रमंजरी और रंगवल्ली (फिल्म गीतों पर आधारित कार्यक्रम), सप्ताहांत हास्य धारावाहिक और दैनिक कन्नड़ फीचर फिल्मों जैसे नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। आमंत्रित दर्शक कार्यक्रम (चंदना पुरस्कार –2020, अहिंसा महोत्सव –2020 और क्रिस्टा नमना) में अंतर–जिला लाइट म्यूजिक प्रतियोगिता और कर्नाटक के विभिन्न नृत्य विद्यालयों की नर्तकियों के बीच नृत्य प्रतियोगिता जैसी नई पहल पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। यह चैनल केंद्र से 40 किलोमीटर के दायरे तक डीटीटी के माध्यम से 5 वीडियो चैनल और 3 रेडियो चैनल प्रसारित कर रहा है।

उपर्युक्त के अलावा इस अवधि के दौरान कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का कवरेज किया गया, जैसे 19.11.2020 और 21.11.2020 को होटल संगरी ला वसंत नगर, बेंगलुरु में ''बेंगलुरु टेक समिट 2020'', फरवरी, 2021 में एयरो– इंडिया 2021 और मार्च, 2021 में उगादी उत्सव आदि का सीधा कवरेज।

''बेंगलुरु टेक समिट 2020'' से चित्र

डीडी असम

डीडी नॉर्थ–ईस्ट की स्थापना 01–11–1990 को की गई थी और बाद में 15 अगस्त,1994 को इसका आरंभ किया गया। 27 दिसंबर,2000 से यह 24 घंटे का चैनल बन गया। डीडी नॉर्थ ईस्ट का नाम बदलकर डीडी असम कर दिया गया और माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री द्वारा औपचारिक रूप से इसे 04 अगस्त 2020 को आरंभ किया गया था।

माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावेडकर जी द्वारा डीडी असम की वर्चुअल लॉचिंग

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः हाजो पर आधारित कार्यक्रम मूविंग फोकस, तीर्थ यात्रियों का स्वर्ग, असम की कार्बी जनजाति की सांस्कृतिक विरासत पर कार्यक्रम, भूकंप और भूस्खलन पर कार्यक्रम का प्रसारण, आईआईटी परिसर, उत्तरी गुवाहाटी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 22वें दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण, डीडीके डिब्रूगढ़ द्वारा डीडी की वर्षगांठ पर निर्मित विशेष कार्यक्रम यात्रा नील नीलिमालो, नलबाड़ी जिले में प्रसिद्ध शिव मंदिर –बिलेश्वर देवालय पर वृत्तचित्र।

डीडी अरुण प्रभा

डीडी अरुण प्रभा का उद्‌भव दूरदर्शन केंद्र, ईटानगर से हुआ और 09 फरवरी, 2019 को इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह चैनल अत्यानुधिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अंतर्गत एक डिजीटल सैटेलाइट न्यूज़ एकत्रीकरण यूनिट है जो दूरदराज के क्षेत्रों से 24x7 घंटे के सीधे कवरेज को उपलब्ध कराता है। प्लेआउट सुविधा और डीडीके, ईटानगर में स्थापित भू केंद्र, जो डीडी अरुण प्रभा का निर्बाध प्रसारण सुनिश्चित करवाते हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 2018–19 से 2020–21 तक बीआईएनडी (बिंड) योजना के लिए 128.51 करोड़ रू. की कुल राशि आवंटित की गई है। इसमें से 31 मार्च 2021 तक 125.89 करोड़ रू. डीडी अरुण प्रभा के कमीशनिंग कार्यक्रम पर खर्च किए गए हैं।

डीडी अरुण प्रभा के कार्यक्रम सामान्य रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र की लक्षित आबादी और विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश राज्य की 17.49 लाख आबादी के लिए हैं। दूरदर्शन की फ्री डिश और केबल नेटवर्क के अलावा, इन कार्यक्रमों को निजी डीटीएच सेवा प्रदाता जैसे टाटा स्काई, एयरटेल और डिश टीवी द्वारा भी चलाया जाता है।

चैनल ने विभिन्न शैलियों में कुछ इन–हाउस कार्यक्रम भी तैयार किए हैं, जैसे कि 'कॉल ऑफ द वाइल्ड', 'क्यूसिन्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट', 'स्ट्रमः बैंडस ऑफ नॉर्थ ईस्ट' आदि। डीडी अरुण प्रभा यथासमय चैनल की सामग्री और इसके चित्रण में सुधार करने की प्रक्रिया पर भी कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया जोरों पर है। 116 कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई थी और 116 कार्यक्रमों में से 109 कार्यक्रमों को विभिन्न शैलियों जैसे डेली सोप, यात्रा वृत्तांत, रियलिटी शो, वृत्तचित्र, थ्रिलर, पौराणिक कथा, पत्रिका, टेलीफिल्म और प्रश्नोत्तरी आदि में शुरू करने के लिए कार्य चल रहा हैं। 109 कार्यक्रमों में से 76 कार्यक्रम प्रसारण के लिए तैयार हैं और 6.6.2020 से डीडी अरुण प्रभा और डीडी नेशनल चैनल पर इनका प्रसारण शुरू कर दिया गया है।

2019 से 2021 तक बीआईएनडी (बिंड) योजना के संबंध में अनुदान का उपयोग

i. डीडी अरुणप्रभा के साथ–साथ डीडी नेशनल पर मनोरंजन गतिविधियों से संबंधित 12 घंटे से अधिक के नए कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसारण किया गया है।

ii. कार्यक्रम यात्रा वृत्तांत, पत्रिका, प्रश्नोत्तरी, थ्रिलर, पौराणिक कथाओं, वृत्तचित्र, टेलीफिल्म्स, डेली शोप और रियलिटी शो जैसी विभिन्न शैलियों के हैं। चैनल ने 'सड़क का सुपर स्टार', 'लव यू जिंदगी', 'एफआईआर एंड जजमेंट'

आदि जैसे कुछ बहुत ही उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रम प्रसारित किए हैं। इन कार्यक्रमों का प्रसारण जुलाई, 2020 से डीडी नेशनल के साथ–साथ डीडी अरुण प्रभा पर भी किया जा रहा है।

iii. चैनल बहुत ही कम समय में नार्थ ईस्ट के साथ–साथ पूरे भारत में भी काफी लोकप्रिय हो गया है, जिसे दर्शकों की बढ़ती संख्या से देखा जा सकता है।

iv. डीडी अरुण प्रभा का सारा कंटेंट सभी डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर भी शेयर किया गया है।

v. यह चैनल डिजीटल सैटेलाइट न्यूज़ एकत्रीकरण यूनिट सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे डीडीके, ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश) से दूरदराज के क्षेत्रों की 24x7 घंटे के सीधे कवरेज की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अलावा इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ अन्य कार्यक्रम हैं –

वायरस दोस्त (डेली सोप), शिलांग हॉलिडे होम (डी/एस), गोलमाल अस्पताल (कॉमेडी सीरियल), लालरेखा (डी/एस), जातक कथा (पौराणिक कथा), टेल्स ऑफ लामाज (पौराणिक कथा), मेलोडियस ऐट (यात्रा वृत्तांत)।

DD RAJASTHAN

डी डी राजस्थान

24 घंटे प्रसारित किए जाने वाला डीडी राजस्थान 1 अगस्त, 2013 को अस्तित्व में आया और औपचारिक रूप से इसके द्वारा 15 अगस्त, 2013 से कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू किया गया।

इस अवधि के दौरान, लाइव यू सेटअप को समाचार अनुभाग के लिए सफलतापूर्वक चालू किया गया। समाचार अनुभाग एफटीपी के लिए भी नया हार्डवेयर स्थापित किया गया है। संस्कृत समाचार और वर्तावली का प्रसारण दिनांक 03.12. 2020 से शुरू हुआ।

महामारी के बावजूद, डीडी राजस्थान द्वारा अगस्त, 2020 में भारतीय सेना (नसीराबाद और झांसी) के संगीत बैंड का लाइव ओबी कवरेज, कारगिल के वीरों को सलाम, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सुभाष चंद्र बोस और कृषि दर्शन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, बैंड कन्सर्ट, नसीराबाद में गणतंत्र दिवस के अवसर पर, फरवरी, 2021 में ख्वाजा साहब पर यूअर्स स्पेशल कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

भारतीय सैनिक बैंड संगीतमय संध्या, नसीराबाद

गणतंत्र दिवस के अवसर पर बैंड कन्सर्ट, नसीराबाद

डीडी बिहार

24x7 घंटे के क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल डीडी बिहार का शुभारंभ 01.05.2013 को किया गया। उपग्रह चैनल के रूप में शुभारंभ के बाद से संपूर्ण देश में इसका विस्तार होने लगा। कोरोना पर विशेष कार्यक्रम के अलावा केंद्र द्वारा राज्य के सबसे महत्वपूर्ण पर्व अर्थात छठ पर्व को दूरदर्शन केंद्र से कवर और प्रसारित किया गया। इसके अतिरिक्त मोतिहारी से बिहार पुलिस द्वारा बैंड कन्सर्ट का सीधा प्रसारण किया गया।

डीडी उत्तर प्रदेश

डीडी उत्तर प्रदेश 24x7 घंटे क्षेत्रीय हिंदी चैनल के रूप में 16 अगस्त, 2013 को अस्तित्व में आया। इस 24 घंटे प्रसारण के चैनल के अंतर्गत लोक संगीत, सुगम संगीत, नाटक, टॉक शो, प्रश्नोत्तरी और अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण होता है।

श्रवण बधिरों के लिए समाचार एवं संस्कृत समाचार केन्द्र द्वारा 15.12.2020 से प्रसारित की गई। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर का खिचरी उत्सव

अयोध्या में श्री राम मंदिर का शिलान्यास समारोह ''श्री राम मंदिर भूमिपूजन के साथ–साथ अयोध्या में श्री राम मंदिर का शिलान्यास समारोह'' राम मंदिर भूमि पूजन और शुभारंभ समारोह, गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर से खिचरी उत्सव का सीधा प्रसारण आदि।

डीडी मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश की विविध और समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डीडी मध्य प्रदेश चैनल 20 अक्तूबर 1992 को एक घंटे के क्षेत्रीय चैनल के रूप में लॉच किया गया था। बाद में इसे 04 घंटे का क्षेत्रीय चैनल बना दिया गया और 25.06.2013 से इसे 24 घंटे के क्षेत्रीय भाषा चैनल में बदल दिया गया।

इस अवधि के दौरान केंद्र में समाचारों के लिए नई ओबी वैन उपलब्ध कराई गई है और नया न्यूज़ सर्वर संस्थापित किया गया है। महामारी से संबंधित स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रसारण के अलावा, केंद्र ने 'कोरकू जनजाति' की जीवन शैली पर कार्यक्रम, दूरदर्शन स्थापना दिवस पर कार्यक्रम और राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव– सागर का भी प्रसारण किया।

डीडी छत्तीसगढ़

डीडीके रायपुर को वर्ष 1977 में आरंभ किया गया था। 01 अप्रैल, 2020 से 24x7 घंटे प्रसारण शुरू किया गया था। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः कॉविड 19 पर कार्यक्रम का प्रसारण, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जयंती पर विशेष कार्यक्रम, बस्तर में स्वास्थ्य सुरक्षा पर कार्यक्रम–कोरोना के विशेष संदर्भ सहित। योग दिवस पर विशेष कार्यक्रम– करे योग रहे निरोग और वन महोत्सव पर कार्यक्रम का प्रसारण।

डीडी उत्तराखंड

कार्यक्रम निर्माण सुविधा के साथ 2001 में डीडी उत्तराखंड की शुरूआत के दौरान इसकी अंतरिम स्थापना देहरादून में की गई थी। 1 जून, 2006 से इस केंद्र ने एक घंटे का प्रसारण शुरू किया, जो बाद में 2007 से दो घंटे और मार्च,2019 से छह घंटे तक बढ़ा दिया गया।

1 अप्रैल, 2020 से डीडी उत्तराखंड ने अपनी 24x7 घंटे की सेवाएं शुरू की। इस केंद्र से प्रसारित होने वाले अधिकांश कार्यक्रम क्षेत्रीय/स्थानीय भाषा में हैं अर्थात गढ़वाली, कुमाउनी, जौनसारी और रंग। इस अवधि के दौरान केंद्र द्वारा अन्य सामान्य कार्यक्रमों के अलावा, मथुरा और द्वारका से जन्माष्टमी समारोह, 2020 का प्रसारण, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा 3 स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि के साथ ई–संवाद, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा आत्मनिर्भर भारत पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के स्नातक समारोह पर रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।

डीडी झारखंड

दूरदर्शन केंद्र, रांची का आरंभ 25 सितंबर 1984 को किया गया था। 2 अप्रैल 2002 से, केंद्र ने क्षेत्रीय समाचारों का प्रसारण शुरू किया और साथ ही यह एक क्षेत्रीय इकाई बन गया, जिसका कवरेज क्षेत्र पूरे झारखंड में फैला हुआ है। 1 अप्रैल, 2020 से डीडी झारखंड ने 24x7 घंटे प्रसारण शुरू किया। अवधि के दौरान भारत रत्न डॉ. प्रणब मुखर्जी और स्वर्गीय श्री रामदयाल मुंडा को श्रद्धांजलि देने वाले कार्यक्रम के अलावा कोरोना वायरस, उभरता झारखंड, दूरदर्शन स्थापना दिवस, झारखंड विकास की और कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

राज्य नेटवर्क चैनल (24x7 घंटे चलने वाले चैनलों से इतर)

कोविड 19 महामारी के दौरान, 8 क्षेत्रीय चैनल (24x7 घंटे चलने वाले चैनलों से इतर) यानी डीडी हिमाचल प्रदेश, डीडी हरियाणा, डीडी गोवा, डीडी मिजोरम, डीडी त्रिपुरा, डीडी मेघालय, डीडी मणिपुर और डीडी नागालैंड 24x7 घंटे के उपग्रह सेवा चैनल बन गए जो पहले क्रमशः डीडीके शिमला, हिसार, पणजी, आइजोल, अगरतला, शिलांग, इंफाल और कोहिमा के नाम से जाने जाते थे। वर्तमान में ये चैनल सीमित घंटों के लिए कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं लेकिन चरणबद्ध तरीके से 24 घंटे कार्यक्रम प्रसारित करना शुरू कर देंगे।

HIMACHAL PRADESH

डीडी हिमाचल

दूरदर्शन केंद्र, शिमला 7 जून 1995 को आरंभ किया गया था। वर्ष 2014–15 से केंद्र प्रत्येक सोमवार से शनिवार अपराह्न 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे और रविवार को शाम 6:30 बजे से शाम 7:00 बजे तक क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। डीडी–शिमला का प्रसारण अब डीडी फ्री डिश 24x7 घंटे पर उपलब्ध होम चैनल स्ट्रीम पर है और इसे डीडी हिमाचल के नाम से जाना जाता है।

इस अवधि के दौरान, हिमाचल प्रदेश की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत, लोक नृत्य और संगीत पर ध्यान केंद्रित करते हुए केंद्र द्वारा विशेष संगीत कार्यक्रम ''हिमकलश'' और ''हिमाचलो–रा–नजारा प्रस्तुत/निर्मित और प्रसारित किए गए। उपर्युक्त के अलावा वर्ष 2020–21 के दौरान प्रसारित किए गए अन्य कार्यक्रम हैं: ''कोविड 19: चुनौतियों का सामना करती हिमाचल पुलिस'', ''मास्क–अप इंडिया अभियान'' पर कार्यक्रम।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा ऐतिहासिक रोहतांग सुरंग के उद्घाटन का सीधा प्रसारण

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में ''गांधी दर्शन'' नामक एक विशेष कार्यक्रम श्रृंखला, नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम ''स्वागतम 2021'' और हिमाचल प्रदेश राज्य के स्थापना दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह का सीधा प्रसारण।

डीडी मेघालय

शिलांग को 1983–84 में अपना पहला 100 वाट एलपी–टीवी ट्रांसमीटर मिला, जिसे 1990 में बढ़ाकर 1 किलोवाट ट्रांसमीटर कर दिया गया था। तथापि, दूरदर्शन केंद्र, शिलांग को वर्ष 1993 में प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात 1 किलोवाट ट्रांसमीटर को डीडी (नेशनल) के लिए 10 किलोवाट ट्रांसमीटर में अपग्रेड किया गया था, जिसने 09.02.2004 को कार्य करना आरंभ कर दिया था। वर्ष 2020 में कोविड 19 महामारी के दौरान इसे 24x7 घंटे का चैनल बनाया गया। इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं:'शिलांग दिस वीक', 'हेल्थ एसेंशियलस', 'ए डे इन द विलेज', 'डेस्टिनेशन मेघालय', 'का रिम्पेई', 'की खुबोर', 'फूड डायरिज', 'की टिवडोहमाव' और 'शिलांग बज'।

डीडी गोवा

डीडी पणजी ने 1 किलोवाट ट्रांसमीटर की संस्थापना के साथ 19 नवंबर,1982 से कार्यक्रमों को प्रसारित करना शुरू किया। सोमवार से शुक्रवार तक 30 मिनट की अवधि के लिए स्थानीय कार्यक्रमों के प्रसारण के साथ जून 1990 में केंद्र को पीजीएफ का दर्जा दिया गया। मराठी कार्यक्रम अक्तूबर 1996 से शुरू किए गए थे। अक्तूबर 2014 से स्थानीय प्रसारण की अवधि 3 घंटे तक बढ़ाई गई। क्षेत्रीय समाचार इकाई (आरएनयू) कोंकणी में 3 क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों को तैयार करती है जो सोमवार से रविवार तक रोजाना 1600 बजे, 1700 बजे और 1830 बजे प्रसारित होते हैं, जिनमें गोवा के उत्तर और दक्षिण जिलों से विभिन्न समाचारों को कवर किया जाता है।

दूरदर्शन पणजी ने 9 मार्च 2019 से फ्री डिश प्लेटफॉर्म पर अपना प्रसारण शुरू किया। अधिकांश कार्यक्रम कोंकणी और मराठी में प्रसारित होते हैं। चैनल इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी है। इन प्लेटफॉर्म का इन–हाउस कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। स्थानीय सामग्री की लाइव

स्ट्रीमिंग के लिए एक वैकल्पिक मंच के रूप में यूट्यूब का उपयोग भी किया जाता है।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं; गोवा मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों और नर्सों जैसे फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के सम्मान कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, 51वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), गोवा की आजादी के 60 वर्ष पूरा होने के अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद की यात्रा, धरतेरेवेलोस्वर्ग–एक साप्ताहिक कार्यक्रम जिसमें ऐसे कम ज्ञात क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जाता है जिनके बारे में लोग अनभिज्ञ हैं, सर्भवतनी (सोशो–कल्चर्ल राउंड–अप) कार्यक्रम जैसे 'भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव', 'फस्टीवल ऑफ आइडियाज', 'लोकोत्सव'(लोक नृत्य और गीतों का त्योहार) आदि को कवर और प्रसारित किया गया है, आरोग्यसंपदा– जिसमें कोविड 19 महामारी से संबंधित जानकारी के प्रसार पर विशेष जोर दिया गया। डॉक्टरों, सरकारी अधिकारियों और अन्य लोगों को शामिल करके कई कार्यक्रम तैयार किए गए।

51वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), 2020 का उद्घाटन

गोवा की आजादी के 60 वर्ष पूरा होने के अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी का संबोधन

डीडी हरियाणा

डीडीके हिसार 01.11.2002 को अस्तित्व में आया। शुरुआत में इस केंद्र से 1.15 घंटे का प्रसारण शुरू किया गया था, जिसे चरणबद्ध तरीके से धीरे–धीरे बढ़ाया गया। 02.04.2020 से डीडी हिसार से 24x7 घंटे प्रसारण शुरू कर दिया गया है, जिसमें से 4 घंटे यानी 03.00 बजे से शाम 07.00 बजे तक क्षेत्रीय प्रसारण किया जाता है और बाकी समय के लिए पीबीएनएस जुड़ा हुआ है। दिनांक 26.01.2021 से चैनल का नाम डीडी हिसार से बदलकर डीडी हरियाणा कर दिया गया था।

अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 के दौरान प्रसारित कार्यक्रमों सहित महत्वपूर्ण गतिविधियाँः

कोविड 19 महामारी के समय की लॉक डाउन अवधि के दौरान जनता को शिक्षित करने के लिए कोविड 19 पर कई ईएनजी आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मार्च 2021 में, होली त्योहार की पूर्व संध्या पर आमंत्रित दर्शकों की उपस्थिति में 60 मिनट का एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

होली त्यौहार की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

डीडी नागालैंड

15 अगस्त 1992 को एक क्षेत्रीय भाषा का उपग्रह चैनल लॉन्च किया गया, जिसे केंद्र में उपलब्ध सीमित संसाधनों को देखते हुए डीडी न्यूज़/डीडी इंडिया स्ट्रीम का उपयोग करके अप्रैल 2020 माह से 24 घंटे का चैनल बनाया गया। इस केंद्र को कोहिमा और दीमापुर के दूरदर्शन स्टूडियो से सहायता प्राप्त होती है। मनोरंजन धारावाहिक, सूचना और मनोरंजन आधारित कार्यक्रम, समाचार और समसामयिक मामले, सामाजिक कार्यक्रम और फिल्म कार्यक्रम इस चैनल पर प्रसारित होने वाली प्रमुख सामग्री हैं।

इस अवधि के दौरान डीडी नागालैंड की कुछ उल्लेखनीय गतिविधियाँ हैंः कोविड 19 के संबंध में जागरूकता पर नागालैंड के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से बाइट्स, कोविड टीकाकरण पर चर्चा कार्यक्रम, पोस्ट कोविड 19 वैक्सीन और मानसिक स्वास्थ्य, कोविड 19 के बारे में जागरूकता, कोरोना वायरस और पोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता।

डीडी त्रिपुरा

दूरदर्शन केंद्र अगरतला अक्तूबर 1982 माह के दौरान टीवीआरसी अगरतला के रूप में शुरू हुआ और बाद में 05.12.1986 को 10 किलोवाट में अपग्रेड किया गया। हाल ही में केंद्र को 24x7 घंटे के प्रसारण में परिवर्तित किया गया है, जिसमें स्थानीय कार्यक्रम प्रतिदिन 8 घंटे प्रसारित होते हैं और शेष समय डीडी इंडिया से जुड़े होते हैं। त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस ने 21 जनवरी 2021 को औपचारिक रूप से डीडीके अगरतला से प्रसारित डीडी त्रिपुरा का शुभारंभ किया। डीडी त्रिपुरा पर कार्यक्रम का प्रसारण द्विभाषी रूप में यानी बंगाली और कोकबोरोक भाषाओं में होता है, जिसमें क्रमश लगभग 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत का अनुपात होता है।

अप्रैल 2020 से प्रसारित कार्यक्रम गतिविधियाँ: कोविड 19 संबंधित स्पॉट, कैप्शन, स्क्रॉल, व्यूअर बाइट्स। दोनों भाषाओं में सप्ताह में दो बार कोविड–19 पर केंद्रित लाइव फोन–इन हेल्थ कार्यक्रम, असम राइफल्स ग्राउंड से 74वें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, दुर्गा पूजा पर विशेष कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस समारोह, 2021 की पूजा कवरेज पर 30 मिनट की दैनिक टीवी रिपोर्ट और बीएसएफ–बीजीबी मैत्री फुटबॉल मैच की कवरेज।

त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस द्वारा डीडी त्रिपुरा का शुभारंभ

डीडी मिजोरम

डीडी आइजोल ने जून 1995 से 01 घंटे के स्थानीय प्रसारण के साथ काम करना आरंभ किया। बाद में डीडी 1 और डीडी न्यूज़ दोनों को अपग्रेड करके केंद्र का प्रसारण समय अप्रैल, 2004 से बढ़ा दिया गया था। वर्तमान में डीडी मिजोरम पर 2 अप्रैल, 2020 से 24x7 घंटे प्रसारण होता है, जिसमें दोपहर 12:00 से 9:00 बजे के बीच 09 घंटे की अवधि के स्थानीय सामग्री के कार्यक्रमों का प्रसारण और बाकी समय डीडी इंडिया/होम चैनल के कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। डीडी मिजोरम ट्रांसमिशन सिग्नल को टेरेस्ट्रियल और सैटेलाइट मोड दोनों पर ले जाया जा रहा है और सिग्नल को 24x7 घंटे के प्रसारण के लिए डीटीएच प्लेटफॉर्म पर भी ले जाया जाता है। यह तीन लाइव न्यूज़ बुलेटिन 3:00 बजे, शाम 5:00 बजे (हेड लाइन) और मुख्य बुलेटिन 6:30 पर प्रसारित करता है।

महामारी कोविड 19 के दौरान, डीडी मिजोरम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए डॉक्टरों, विशेषज्ञ आदि को शामिल करके कोविड 19 पर विभिन्न चर्चा कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया। लोक हित के लिए अर्थव्यवस्था, बैंकिंग, बागवानी, कृषि केंद्र सरकार के पैकेज जैसे विभिन्न विषयों पर कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया। 1 से 3 सितंबर 2020 के बीच संपन्न विशेष राज्य विधानसभा सत्र का सीधा प्रसारण, बजट सत्र फरवरी–मार्च, 2021, मार्च 2021 के दौरान मिजोरम के सांस्कृतिक उत्सव ''चापचरकुट'' का सीधा प्रसारण और राज्य कला एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित नाटक प्रतियोगिता का प्रसारण किया गया।

चापचर कुट मार्च 2021

डीडी मणिपुर

1982 में एशियाई खेलों के दौरान वर्तमान आकाशवाणी, इंफाल परिसर में स्थापित डीडी मणिपुर को 100 वाट एलपीटी के साथ दूरदर्शन कवरेज के तहत लाया गया था। 30 अप्रैल,1993 को केंद्र से क्षेत्रीय प्रसारण शुरू हुआ। डीडीके इंफाल और डीडी 2 (मैट्रो) चैनल के कार्यालय सह स्टूडियो परिसर का उद्घाटन 23 दिसंबर 1995 को हुआ था। 9 मार्च 2019 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दूरदर्शन के फ्रीडिश पर डीडी मणिपुर चैनल को जोड़ने की घोषणा की। 26 जनवरी 2020 को डीडीके इंफाल ने मौजूदा जनशक्ति और उपकरण के साथ 24x7 घंटे प्रसारण का परीक्षण शुरू किया और अप्रैल 2020 से डीडी न्यूज़/डीडी इंडिया स्ट्रीम का उपयोग करके डीडी मणिपुर को सीमित घंटे के चैनल से 24x7 घंटे के चैनल में अनंतिम रूप से परिवर्तित कर दिया गया है।

यूट्यूब पर लगभग 1.4 लाख उपभोक्ताओं के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी चैनल की मजबूत उपस्थिति है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में आकाशवाणी और डीडी केंद्रों में सबसे अधिक है। इस केंद्र से प्रसारित होने वाले उल्लेखनीय कार्यक्रमों में मणिपुर संगाई महोत्सव (भुगतान के आधार पर) के उद्घाटन और समापन समारोहों का सीधा प्रसारण, प्रत्येक सोमवार को हक्सेलगी पाओजेल (स्वास्थ्य सेवा पर लाइव फोन–इन कार्यक्रम), मणिपुर के प्रोमिसिंग स्टार्टअपस पर कार्यक्रम और डीडी क्वीज टाइम का प्रसारण शामिल हैं।

मणिपुर संगाई महोत्सव, 2020 से चित्र

ञ विज्ञापन विक्रय और विपणन

i. दूरदर्शन विज्ञापन सेवा

यह विंग एयरटाइम की विक्रय के लिए विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों से परस्पर संपर्क स्थापित करता है। बदलते मार्केट परिदृश्यों को दृष्टिगत करते हुए समय–समय पर इस संबंध में नीति और नियमों का निर्माण और समीक्षा करता है। ग्राहकों के लिए मैन्युअल बिलिंग के स्थान पर ऑनलाइन बिलिंग ब्रॉडकास्टिंग ऑटोमेटेड शिड्यूलर (बीएटीएस) की शुरुआत की गई।

ii. लोक संपर्क सेवा (पीओएस) भूतपूर्व विकास संप्रेषण प्रभाग (डीसीडी)

सरकारी विभागों/ मंत्रालयों/ सार्वजनिक उपक्रमों के सम्प्रेषण की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवीन विकास सम्प्रेषण प्रतिमान के साथ सिंगल विंडो के तौर पर प्रोडक्शन हाउस व मार्केटिंग डिवीज़न के रूप में कार्य करने के लिए मार्च, 2001 में विकास सम्प्रेषण प्रभाग की (डीसीडी) स्थापना हुई। यह मीडिया नियोजन, कार्यक्रम निर्माण, शिड्यूलिंग और प्रभावी मूल्यांकन के सभी पहलुओं के लिए तैयार समाधान उपलब्ध करवाता है। विकास संप्रेषण प्रभाग (डीसीडी) निम्नलिखित के लिए सिंगल विंडो सुविधाएं उपलब्ध कराता है –

- दूरदर्शन एयर टाइम की मार्केटिंग और निर्माण क्षमता
- कंसलटेंसी और कस्टमाइजड मीडिया प्लानिंग
- क्षेत्रीय भाषाओं के कार्यक्रमों का निर्माण; और
- पक्षकार के लिए फीडबेक और अनुसंधान सर्वेक्षण

अवधि के दौरान निष्पादित अभियानः–

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के विभिन्न अभियान जैसे तंबाकू निषेध, चिकनगुनिया, डेंगू, टीकाकरण, परिवार नियोजन, कुष्ठ रोग और स्तनपान।
- 2020–21 के दौरान आयुष मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) पर विशेष अभियान प्रसारित किए गए। सभी डीडी चैनलों पर 11 से 21 जून, 20 तक योग प्रोटोकॉल पर कार्यक्रम और स्पॉट प्रसारित किए गए। https://www.youtube.com/watch?v=KtwUg8YXohc
- राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की ओर से कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) और महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के संरक्षण और रोकथाम के लिए अप्रैल 2020 में डीडी नेटवर्क पर अभियान चलाया गया।
- आधार और इससे जुड़े लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मई 2020 में यूआईडीएआई के आधार अभियान डीडी नेटवर्क पर प्रसारित हुए।
- सितंबर 2020 और दिसंबर 2020 के दौरान आयकर विभाग, वित्त मंत्रालय के अग्रिम कर पर अभियान प्रसारित किए गए। https://we.tl/t-a6QUqfMNFX
- अप्रैल 2020 में कोरोना वायरस (कोविड 19) पर विशेष अभियान जैसे आरोग्य सेतु ऐप, स्वच्छता, महामारी के बारे में जनता को शिक्षित और जागरूक करने के लिए प्रोटोकॉल प्रसारित किए गए।
- मार्च, 2020 से दिसम्बर, 2020 के दौरान दूरदर्शन पर एनडीएमए के विशेष अभियान (हीट वेव/शीत लहर/ चक्रवात/बाढ़/भूकंप आपदा) प्रसारित हुए। एनडीएमए के लिए डीडी न्यूज़ और निर्दिष्ट क्षेत्रीय चैनलों पर एक विशेष कार्यक्रम आपदा का सामना को निर्मित किया जा रहा है, जिसका साप्ताहिक प्रसारण किया जा रहा है। (https://youtu.be/ato6wJiBHlY)
- लैपटॉप ब्रांडिंग, हेडलाइन और मौसम ब्रांडिंग तथा उपभोक्ता मामले के मंत्रालय के जागो ग्राहक जागो अभियान के स्क्रॉल संदेशों को डीडी न्यूज़, डीडी किसान और दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनलों पर सितंबर 2020 से 360 दिनों के लिए प्रसारित किया जाएगा। https://youtu.be/J7KpeeIoxa8 उपभोक्ता मामले लिंक लैपटॉप ब्रांडिंग।

- कारपोरेट कार्य मंत्रालय के आईईपीएफ के लिए अगस्त 2020 से 180 दिनों के लिए क्षेत्रीय चैनलों सहित दूरदर्शन नेटवर्क पर विशेष स्क्रॉल संदेश प्रसारित किया गया ताकि निवेशकों को धोखेबाजों और निवेश पर भ्रामक रिटर्न के बारे में जागरूक और शिक्षित किया जा सके।
- सुक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय के एससी/एसटी हब, एनएसआईसी के लिए विशेष स्क्रॉल संदेश क्षेत्रीय चैनलों सहित दूरदर्शन नेटवर्क पर अक्तूबर 2020 से 180 दिनों के लिए प्रसारित किए गए।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लिए "अर्थ मैटर्स" नामक एक यात्रा वृत्तांत श्रृंखला मार्च, 2021 से प्रसारित की जा रही है।
- एनएमसीजी (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन) की एक यात्रा वृत्तांत श्रृंखला रग रग में गंगा–II निर्माणाधीन है, जिसे मार्च, 2021 में शुरू किया जाना है।
- उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की ओर से कोविड–19 पर एक विशेष 60 मिनट का एपिसोड दिसंबर 2020 से जनवरी, 2021 के दौरान डीडी नेशनल और डीडी नॉर्थ ईस्ट पर प्रसारित किया जाएगा।
- उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की ओर से डीडी नेशनल और डीडी नॉर्थ ईस्ट पर भारत की क्लीनर और स्टीनर कहानियों पर एक वृत्तचित्र श्रृंखला शुरू की जाएगी।
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर एक वृत्तचित्र श्रृंखला अभियान विचाराधीन है।
- गृह मंत्रालय की ओर से ''मेरा घर इंडिया'' नामक लघु फिल्मों की एक श्रृंखला।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए 30 मिनट की यात्रा वृत्तांत श्रृंखला।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए डीडी नेटवर्क पर परिवार नियोजन स्पॉट अभियान का प्रसारण किया जाएगा।
- आयकर विभाग, वित्त मंत्रालय के लिए आईटीआर भरने से संबंधित अभियान।
- इफको–25 एपिसोड श्रृंखला का निर्माण और इसका डीडी किसान पर प्रसारण।
- एफएसएसएआई स्पॉट अभियान शुरू किया जाएगा।
- पर्यटन मंत्रालय की कहानियां–क्या आप जानते हैं प्रसारण के लिए लंबित हैं।
- आईआरडीएआई नामक फिक्शन श्रृंखला शुरू की जाएगी।

iii. मीडिया प्रचार प्रभाग (एमपीडी)

महानिदेशालय का मीडिया प्रचार प्रभाग एक गतिशील इकाई है, जो मीडिया और प्रचार गतिविधियों का कार्य करती है। प्रसार भारती की गतिविधियों और कार्यक्रमों के प्रचार के लिए सभी प्रकार के संचार, विज्ञापन, आउटडोर प्रचार, प्रेस विज्ञप्ति, पुस्तिकाएँ, प्रेस सम्मेलन आदि किए जाते हैं।

अवधि के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियां:

- ''गणतंत्र दिवस 2020'' की थीम के लिए होर्डिंग और बैनर की डिजाइनिंग और छपाई और उनको दूरदर्शन और आकाशवाणी परिसर में लगाना।
- डीडी और आकाशवाणी परिसर के लिए प्रचार अभियान, प्रिंटिंग बैनर और होर्डिंग।
- भारत में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान कोविड 19 के संबंध में "इंडिया वॉच दूरदर्शन" का प्रचार अभियान।
- रामायण, महाभारत, गली गली सिम सिम आदि कार्यक्रमों के प्रचार के लिए विभिन्न प्रेस विज्ञप्तियां। महात्मा गांधी जयंती 2020 के अवसर पर केंद्रीय भंडार के साथ मीडिया साझेदारी। केंद्रीय भंडार के कार्यक्रम में कार्यक्रम की बुकलेट में विज्ञापन दिए गए, प्रतिनिधि किट के कवर और आमंत्रण मेल पर लोगो का उपयोग किया गया था, इवेंट स्टैंडियों पर लोगो प्रदर्शित किया गया था और आयोजन स्थल आदि पर स्टॉल लगाया गया।

- विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में समन्वय– राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के साथ लोगो का मानकीकरण; मेट्रो स्टेशन की ब्रांडिंग; पीबी परिसर के टाप पर नियॉन साइन बोर्ड; यूटिलिटी ब्लॉक आउटडोर प्रचार; दूरदर्शन और आकाशवाणी में एआरयू प्रभाग के सभी स्टाफ सदस्यों के साथ यूनिपोल और वर्चुअल बैठकों का डिजिटलीकरण।
- बाहरी प्रचार के लिए विभिन्न रचनात्मक डिजाइनिंग।
- ब्रांडिंग और विज्ञापन के लिए प्रसार भारती इस आयोजन में 2014 से भाग ले रहा है और कॉर्पोरेट ब्रांडिंग के लिए इसका फायदा उठाया गया है। इससे बड़े मंच पर संगठन की ब्रांडिंग और विज्ञापन में मदद मिली है।
- विश्व रेडियो दिवस पर यूनेस्को के साथ साझेदारी। प्रचार और प्रसार के लिए संगठन के साथ विभिन्न संपार्श्विक और राइट–अप साझा किए गए।
- विजुअल आइडेंटिटि (लोगो) प्रस्ताव के डिजाइन के संबंध में एनआईडी और प्रसार भारती के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- विपणन संभावनों के रूप में पीतमपुरा टॉवर के उपयोग के संबंध में प्रस्ताव और समन्वय।
- प्रिंट मीडिया में डीडी फ्री डिश की 52वीं और 53वीं ई नीलामी के लिए अभियान।
- संविदा आधारित कर्मचारियों के नियमितीकरण के संबंध में विज्ञापन अभियान।
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह के लिए बैनर और स्टैंडी लगाए गए।

दर्शक अनुसंधान

दूरदर्शन का दर्शक अनुसंधान एकक देश भर में दूरदर्शन केंद्रों के स्थित अपनी 19 फील्ड इकाइयों के साथ 1976 से प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर शोध अध्ययनों में शामिल है। इस अवधि के दौरान दर्शक अनुसंधान एकक का योगदान इस प्रकार है :

- साप्ताहिक आधार पर बीएआरसी टेलीविज़न व्यूअरशिप रिपोर्ट का विश्लेषण और रिपोर्टिंग।
- प्रसार भारती की 2019–20 और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की 2020–21 की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
- वित्त वर्ष 2020–21 के लिए दूरदर्शन चैनलों के संबंध में व्यूअरशिप डेटा के लिए कार्य विवरण (एसओडब्ल्यू) हेतु बीएआरसी (ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए एजेंडा नोट तैयार करना।
- रियल टाइम व्यूअरशिप एनालिटिक्स उपलब्ध कराने के लिए एक एजेंसी हेतु गठित समिति की बैठकें आयोजित की गईं।
- वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान डीडी नेशनल, डीडी न्यूज़ और डीडी रेट्रो चैनलों के संबंध में दर्शकों की संख्या के आंकड़ों के संबंध में जैप्र जैपर के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करना।